RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 10 अंक 118
नई दिल्ली, शनिवार, 5 मार्च, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

अगली पीढ़ी मेरे करियर से सीख ले सकती हैः कोहली
स्पोर्ट्स-12

www.dailypioneer.com

यूक्रेन से निकल रहे भारतीय छात्र को लगीं कई गोलियां

- राजधानी कीव में बनाया गया निशाना, गंभीर रूप से घायल हरजोत सिंह का चल रहा इलाज
- युद्धग्रस्त देश में इससे पहले 21 वर्षीय मेडिकल के छात्र नवीन की हो चुकी है मौत

घायल हरजोत सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

युद्धग्रस्त यूक्रेन की राजधानी कीव से भारत आने के लिए निकले एक छात्र को कई गोलियां मारी गईं। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़त छात्र की पहचान दिल्ली निवासी हरजोत सिंह के रूप में हुई है। अब कीव के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। तीन दिन पहले कर्नाटक के 21 वर्षीय मेडिकल छात्र नवीन शकरप्पा की खार्किव में गोलाबारी के दौरान मौत हो गई थी।

केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने शुक्रवार को घटना की पुष्टि की है। हरजोत सिंह ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि उन्हें भारतीय दूतावास से रोज आश्वासन तो मिला, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। वह भारतीय अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। हर दिन वे कहते हैं कि हम कुछ करेंगे, लेकिन अभी तक कुछ नहीं किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने शुक्रवार को नई दिल्ली में कहा कि भारतीय दूतावास हरजोत तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है और पूरा चिकित्सा खर्च वहन करेगा। उन्होंने कहा कि हम उनकी चिकित्सा स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा दूतावास उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में ताजा जानकारी हासिल करने का प्रयास कर रहा है, लेकन यह युद्ध क्षेत्र होने के कारण उन तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। इस बीच, भारतीय वायु सेना ने रूसी राजधानी मॉस्को से सूमी और खार्किव जैसे संघर्ष प्रभावित पूर्वी यूक्रेन के शहरों में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए दो आईएल-76 सैन्य परिवहन विमानों को स्टैंडबाय पर रखा है। भारत ऑपरेशन गंगा के तहत विशेष विमान चलाकर यूक्रेन से अपने छात्रों को निकाल रहा है।

चूंकि यूक्रेन का हवाई क्षेत्र 24 फरवरी से बंद है। ऐसे में लगातार छात्रों से रोमानिया, स्लोवाकिया, पोलैंड और हंगरी जैसे इसके पश्चिमी पड़ोसी देशों की सीमाओं पर छात्रों को बुलाया जा रहा है। यहां से भारतीय वायुसेना समेत कई एयरलाइंस के विमान छात्रों को भारत ला रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने संवाददाताओं से कहा कि युद्धग्रस्त देश को लेकर प्रथम परामर्श जारी होने के बाद करीब 20,000 भारतीय यूक्रेन की सीमा छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन गंगा के तहत अब तक 48 उड़ानों से 10,300 से अधिक भारतीयों को वापस लाया गया है। पिछले 24 घंटे में 18 उड़ानें भारत में उतरी हैं और इसके जरिए करीब 4000 भारतीय वापस लाए गए हैं। अगले 24 घंटों में 16 उड़ानों का कार्यक्रम है। इस बीच, दर्दनाक अनुभव बताते हुए हरजोत ने एक निजी टेलीविजन चैनल को बताया कि पिछले हफ्ते यूक्रेन की राजधानी कीव से एक कैब में बैठकर वह सीमा की ओर निकलने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें कई बार गोली मारी गई और उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। घायल अवस्था में वह घंटों तक सड़क पर पड़े रहे, बाद में एक एम्बुलेंस उन्हें अस्पताल ले गई। हरजोत ने कहा कि उन्हें कीव स्टेशन पर ट्रेन में नहीं चढ़ने दिया गया था, इसलिए उन्होंने और उनके दोस्तों ने लविव के लिए एक कैब किराए पर ली। यहां भी रूसी सेना ने भीषण हमला बोला था। वे कीव से बाहर जा रहे थे जब कई लोगों ने उनकी कैब पर फायरिंग शुरू कर दी। हरजोत सिंह ने कहा कि एक गोली मेरे कंधे से लगी। एक गोली मेरी छाती में मारी और एक पैर में तथा एक गोली घुटने में मारी, जिससे मेरा पैर टूट गया। उन्होंने कहा कि मुझे लविव जाने के लिए कुछ सुविधा चाहिए थी, लेकिन किसी ने मुझसे संपर्क नहीं किया। केवल एनडीटीवी ने मुझसे संपर्क किया। हरजोत सिंह का कहना है कि उन्हें रविवार रात को गोली मारी गई थी और तब से वह अस्पताल में भर्ती हैं। यह अस्पताल भारतीय दूतावास से 20 मिनट की दूरी पर स्थित है। मैंने दूतावास के लोगों से संपर्क किया और लविव जाने के लिए मदद मांगी। अधिकारी मुझसे सवाल पूछते रहे। मुझे अपनी कहानी कई बार दोहरानी पड़ी। मैं चल नहीं सकता। मैंने उनसे कहा कि मैं अस्पताल से बाहर आ सकता हूं। मुझे किसी तरह लविव छुड़वा दीजिए, लेकिन किसी ने उनकी नहीं सुनी।

खार्किव व सुमी में युद्ध में घिरे हैं एक हजार छात्र

नई दिल्ली। भीषण युद्ध का सामना कर रहे यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव व सुमी में अभी भी एक हजार छात्र हैं। निकासी के प्रयासों के संबंध में बागची ने कहा कि युद्धविराम के बिना यह मुश्किल है। यूक्रेन और रूस से भारत ने आग्रह किया है कि भारतीय छात्रों के निकलने तक स्थानीय स्तर पर युद्ध रोका जाए। केंद्र सरकार आमने-सामने के युद्ध से घिरे खार्किव और सुमी सहित पूर्वी यूक्रेन पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां 1000 से अधिक छात्र फंसे हैं। यहां से सरकार पांच बसें चलाने में कामयाब रही तथा और बसों की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि सूमी में लगभग 700 और खार्किव में 300 छात्र अटके हैं। इसके अलावा पिसोचिन में 900 से 1,000 के बीच छात्र हैं। भारत ने यूक्रेन से विशेष ट्रेन चलाने का अनुरोध किया है, लेकिन अभी तक उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। भारतीयों को बंधक बनाए जाने की खबरों पर बागची ने कहा कि हम यह दोहराना चाहते हैं कि हमें किसी भारतीय को बंधक बनाए जाने की जानकारी नहीं है। खार्किव में विशेष रूप से सुरक्षा कारणों से छात्रों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन बंधक बनाए जैसी स्थिति नहीं है।

यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र पर रूसी फौज ने किया कब्जा

एपी। कीव

यूक्रेन में रूसी हमले का शिकार हुए यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र से विकिरण स्त्राव की कोई सूचना नहीं है और दमकल कर्मियों ने परिसर में लगी आग पर काबू पा लिया है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और यूक्रेन के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने बताया कि रूस ने यूक्रेन के जापोरिज्जिया पमाणु संयंत्र को निशाना बनाकर जो गोले दागे थे, वे रिएक्टर के बजाय परिसर में मौजूद प्रशासनिक प्रशिक्षण केंद्र से टकराए थे। ग्रॉसी के साथ-साथ स्वीडन से लेकर चीन तक के परमाणु अधिकारियों ने कहा कि संयंत्र से विकिरण स्त्राव की कोई खबर नहीं है। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा है कि रूसी सैनिकों ने पूरे परिसर पर कब्जा कर लिया था, लेकिन संयंत्र के कर्मचारी इसका संचालन सुनिश्चित करने की कोशिशों में जुटे हैं।

ग्रॉसी ने कहा कि संयंत्र पूरी तरह से यूक्रेन के नियंत्रण में है। रूसी हमले के बाद जब शुरुआत में विकिरण स्त्राव की बात स्पष्ट नहीं थी, तब दुनियाभर में यूक्रेन के चेरनोबिल में हुई सबसे भीषण परमाणु त्रासदी की यादें ताजा हो गईं। पूरी दुनिया के हमले की निंदा करने के मद्देनजर रूस इससे पल्ला झाड़ते नजर आया। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने कोई सबूत पेश किए बिना रूसी गोलों के बजाय आगजनी को (शेष पेज 9)

रूस-यूक्रेन संकट पर यूनएचआरसी में मतदान से भी अलग रहा भारत

एजेंसी। जिनेवा/संयुक्त राष्ट्र

भारत ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में उस मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जिसमें यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई के परिणामस्वरूप तत्काल एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग स्थापित करने का निर्णय लिया गया। पिछले एक सप्ताह में भारत ने सुरक्षा परिषद और महासभा में भी मतदान नहीं किया था। संयुक्त राष्ट्र की 47 सदस्यीय इस परिषद में यूक्रेन में मानवाधिकारों की स्थिति पर एक मसौदा प्रस्ताव पर मतदान के बाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया। प्रस्ताव के पक्ष में 32 मत पड़े जबकि दो वोट (रूस और इरित्रिया) इसके खिलाफ पड़े, वहीं भारत, चीन, पाकिस्तान, सूडान और वेनेजुएला सहित 13 देशों ने इस मतदान में हिस्सा नहीं लिया। प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करने वाले देशों (शेष पेज 9)

भागलपुर में अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 14 मरे

- मलबे में तब्दील इमारत में 10 से 15 लोगों के फंसे होने की आशंका, पांच घायलों को निकाला गया

पायनियर समाचार सेवा। भागलपुर/नई दिल्ली

भागलपुर में शुक्रवार तड़के घर में चल रही अवैध पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया, जिसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। रिपोर्टों के अनुसार, विस्फोट से गिरी इमारत के मलबे में अभी भी 10 से 15 लोगों के फंसे होने की आशंका है। घायलों का मायागंज के जेएलएन अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भागलपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने कहा कि काजबलीचक इलाके में स्थानीय थाने से 100 मीटर से भी कम दूरी पर स्थित अनाथालय से सटी इमारत में शुक्रवार तड़के विस्फोट हुआ। यह इमारत महेंद्र मंडल नाम के व्यक्ति की है। डीएम ने कहा कि विस्फोट से मंडल का घर और आसपास की दो इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं। विस्फाट इतना जबरदस्त था कि इसकी आवाज दूर तक सुनाई दी। मलबा हटाने के लिए जेसीबी (अर्थ मूविंग इक्विपमेंट) मंगवाए गए हैं। बचाव कार्य जारी है। जिलाधिकारी ने कहा कि मौके पर बम निरोधक दस्ते और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें जांच में जुटी हैं और विस्फोटक सामग्री का पता लगाने के लिए नमूने एकत्र कर रही हैं। विस्फोट स्थल से अब तक बरामद 10 शवों के क्षत विक्षत होने से अभी तक पीड़ितों के पहचान की पुष्टि नहीं की है।

जिलाधिकारी ने कहा कि मंडल पहले भी पटाखों के अवैध निर्माण में शामिल रहा है। ठीक इसी तरह वर्ष 2008 के एक विस्फोट उसके घर में हुआ था, जिसमें उसकी पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई थी। भागलपुर विस्फोट (शेष पेज 9)

मोदी के रोड शो में सड़क पर उमड़ी काशी

- पीएम ने रोड शो के दौरान अस्सी के पप्पू की चाय की दुकान पर धर्मेन्द्र प्रधान के साथ ली चाय की चुस्की

सुशील कुमार मिश्र। वाराणसी

काशी के सांसद और पीएम नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को वाराणसी में मीरजापुर से रोड शो करने पहुंचे तो जगह जगह काफिले के रास्ते में उनका स्वागत काशीवासियों ने किया है। पीएम का काफिला जहां से भी निकला वहां से फूल मालाओं के साथ लोग उनका इंतजार करते मिले।

कई जगहों पर होली के खुमार में गुलाल की फुहारें भी उत्साहित लोगों ने उड़ाकर रोड शो का स्वागत किया। वहीं पीएम नरेन्द्र मोदी का काफिला बाबा दरबार से आगे बढ़ा तो पीएम अस्सी के पास पप्पू की चर्चित चाय की अड़ी पर जाकर कुल्हड़ वाली चाय की चुस्की भी ली। चाय का जायका ले रहे पीएम के साथ वहां मौजूद लोगों ने सेल्फी भी ली और पीएम ने भी चाय के लिए बनारस की अड़ी का अनुभव लिया। सात बजे

पीएम नरेन्द्र मोदी बाबा दरबार से निकले तो डमरू दल से अपने हाथ में डमरू लेकर खुद ही बजाने लगे तो डमरू दल भी खूब उत्साहित नजर आया। इसके बाद उनका काफलिा बीएचयू की ओर रवाना हो गए।

पीएम मोदी ने अपने वाहन में बैठकर लोगों का अभिवादन किया और उसके बाद पीएम का काफिला गोदौलिया चौराहे से होकर जंगमबाड़ी की बढ़ चला। सड़क किनारे लोगों की भीड़ ने हर-हर महादेव के जयघोष लगाएं। वहीं इससे पूर्व बाबा दरबार पहुंचने पर हर-हर महादेव से विश्वनाथ धाम गूंज उठा। पीएम मोदी ने बाबा विश्वनाथ दरबार में रुद्राभिषेक किया और भगवान की आरती उतारी । पूजा समाप्त हुई तो अर्चकों ने उनको माला पहनाई और फल प्रसाद दिए। चारों ओर गर्भगृह को निहारा और बाबा को प्रणाम किया। गर्भगृह से बाहर निकले तो उस दौरान मौजूद भक्तों को प्रणाम भी किया। इस दौरान न्यास अध्यक्ष और सदस्यों से मुलाकात की। अपने गंतव्य को प्रस्थान से पहले डमरू वादकों के हाथ से एक डमरू लेकर उन्होंने खुद बजाया भी। वहीं मंदिर में ओमप्रकाश मिश्र और संजय मिश्र अर्चक के (शेष पेज 9)

यूक्रेन से लौटे छात्रों के दाखिले की संभावना तलाश रहा केंद्र

- मेडिकल कोर्स पूरा करने के लिए मिल सकती है नियमों में ढील

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने की केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने उम्मीद की किरण दी है। मंत्रालय इसके लिए एनएमसी (विदेशी चिकित्सा स्नातक लाइसेंसधारी) नियमों, 2021 के प्रावधानों में ढील देने और भारत या विदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों में विकल्प की संभावना तलाश रही है।

भारतीय छात्रों को युद्धग्रस्त देश से भागने के साथ अपने भविष्य को लेकर भारी दुविधा का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस मुद्दे पर एनएमसी, स्वास्थ्य मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और नीति आयोग के अधिकारी जल्द ही महत्वपूर्ण बैठकें कर मामले की सहानुभूतिपूर्वक व मानवीय आधार पर समीक्षा की जाएगी। हालांकि, भारत में मेडिकल की सीमित सीटों और बुनियादी ढांचे को देखते हुए यह मामला आसान नहीं होगा। अधिकारी के अनुसार, एमबीबीएस के पांचवें या अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए स्थिति अधिक भ्रमित करने वाली हो सकती है क्योंकि उन्हें क्लीनिकल प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (विदेशी चिकित्सा स्नातक लाइसेंसधारी) नियम, 2021 के प्रावधानों के अनुसार अध्ययन के दौरान पूरा पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण और इंटर्नशिप या क्लर्कशिप भारत के बाहर एक ही विदेशी चिकित्सा संस्थान में किया जाएगा। प्रावधानों में यह भी कहा गया कि चिकित्सा प्रशिक्षण और इंटर्नशिप का कोई भी हिस्सा भारत में या उस देश के अलावा किसी अन्य देश में नहीं किया जाएगा जहां से प्राथमिक चिकित्सा योग्यता प्राप्त की गई है। एक आधिकारिक (शेष पेज 9)

पेशावर की शिया मस्जिद में जुमे की नमाज़ के दौरान विस्फोट

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी शहर पेशावर में जुमे (शुक्रवार) की नमाज़ के दौरान एक शिया मस्जिद में शक्तिशाली आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 56 लोगों की मौत हो गई और तकरीबन 200 लोग जख्मी हो गए। यह अफगानिस्तान की सरहद से लगते अशांत प्रांत में हुए सबसे घातक हमलों में से एक है। विस्फोट किस्सा ख्वानी बाजार के नज़दीक इमामबारगाह में उस वक्त हुआ जब लोग जुमे की नमाज़ अदा कर रहे थे। अफगानिस्तान की सीमा से लगते खैबर पख्तूनख्वाह प्रांत की राजधानी पेशावर में विस्फोट की जिम्मेदारी किसी भी समूह ने फौरन नहीं ली है। मगर इस्लामिक स्टेट और कट्टरपंथी आतंकवादी समूह अतीत में शिया समुदाय पर घातक हमलों की जि़म्मेदारी ले चुके हैं। लेडी रीडिंग अस्पताल (एलएचआर) के प्रवक्ता आसिम खान ने पुष्टि की कि विस्फोट में कम से कम 56 लोगों की मौत हुई है और 194 लोग जख्मी हुए हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि आत्मघाती हमलावर काले रंग के कपड़े पहने हुए था और जैसे ही वह मस्जिद में घुसा, उसने पहले सुरक्षा कर्मी की गोली मारकर हत्या की और फिर पांच-छह गोलियां चलाईं।

बाजार

सेंसेक्स	53,887	↓	768	
निफ्टी	16,245	↓	252	
सोना	51,863	↑	75	/10g
चांदी	67,996	↓	453	/kg

क्विक न्यूज

शेन वॉर्न का दिल का दौरा पड़ने से निधन

मेलबर्न। स्पिन गेंदबाजी को नई परिभाषा देने वाले आस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वॉर्न का थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके प्रबंधन की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। वह 52 वर्ष के थे। वॉर्न के प्रबंधन ने आस्ट्रेलियाई मीडिया को एक संक्षिप्त बयान जारी किया है कि वॉर्न का थाईलैंड के को समुई में निधन हो गया है। बयान में कहा गया, शेन अपनी विला में अचेत पाए गए। मेडिकल स्टाफ की तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी जांच नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने कहा, उनके परिवार ने इस मौके पर निजता बनाए रखने की अपील की है। समय आने पर आगे ब्यौरा दिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शुमार वॉर्न ने 1992 में आस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण करके 145 टेस्ट खेले और 708 विकेट लिए। वहीं 194 वनडे में 293 विकेट चटकाए।

पूर्व पंजाब पुलिस प्रमुख की गिरफ्तारी पर हमेशा के लिए रोक से सुप्रीम कोर्ट हैरान

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने पंजाब के पूर्व डीजीपी सुमेध सिंह सैनी के खिलाफ लंबित सभी मामलों में पंजाब विधानसभा चुनाव तक उनकी गिरफ्तारी या मामले दर्ज करने पर रोक लगाने के पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को शुक्रवार को अभूतपूर्व और हैरान करने वाला बताया। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से खुद या अन्य पीठ गठित कर मामले पर सुनवाई करने का अनुरोध किया। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा, यह अभूतपूर्व आदेश है और हम इस तरह के आदेशों को बढ़ावा नहीं देते हैं। आप मौजूदा मामले में सुरक्षा दे सकते हैं लेकिन यह क्या है...भविष्य की प्राथमिकियों या मामलों में (शेष पेज 9)

ऐलान के दो माह बाद ही दिल्ली शिक्षक विवि शुरू

- आगामी सत्र से प्रारंभ होगी पढ़ाई, तैयार होंगे विश्वस्तरीय शिक्षक
- बीए-बीएड और बीएससी-बीएड जैसे कोर्स में ले सकेंगे दाखिला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी से निकलेंगे प्रशिक्षित और विश्वस्तरीय शिक्षक। केजरीवाल सरकार ने नए दौर के बेहतर शिक्षक तैयार करने के मकसद से दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय शुरू किया है। यह विश्वविद्यालय देश में सबसे कम समय में शुरू होने वाला विश्वविद्यालय है, जिसका विधानसभा में कानून बनने के मात्र दो महीने के भीतर इसका उद्घाटन किया गया है। इस विश्वविद्यालय में

आगामी सत्र से ही छात्र बीए-बीएड और बीएससी-बीएड जैसे कई पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकते हैं। उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को फीता काट कर इस दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय की शुरुआत की। इस मौके पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि आज एक अच्छा इंजिनियर, डॉक्टर समेत दूसरे प्रोफेशनल्स को तैयार करना आसान है, क्योंकि वे जीवन के केवल 1-2 आयामों पर काम करते हैं, लेकिन एक बेहतर शिक्षक तैयार करना बहुत मुश्किल है, क्योंकि शिक्षक सभी आयामों यानी 360 डिग्री कवर करते हैं। यही कारण है कि देश में वर्ष 1951 में ही आईआईटी की स्थापना हो गई, आईआईएम व एम्स जैसे प्रीमियम संस्थान दशकों पहले शुरू हो गए, लेकिन आज तक कोई टीचर यूनिवर्सिटी नहीं खुली। अब दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी (शेष पेज 9)

विश्वविद्यालय की विशेषताएं

हाई-क्वालिटी प्री-सर्विस व इन-सर्विस प्रोग्राम, नए दौर के बीएड, एम.एड, पीएचडी व अन्य सर्टिफिकेट प्रोग्राम, शिक्षा के क्षेत्र में फंडामेंटल व एप्लाइड रिसर्च पर फोकस, नए आइडियाज व प्रैक्टिसेज के आदान-प्रदान के लिए राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, हैंड्स ऑन एक्सपीरियंस देने के लिए स्कूलों के साथ पार्टनरशिप है। दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी में शुरू किए गए कोर्सेज केवल विषय-ज्ञान पर ध्यान केंद्रित नहीं करेंगे। बल्कि इनका मकसद ट्रेनीज की कैपेसिटी बिल्डिंग कर उन्हें प्रैक्टिकल स्किल्स से लैस करना है ताकि वो क्लासरूम टीचिंग के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें। एक्सचेंज प्रोग्राम (शेष पेज 9)

सिर्फ सरकार चुनने का नहीं लोकतंत्र बचाने का चुनावः अखिलेश यादव

संवाददाता। मऊ

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव न केवल राज्य की सरकार चुनने के लिए है बल्कि संविधान और भारत के लोकतंत्र को बचाने के लिए भी है। समाजवादी पार्टी (सपा) और गठबंधन सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के उम्मीदवारों के लिए मऊ में एक रैली को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि राज्य में चल रहे चुनाव देश में अब तक के सबसे बड़े चुनाव हैं। यादव ने कहा कि भाजपा की चुनाव हारने की निराशा उनके कार्यों और भाषा में दिखाई देती है, और इसका उदाहरण सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला और एसबीएसपी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर का अपमान है। उन्होंने भाजपा (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 5 मार्च, 2022

एक क्लिक पर मिलेगी चाइल्ड पीजीआई में खाली बेड की जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

चाइल्ड पीजीआइ को ई-हास्पिटल को अपग्रेड करने के लिए 50 लाख की धनराशि की स्वीकृत मिली है। उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा ई-हास्पिटल सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है।

ई-हास्पिटल सुविधा प्रारंभ होने से संस्थान में आने वाले मरीजों का कंप्यूटरीकृत पंजीकरण होने के साथ.साथ मरीजों को आनलाइन पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। संस्थान में आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की जांच, ब्लड बैंक सुविधा एवं फार्मेसी सुविधा भी कंप्यूटराइज्ड एवं केंद्रीयकृत की जाएगी।

चिकित्सालय में उपलब्ध बेड की संख्या व आइसीयू में उपलब्ध बेड की संख्या की जानकारी भी कंप्यूटर के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। मरीजों के पुराने चिकित्सकीय रिकार्ड भी कंप्यूटर के माध्यम से देखे जा सकेंगे। एक ही स्थान पर इन सुविधाओं के लिए अस्पताल द्वारा निर्धारित फीस जमा की जा सकेगी।

विभिन्न चिकित्सकीय सेवाओं के लिए पंजीकरण हो सकेगा। अभी अलग-अलग स्थानों पर मरीजों के स्वजन को जाना पड़ता है। इससे तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इससे मरीजों को भर्ती करने सहित अन्य चिकित्सकीय सेवाओं में देरी होती है। इस सुविधा से डाक्टरों को भी सहूलियत होगी।

मरीजों की बीमारियों से संबंधित जानकारी डाक्टर कंप्यूटर या लैपटाप पर ही देख सकेंगे। सभी कार्य हेल्थ मैनेजमेंट इन्फ र्मेशन सिस्टम के तहत होंगे। साफ्टवेयर की मदद से सभी काम होंगे। यह सुविधा अस्पताल में 2016 में ही मिलनी थी, लेकिन सात साल बीतने के बाद भी इसे मरीज और डाक्टरों के कामकाज में लागू नहीं किया जा सका।

मरीजों की भर्ती में होने वाली देरी से मिलेगी निजात

एक ही स्थान पर इन सुविधाओं के लिए अस्पताल द्वारा निर्धारित फीस जमा की जा सकेगी। विभिन्न चिकित्सकीय सेवाओं के लिए पंजीकरण हो सकेगा। इससे मरीजों को भर्ती करने सहित अन्य चिकित्सकीय सेवाओं में देरी होती है। अकसर देखा गया है कि बच्चों को लेकर तिमारदार अस्पताल पहुंचते है तो इलाज शुरू होने में काफी देर लग जाती है। देखा गया है कि परिजन इलाज में लापरवाही समझकर डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन से भिड़ जाते है।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	पशुपति ट्रेडर्स, तरूण गर्ग (स्वामी), गौरव गर्ग, मोनिका गर्ग, रूचि गर्ग, 4503/04, प्रथम तल, कृष्णा बाजार, फतेहपुरी, दिल्ली खाता नंबर :– 031651000006	प्लॉट नंबर 176, मेरा एन्क्लेव, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110087	14-Feb-2022 रू. 7,49,23,225.69/-	23-11-2021
2.	स्पार इंजीनियरिंग ऐंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, राजीव गुप्ता (निदेशक), श्याम सुंदर गुप्ता (निदेशक), एससीओ 99–100, टॉप फ्लोर, सेक्टर–17 बी, चंडीगढ़, यूटी, खाता नंबर :– 001305500861	फ्लैट नंबर 1603, ब्लॉक नंबर 11, 15वां तल, फ्रेस्को, निर्वाणा कंट्री, सेक्टर–50, गुरूग्राम–122001	14-Feb-2022 रू. 1,24,71,966.7/-	12-07-2021

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 05 मार्च, 2022
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	ज्ञानेश कुमार झा, आशा झा, 110 यूजीएफ कोरल अपार्टमेंट, सेक्टर–7, रामप्रस्थ ग्रीन्स, वैशाली, गाजियाबाद, खाता नंबर :– LBNOD00002354246	फ्लैट नंबर केएम00080 – 205, द्वितीय तल, टावर केएम–08, कॉस्मोस, जेपी ग्रीन्स, नोएडा, सेक्टर–134, नोएडा	27–12–2021 रू. 30,05,395/–	04–09–2021
2.	देवेन्द्र कुमार सिंह, रागिनी सिंह, डिजिटल फोर्स ऑनलाइन इंडिया प्रा. लि., एच नंबर सी–26/305, सूर्य नगर, ब्लॉक सी, पीएस लिंक रोड, तहसील गाजियाबाद, गाजियाबाद, खाता नंबर :– LBNOD00002096684	फ्लैट नंबर 1702, 16वां तल, टावर एच, कॉस्मोस, लॉजिक्स ब्लॉसम ग्रीन्स, प्लॉट नंबर जीएच–01, नोएडा, सेक्टर–143, नोएडा	31–12–2021 रू. 2,47,914.51/–	11–05–2021
3.	बीरेन्द्र कुमार शुक्ला, चंद्र प्रभा, प्लॉट नंबर 138, फ्लैट नंबर एफएफ 2 सेक्टर–2ए, वैशाली, गाजियाबाद, खाता नंबर :– LBGUR00002137503	ऑफिस स्पेस 405, चतुर्थ तल, तुलसियानी ग्रेस सिविल लाइन्स, इलाहाबाद	27–12–2021 रू. 42,60,104/–	09–09–2021
4.	अमित कुमार, अदिति कुमार, एच नंबर 80, सेक्टर 16 ए, चंडीगढ़, खाता नंबरः– LBNOD00002510905	फ्लैट नंबर 1903, 19वां तल, टावर टी 26, पारस टिएरा प्लॉट नंबर जीएच–01, सेक्टर–137, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर	27–12–2021 रू. 26,06,349/–	04–09–2021
5.	अजय गोयल, ईशा गोयल, डब्ल्यूजैड–28, नीमड़ी ग्राम, शास्त्री नगर, दिल्ली, खाता नंबर :– LBGUR00003250881	फ्लैट नंबर 2405, 24वां तल, सुपरटेक अजालिया, टावर 5, सेक्टर–68, गुरूग्रामा	27–12–2021 रू. 36,47,224/–	03–05–2021
6.	अभिषेक गुप्ता, कनिका गुप्ता, बी 1/1814, पाकेट बी, वसंतु कुंज, दिल्ली खाता नंबर :– LBDEL00002041891	दुकान नंबर जीएफ–8, भू तल, तुलसियानी ग्रेस सिविल लाइन्स, इलाहाबाद	27–12–2021 रू. 85,53,548/–	09–09–2021
7.	राकेश चंद्र शर्मा, मुरली श्याम शर्मा, एच नंबर 550, गली नंबर 1, प्रथम तल, लाडो सराय, नई दिल्ली, दिल्ली खाता नंबर :– LBDEL00003571776	फ्लैट नंबर 1907, 19वां तल, टावर एच, आई, जे तथा क्यू, अजनारा ली गार्डन, प्लॉट नंबर जीएच–02, सेक्टर–16, ग्रेटर नोएडा, नोएडा	10–11–2021 रू. 8,82,200/–	01–07–2021
8.	संजीव कुमार, लोकश कुमार, 292, ग्राम तिलप्ता करनवास, जीबी नगर, नोएडा खाता नंबर :– LBNOD00004926535	प्लॉट नंबर 206, ब्लॉक –7 डी, सेक्टर–18, ग्रेटर नोएडा, नोएडा	10–11–2021 रू. 13,55,480/–	06–07–2021
9.	शंकर कुमार ठाकुर, नवीना ठाकुर, आकाश कुमार, ओ–3, सौरव विहार जतीपुर, बदरपुर, साउथ दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली खाता नंबर :– LBDEL00004329814	फ्लैट नंबर 1103, 11वां तल, टावर 4, देविका स्काइपर्स, राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद	10–11–2021 रू. 23,48,908/–	13–07–2021
10.	विजय कुमार, पिंकी, जी–1207, जी–टावर वीवीआईपी एड्रेसेज, राजनगर एक्सटेंशन एनएच–58, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता नंबर :– LBGUR00004912798	फ्लैट नंबर जी–1207, 12वां तल, टाइफ एफ, टावर 7, ब्लॉक जी, वीवीआईपी एड्रेसेज, राजनगर एक्सटेंशन गाजियाबाद	10–11–2021 रू. 22,34,559/–	14–07–2021
11.	विकास कुमार, अम्बिका शर्मा, फ्लैट नंबर 1053, टी–14, रिवर हाइट, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता नंबर :– LBDEL00002028839	फ्लैट नंबर बी 303, तृतीय तल, टावर 6, बुद्ध सर्किट स्टूडियोज।प, पाकेट जीएच–04, जेपी ग्रीन्स स्पोर्ट्स सिटी ईस्ट, नोएडा	10–11–2021 रू. 6,97,860.9/–	01–07–2021
12.	वीर पाल सिंह, हेमा सिंह, फ्लैट नंबर बी 303, तृतीय तल, दि रॉयल रेजिडेंसी को–ऑप ग्रुप, गुरूग्राम –122001, खाता नंबर :– LBGUR00004915551	यूनिट नंबर एलजी 25, फ्लोर 1 सिंगम 36, सेक्टर–36, गुरूग्राम	10–11–2021 रू. 22,12,093/–	05–07–2021
13.	वीर पाल सिंह, हेमा सिंह, फ्लैट नंबर बी 303, तृतीय तल, दि रॉयल रेजिडेंसी को–ऑप ग्रुप, गुरूग्राम –122001, खाता नंबर :– LBGUR00004928648	फ्लैट नंबर 5–005, टावर–5, दि सेरेनास, ग्राम धुनेला, सेक्टर–36, सोहना जिला गुरूग्राम	10–11–2021 रू. 20,11,649/–	05–07–2021
14.	अनामिका कुमारी, मनीष कुमार, एफ 278, सरस्वती कुंज, आईपी एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली खाता नंबर :– LBDEL00002994020	फ्लैट नंबर 1201, 12वां तल, ब्लॉक 3, प्लॉट नंबर जीएच–01, वैशाली सेक्टर–3, पंचशील पेबल्स, गाजियाबाद	10–11–2021 रू. 21,16,260/–	06–07–2021
15.	जगबीर सिंह, सविता, 9/37, सेक्टर–3, राजिन्दर नगर, गाजियाबाद खाता नंबर :– LBDEL00001179673	प्लॉट नंबर 2 बी/846, यूपीएवीपी, गाजियाबाद	10–11–2021 रू. 9,03,745/–	07–07–2021
16.	कंचन देवी, गुप्तेश्वर सिंह, मकान नंबर 1507 ए, प्रथम तल, सेक्टर–29, फरीदाबाद खाता नंबर :– LBFDB00001179673	एच नंबर 1507 ए, प्रथम तल, एलआईजी एच बी सी, सेक्टर–29, फरीदाबाद	10–11–2021 रू. 17,36,703.99/–	05–07–2021
17.	मनीष रावत, सरोजिनी देवी, एस/ओ जय सिंह रावत, 4/393, ब्लॉक–4, खिचड़ीपुर, कल्याणपुरी, ईस्ट दिल्ली, खाता नंबर :– LBDEL00004196086	फ्लैट नंबर 1801, 18वां तल, टावर जी–4, नियो टाउन, प्लॉट नंबर जीएच–03, सेक्टर टेकजोन–4, ग्रेटर नोएडा, नोएडा	10–11–2021 रू. 17,61,000/–	07–07–2021
18.	मोहम्मद नईम, निदा, डी–72, ब्लॉक डी, दुजाना हाउस, जामा मस्जिद मटिया महल, नई दिल्ली, दिल्ली खाता नंबर :– LBDEL00002366549	फ्लैट नंबर 307, तृतीय तल, आदित्य सिटी/वेव सिटी, टावर एच, आदित्य अर्बन होम्स, ग्राम शाहपुर बम्हेटा, डासना, गाजियाबाद	10–11–2021 रू. 14,16,583/–	01–07–2021
19.	नरोतम लाल जांगिड़, झीमा देवी जांगिड़, 601 जीएच–14, इंडस्ट्रियल एचओएस, सोसायटी, सेक्टर–21 डी, फरीदाबाद खाता नंबर :– LBFDB00001329723	फ्लैट नंबर 601, छठा तल, प्लॉट नंबर जीएच–14, सेक्टर–21 डी, इंडस्ट्रियल हब सीजीएचएस लिमिटेड, फरीदाबाद	10–11–2021 रू. 15,43,883.55/–	12–07–2021
20.	प्रताप बेदी, मनीष, मकान नंबर 117, नरसिंहपुर–102, गुरूग्राम खाता नंबर :– LBGUR00004347406	फ्लैट नंबर 508, 5वां तल, ग्लोबल हाइट्स, टावर 7, सेक्टर–33, गुरूग्राम	10–11–2021 रू. 11,77,346/–	07–07–2021
21.	इंदराज इंदराज, राम कवर, केओ 09 सेक्टर–71, नोएडा खाता नंबर :– LBNOD00002294343	यूनिट नंबर 350, दीनदयाल नगर, जोन–12 ए, जयपुर	10–11–2021 रू. 10,20,094/–	30–06–2021
22.	राज नारायण सिंह, नीरज कुमारी, फ्लैट नंबर के–4004, प्लॉट नंबर ई–22, रॉयल गार्डन एस्टेट, नोएडा खाता नंबर :– LBDEL00001626294	फ्लैट नंबर 436, सेक्टर–17 एच, वसुंधरा, गाजियाबाद	10–11–2021 रू. 6,54,409/–	30–06–2021
23.	सिरसेन्दु चटर्जी, पल्लबी चटर्जी, फ्लैट नंबर जी–1203, ब्लॉक नंबर जी, बीपीटीपी पार्क, प्राइम सेक्टर नंबर 66, गुरूग्राम खाता नंबर :– LBGUR00004263066	फ्लैट नंबर एफएफ–10, प्रथम तल, साइनम 36, सेक्टर–36, गुरूग्राम	10–11–2021 रू. 1023,870/–	06–05–2021
24.	अर्जुन सिंह तोमर, मोहन सिंह, पी 302, प्रताप विहार, सेक्टर–12, गाजियाबाद, खाता नंबर :– LBGHZ00004184364	दुकान नंबर एफएफ/32, प्रथम तल, सेक्टर–3, वेव गैलेरिया – शॉप्स, ग्राम नायफल, परगना तहसील और जिला गाजियाबाद	10–11–2021 रू. 14,37,310/–	30–06–2021
25.	परवीन कुमार, सोनम कुमारी, महेन्द्र सिंह, मकान नंबर 271, बालेवा खलीलपुर, पटौदी, गुरूग्राम खाता नंबर :– LBGUR00004939906	प्लॉट नंबर 27, हुडा सेक्टर 1, पटौदी, गुरूग्राम	10–11–2021 रू. 22,55,524.01/–	30–06–2021

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 05 मार्च, 2022
स्थान : दिल्ली /एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

फिर अव्वल रहा पुलिस कमिश्नरेट का डायल 112

रिस्पांस टाइम का खिताब आठवीं बार जीता, पूरे यूपी में रही नंबर वन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर डायल 112 का रिस्पांस टाइम फरवरी महीने में सबसे शानदार आंका गया है। इससे पहले भी 7 बार गौतमबुद्ध नगर डायल 112 का रिस्पांस टाइम पूरे प्रदेश में बेहतर आया है। अबकी बार गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट टीम लगातार 8वीं नंबर-1 पर आई है।

एक बार फि र गौतमबुद्ध नगर पुलिस डायल 112 टीम ने रिस्पांस टाइम ट्रॉफ ी पर कब्जा जमाया है। संकट और आपातकालीन परिस्थितियों में राज्य के नागरिकों को पुलिस सहायता देने के लिए डायल 112 उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है।

कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर ने यूपी 112 के माध्यम से जिले के लोगों को सहायता देने में कीर्तिमान स्थापित किया है। फरवरी 2022 में पूरे प्रदेश के यूपी 112 के रेस्पान्स टाईम में गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है।

जुलाई 2021 से लगातार कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर प्रथम स्थान पर ही रहा है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 400-450 इवेन्ट प्राप्त होते हैं। जिनको गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट से डायल 112 से 65 चार पहिया पीआरवी और 50 दो पहिया पीआरवी लोगों तक मदद पहुंचाती है। महिला की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कमिश्नरेट में 6 महिला पीआरवी चलती है। हाईवे पर सुरक्षा और त्वरित रेस्पान्स के लिए 4 पीआरवी ईस्टने-पैरीफेरल और 2 पीआरवी यमुना एक्सप्रेसवे पर संचालित रहती है।

जिनके द्वारा हाईवे पर गस्त के साथ इवेन्ट की भी जानकारी प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही की जाती है। फरवरी में प्रदेश के यूपी 112 के रेस्पान्स टाइम में कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर द्वारा 6 बार पीआरवी ऑफ द डे का खिताब प्राप्त किया गया है।

गौतमबुद्ध नगर में पुलिस टीम के कार्य

6 फरवरी 2022 को थाना सेक्टर.39 में एक 03 वर्षीय बच्ची को उठाले जाने की सूचना पर पीआरवी 3037 को मिली थीए इस पर पीआरवी ने बच्ची की तलाश की तो बच्ची एक बेहोश पड़े व्यक्ति के पास रो रही थी। डायल 112 टीम ने तत्काल बच्ची को उसके परिजनों को सौंपा था।

17 फरवरी 2022 को थाना सेक्टर-58 क्षेत्रान्तर्गत एक कार चोरी की सूचना पर पीआरवी 4672 को मिली थी। सूचना मिलने के बाद पीआरवी की टीम ने एक्शन लिया और कॉलर द्वारा बताए गए पते पर पहुंचकर देखा कि कुछ लोग कॉलर की कार को लेकर भाग रहे थे। पीआरवी द्वारा पीछा करने पर आरोपी कार को शिवशक्ति अपार्टमेन्ट के सामने छोडकर भाग गए। कॉलर को सूचित कर मौके पर बुलाया।

18 फरवरी 2022 को थाना दनकौर क्षेत्रान्तर्गत एक्सीडेंट की सूचना पर पीआरवी 0236 को मिली थी, सूचना मिलने के बाद पीआरवी ने मौके पर जाकर देखा तो ट्रक चालक और परिचालक गम्भीर रूप से घायल होकर ट्रक में फंसे गए थे। पीआरवी कर्मियों द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से ट्रक की खिड़की तोडकर दोनों घायलों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस द्वारा इलाज के लिए सीएचसी दनकौर में भर्ती कराया गया।

21 फरवरी 2022 को थाना सूरजपुर क्षेत्रान्तर्गत एक्सीडेंट की सूचना पर पीआरवी 1857 को मिली थी। पीआरवी ने मौके पर जाकर देखा तो एक मोटरसाइकिल सवार के सामने सांड आ जाने से वह गंभीर रूप से घायल होकर रोड पर पडा हुआ है।

23 फरवरी 2022 को थाना फेस-3 में एक्सीडेन्ट की सूचना पर पीआरवी 1851 को मिली। सूचना मिलने के बाद मौके पर जाकर देखा तो कई व्यक्ति सड़क पर घायल अवस्था में बेहोश पड़े हुए थे, जिनपर कार चढ़ गई थी। घायलों को पीआरवी द्वारा इलाज के लिए कैलाश अस्पलात में भर्ती कराया।

सीईओ ऋतु माहेश्वरी के दौरे से पहले सुधारें शहर की हालत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी दौरे पर निकली। जिस दौरान उन्होंने वर्क सर्किल-3 समेत अन्य स्थानों का निरीक्षण किया।

सीईओ की गाड़ी जिस-जिस सड़क से निकली उस समय सड़क पर कोई भी ठेली-खोखा नहीं लगा हुआ था। लेकिन जैसे ही उनका का दौरा खत्म हुआ, तुरंत सभी ठेली-खोखे पहले की तरह सड़क पर लग गए। जिसकी शिकायत लोगों ने सोशल मीडिया पर की। उन्होंने लिखा कि सड़क पर ठेली-खोखे लगाने वाले लोगों को पहले ही सूचना मिल गई थी कि सीईओ ऋतु माहेश्वरी कई स्थानों और सेक्टरों के दौरे पर निकलेंगे। इसलिए जिस दौरान सीईओ की गाड़ी सड़क से निकली उस समय सड़क पर एक भी टैली, गुटखा पान के खोखे नहीं लगे हुए थे। साथ ही जहां पर रोज गंदगी पड़ी रहती है वहां पर भी सफाई करा दी गई। सेक्टर-12-22 रोज लगने वाले ठेले.खोखे नहीं लगे।

डेढ़ लाख बिजली बिल बकायेदारों पर गिरेगी गाज

- 10 मार्च के बाद विद्युत विभाग कर सकता है कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

विद्युत निगम ने बिजली बिलों के बकाएदारों के खिलाफ 10 मार्च के बाद बिजली कनेक्शन काटने की तैयारी लगभग पूरी कर ली है।

इन बकाएदारों को विद्युत वितरण द्वारा लगातार नोटिस भेजने के बाद भी लोगों ने बकाया जमा कराने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के चीफ इंजीनियर शुचिंद्र कुमार पुरवार ने बताया कि बिजली बकाया की वसूली के लिए सभी विद्युत खंड अधिकारियों को अभियान चलाकर वसूली और कनेक्शन काटने के निर्देश दिए गए हैं।

विधानसभा चुनाव के नतीजों के लिए 10 मार्च को मतगणना होने के बाद कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जाएगी। विद्युत निगम बकाएदारों को बकाया बिल जमा कराने के लिए नोटिस और जागरूक कर रहे हैं। उन्हें बिजली बिल जमा करने का एक मौका और दिया जा रहा है। इसके बाद भी बिजली बिल जमा नहीं किया तो घरों के बिजली कनेक्शन काटे जाएंगे।

जिले के करीब 1.50 लाख उपभोक्ताओं पर 300 करोड़ रुपए से अधिक बिजली बिल बकाया है। ऐसे उपभोक्ताओं के घरों के कनेक्शन काटने के लिए विभाग की ओर से टीम तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि विद्युत निगम ने कुल 28 हजार से अधिक कनेक्शन लेने के बाद बिजली बिल जमा न करने वाले उपभोक्ताओं को चिह्नित किया था, जिन पर विभाग का 86 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया था।

मार्च में ही किसानों को आबादी में दिया जाएगा भूखंड

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- यमुना प्राधिकरण ने परियोजनाओं के 29 गांवों के किसानों की जमीन अधिग्रहित की है

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का कार्य शुरू हो गया है तो वहीं, दूसरी और किसानों के लिए भूखंड देने का काम भी तेजी पर है।

इस महीने की 2200 किसानों को आबादी भूखंड दिया जाएगा। यमुना प्राधिकरण ने विभिन्न परियोजनाओं के जिन 29 गांवों के किसानों की जमीन अधिग्रहित की, उनको आबादी का भूखंड देने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

यमुना प्राधिकरण ने 27 गांवों के 2200 किसानों से विभिन्नर परियोजनाओं के लिए जमीन ली थी, उसमें से अब तक 18 गांवों के किसानों को 7 प्रतिशत आबादी की जमीन विभिन्न सेक्टर में आवंटित भी कर चुकी है।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश के विकास के लिए विभिन्न परियोजना के लिए जिले के 27 गांवों के किसानों की जमीन का अधिग्रहण करने के बाद मुआवजा दिया जा चुका है। मुआवजा के बाद यमुना प्राधिकरण किसानों से जितनी जमीन लेता है, उसका 7 प्रतिशत जमीन आबादी वाले इलाके में देता है।

इसी कड़ी में अब 18 गांवों के किसानों को आबादी की भूमि आवंटित किया जा चुका है। बाकी गांवों के किसानों के की सूची तैयारी हो गयी हैए चुनाव आचार संहिता हटते ही 31 मार्च तक इसका प्रकाशन करने के साथ इनको भी आवंटित कर दिया जाएगा।

सीईओ ने बताया कि मथुरापुर और अट्टा गुजरान के किसानों को सेक्टर-25 में, सालारपुर और निलोनी शाहपुर के किसानों को सेक्टर.26, रबूपुरा, पचोकरा, चांदपुर, मूंजखेड़ा, दनकोर, फ तेहपुर अटा, जगनपुर, औरंगपुर और बेलाकला गांव के किसानों को सेक्टर.25 व 26 में 7 प्रतिशत भूमि आवंटित करने का काम पूरा हो गया है।

कंपनी में फटा बॉयलर, 2 कर्मचारी बुरी तरह झुलसे

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-63 में स्थित एक कंपनी में शुक्रवार की दोपहर एक बड़ा हादसा हुआ है।

इस हादसे में 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। कंपनी में बॉयलर फटने से हादसा हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है।

पुलिस ने बताया कि अचानक बॉयलर फटने से नीरज और जोखन इसकी चपेट में आ गए। पुलिस ने बताया कि यह दोनों बुरी तरह झुलस गए हैं। दोनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

ग्रेनो के गांवों में नवाजुद्दीन सिद्दीकी बनाएंगे फिल्म

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के गांव बिलासपुर में फिल्म नूरानी चेहरा की शूटिंग होने जा रही है। बता दें कि इस फि ल्म के मुख्य अदाकार नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अदाकारा नूपुर सैन आज फिल्म शूटिंग के लिए ग्रेटर नोएडा पहुंचेंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले गांव वासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

अभी से ही हर कोई उनकी एक झलक देखने के लिए बेताब दिख रहा है। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ग्रेटर नोएडा में अपनी फिल्म नूरानी चेहरा की शूटिंग करने पहुंचेंगे। आपको बता दें कि फि ल्म नूरानी चेहरा में नवाजुद्दीन सिद्धकी के साथ अभिनेत्री नूपुर सैन भी पर्दे पर दिखाई देंगी। नूरानी चेहरा एक कॉमेडी फिल्म होगी जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी नजर आएंगे।

कश्मीर-उत्तराखंड के पहाड़ी उत्पादों पर उमड़े खरीदार

- राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान ने आयोजित की कार्यशाला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर 33 ए नोएडा हॉट में आयोजित सरस मेले पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय पूरी तरह ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। मेले में कहीं कोई चूक न हो इसके लिए राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज्य संस्थान के शोध अधिकारियों ने एक कार्यशाला का आयोजन किया।

आयोजन में सभी राज्यों के 82 स्वयं सहायता समूहों ने प्रतिभाग किया, जिन्हें पैकेजिंग तथा डिजाइनिंग के विषय में जानकारी दी गई। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन डिजाइनिंग की प्रोफेसर रितिका अग्रवाल ने सभी को बताया कि अपने ग्रामीण उत्पादों को किस प्रकार मौसम के हिसाब से पैकेजिंग तथा डिजाइनिंग की जाए, इस अवसर पर निदेशक चिरंजी लाल कटारिया, शोध अधिकारी धर्मेंद्र सिंह, सुधीर कुमार सिंह तथा रामगोपाल उपस्थित रहे। मेले के आठवें दिन देश के पहाड़ी उत्पादों की लोगों ने जमकर खरीदारी की। जम्मू कश्मीर कोलगांव के देवसर से यहां मुनाजा मजीद ने पंपोष स्वयं सहायता समूह का स्टॉल लगाया है। इनके उत्पादों में कश्मीरी साड़ी तथा सूट महिलाओं को खूब भा रहे है। वही कोंगपाश स्वयं सहायता समूह की शबनम रसीद के उत्पादों में आरी साल, निरल शॉल, कश्मीरी सूट तथा आरी के लॉन्ग जैकेट शामिल है। उधर रजौरी की शाइन के गौसिया स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में शॉल, सूट तथा कुशन शामिल हैं।

हिमाचल प्रदेश के शिव पार्वती स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में हस्त निर्मित सेपू बड़िया, चावल का आटाए देसी हल्दी तथा पौष्टिक हलवा बनाने के लिए गेहूं का शीरा लोगों को खासा पसंद आ रहा है। समूह का संचालन निशा शर्मा करती हैं। हिमाचल में ही हमीरपुर के नदोन गांव के रीना चंदेल द्वारा संचालित न्यू आजीविका स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में कच्चे पपीते के पेड़े, आंवला बर्फी, कद्दू की बर्फी, आंवला कैंडी, अचार तथा चटनी शामिल है। उत्तराखंड में लोहाघाट के प्रगति महिला ग्राम संगठन के उत्पादों में लोहे की कढ़ाई, फ्राईपेन, तवा एवं कृषि यंत्र शामिल हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादकः नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 5 मार्च, 2022

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से मेट्रो यात्रा हुई आसान

अजमेरी गेट की तरफ आज से शुरू होगा करीब 210 मीटर लंबा स्काई वॉक

● स्टेशन के फुटओवर ब्रिज संख्या दो व बहुमंजिली पार्किंग से जोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लंबे इंतजार के बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अजमेरी गेट की तरफ बना स्काई वॉक शनिवार से आम यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके शुरू हो जाने से यात्रियों का रेलवे और मेट्रो स्टेशन के बीच आवागमन आसान हो जाएगा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो के दो कारिडोर से जुड़ा है। यहां येलो लाइन (समयपुर बादली-हुडा सिटी सेंटर) व एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के स्टेशन हैं।

करीब 210 मीटर लंबे स्काई वाक को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के फुटओवर ब्रिज संख्या दो व बहुमंजिली पार्किंग` जोड़ा गया है। पार्किंग में वाहन खड़ा करने के बाद यात्री स्काई वाक के जरिये आसानी से रेलवे स्टेशन पर पहुंच जाएंगे। इस स्काई वाक में करीब पांच निकास व प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। यह स्काई वाक येलो लाइन के मेट्रो स्टेशन के निकास द्वार और एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के मेट्रो स्टेशन के प्रवेश द्वार से भी जुड़ा है। स्काई वाक में तीन एस्केलेटर हैं। इसे दिव्यांगों के अनुकूल बनाया गया है। ताकि उनके आने-जाने में परेशानी न होने पाए। दिल्ली मेट्रो रेल निगम का कहना है कि इस स्काई वाक पर मेट्रो व रेलवे के लिए अलग-अलग काउंटर होंगे।

टोकन वेंडिंग मशीने भी लगाई जाएंगी। इसके अलावा यात्रियों के ठहरने के लिए जगह निर्धारित रहेगी। यहां शौचालय व ट्राली की सुविधा रहेगी। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की मेट्रो से उतरने के बाद रेलवे स्टेशन पर जाने वाले यात्री इस ट्राली का इस्तेमाल कर सकेंगे।

वर्ष 2018 के जून में यह स्काई वाक बनाने की योजना बनी थी और नौ करोड़ की लागत से 10 माह में इसे बनाकर तैयार करना था, लेकिन इसके निर्माण में करीब साढ़े तीन साल लग गए।

डीएमआरसी के मुताबिक सबसे व्यस्त कॉरिडो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, येलो लाइन में नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन और एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए उत्तर रेलवे के सहयोग से एक डेडिकेटेड स्काईवॉक का निर्माण पूरा हो गया है। अजमेरी गेट को येलो लाइन से जोड़ेगा यह नया स्काईवॉक रेलवे स्टेशन के अंदर बने फुट ओवर ब्रिज का एक्सटेंशन है, जो स्टेशन के अजमेरी गेट साइट को येलो लाइन पर नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन और एयरपोर्ट लाइन से जोड़ता है. इसमें मल्टी लेवल पार्किंग साइड भी हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर मंगू सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पिछले दिनों में स्काईवॉक का निरीक्षण किया था। जंतर मंतर की याद दिलाता स्काईवॉक का डिजाइन बेहद ही खूबसूरत है। यात्रियों की सुविधा के लिए एस्केलेटर और सीढ़ियां हैं, जो जंतर मंतर की याद दिलाती हैं।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को मेट्रो से जोड़ने वाला स्काई वॉक

बड़े शहरों में दिल्ली सबसे ज्यादा हरी-भरी

● वर्ष 2016 से 2019 के बीच लगाए गए पौधों में से 80 फीसदी बचे, इससे बढ़ी हरियाली : गोपाल राय

गोपाल राय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश के बड़े शहरों में राष्ट्रीय राजधानी सबसे जयादा हरी-भरी है। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2013 में दिल्ली का ग्रीन कवर 20 फीसदी था। वर्ष 2015 में यह बढ़कर 20.21, वर्ष 2017 में 20.59, वर्ष 2019 में 20.88 और 2021 में यह बढ़कर 23.06 फीसदी पहुंच गया।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने वन शोध संस्थान (एफआरआई) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए शुक्रवार को जानकारी दी कि वर्ष 2016 से 2019 के बीच लगाए गए पौधों में से 75-80 प्रतिशत से ज्यादा बच गए। एफआरआई को पिछले दो साल में लगाए पौधों का ऑडिट करने का जिम्मा सौंपा गया था।

गोपाल राय ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि वित्त वर्ष 201-2022 में अबतक, 32 लाख पौधों और झाड़ियों का रोपण किया है जो केंद्र के 31 लाख के लक्ष्य से अधिक है।

सरकार ने पौधों के बचने की दर को बढ़ाने के लिए सालाना पौधारोपण कवायद से पहले मिट्टी की जांच कराने का फैसला किया है। उनकी सरकार अब तक की गई वृक्ष प्‍रत्यारोपण कवायद का भी ऑडिट कराना चाहती है। देहरादून स्थित एफआरआई की ओर से तीसरे पक्ष के तौर पर किए गए ऑडिट के आधार पर पहले बताया गया था कि दिल्ली में वर्ष 2016 से 2019 की बीच लगाए गए पौधों के बचने की दर 50 से 75 प्रतिशत के बीच थी जो अच्छी मानी जाती है। वन विभाग इस पड़ताल से खुश नहीं था और उसने एफआरआई से इस पर फिर से गौर करने के लिए कहा था। राय ने कहा कि वह प्राथमिक रिपोर्ट थी और यह अंतिम रिपोर्ट है।

वर्ष 2016 से 2019 के बीच करीब 67 लाख पौधे लगाए गए थे। उत्तर वन मंडल में 2016 से 2019 के बीच लगाए गए पौधों के बचने की दर 80.21 प्रतिशत दर्ज की गई है। यह पश्चिम मंडल में 75.68 से 78.50 प्रतिशत के बीच रही और दक्षिण मंडल में 72.60 से 81.33 के बीच रही है।

नई आबकारी नीति के खिलाफ भाजपा ने खोला मोर्चा

● लगभग 1120 स्थानों पर कराई रायशुमारी, 10 लाख लोगों की राय लेने का दावा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई आबकारी नीति के खिलाफ प्रदेश भाजपा ने मोर्चा खोल दिया है। इस नीति के विरोध में शुक्रवार को 1120 स्थानों पर जनमत संग्रह कराया।

पार्टी का दावा है कि इस दौरान लगभग 10 लाख लोगों की राय ली गई है। भगवा पर्टी के नेताओं का कहना है कि दिल्ली सरकार की शराब नीति महिलाओं और युवाओं के लिए सबसे बड़ा खतरा है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश के प्रभारी बैजयंत जय पांडा ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पिछले सात सालों में ना तो युवाओं को रोजगार दिया और ना ही अपने वादों को पूरा किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में हुए जनमत संग्रह अभियान में शनिवार को राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के पास संबोधित करते हुए पांडा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से एक बोतल पर एक बोतल मुफ्त शराब बांटकर केजरीवाल ने पूरी दिल्ली को शराब पिलाने में लगा दिया। दिहाड़ी मजदूर भी काम करने की जगह शराब के ठेकों पर लंबी लाइनों में खड़े होकर शराब की बोतले खरीदकर घर में लौटे पड़े थे जिससे उनके घर की रोजी-रोटी भी चलना मुश्किल हो गया है। आदेश गुप्ता ने कहा कि जिस तरह से जनमत संग्रह में शराब नीति के खिलाफ लोगों की प्रतिक्रियाएं मिल रही है, उससे केजरीवाल की उल्टी गिनती शुरु हो गई है। शराब नीति एक खराब नीति हैं जिसका सहारा लेकर राजस्व के बहाने अपनी जेब भरने का काम हो रहा है।

वित्तपोषित कॉलेजों के 17 शिक्षक सम्मानित

नई दिल्ली। वित्तपोषित कॉलेजों व राज्य विश्वविद्यालयों में शानदार काम करने वाले 17 लेक्चरर्स शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने सम्मानित किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का योगदान सबसे बड़ा रहा है।

शिक्षक अपने कामों से लाखों जिंदगियों को प्रभावित करते हैं। वर्ष 2019 में केजरीवाल सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना का मकसद कॉलेज प्रवक्ताओं के शानदार योगदान को स्वीकार करना है जो शिक्षा में एक्सीलेंस को महत्व दिया जाता है।

निजामुद्दीन मरकज अभी नहीं खोल सकते : केंद्र

● सिर्फ धार्मिक पर्वों पर मिल सकती है अंदर जाने की इजाजत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना की पहली लहर में वर्ष 2020 में बंद किये गए निजामुद्दीन मरकज को खोलने की अनुमति देने से केंद्र सरकार ने इनकार कर दिया है। मार्च 2020 में कोरोना महामारी के बीच निजामुद्दीन मरकज में तब्लीगी जमात का आयोजन किया गया था और तब से यह बंद है।

केंद्र सरकार ने निज़ामुद्दीन इलाके में स्थित तब्लीगी जमात के मकरज़ को पूरी तरह से खोले जाने का शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में विरोध किया, लेकिन कहा कि आगामी धार्मिक अवसरों के मद्देनजर चंद लोगों को वहां जाने की इजाज़त दी जा सकती है। मार्च 2020 में कोविड-19 के बीच मकरज़ में जमात ने इज्तिमा (धार्मिक समागम) का आयोजन किया था और इसके बाद से यह बंद है। दरअसल, मरकज़ एक मस्जिद में स्थित है जिसे बंगले वाली मस्जिद कहा जाता है और इसके साथ ही एक मदसरा भी है।

मार्च में शब-ए-बारात और अप्रैल में रमज़ान के मौके पर मस्जिद खोलने की दिल्ली वक्फ की याचिका पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी से सरकारी अधिवक्ता रजत नायर ने कहा कि मस्जिद इस मामले की संपत्ति है और याची बोर्ड के पास इसे फिर से खोलने की मांग करने का कोई अधिकार नहीं है। नायर ने कहा कि पहले भी मस्जिद में कुछ लोगों को इबादत करने की सशर्त रियायत दी गई है और इस बार भी ऐसी व्यवस्था करने में कोई ऐतराज़ नहीं है।

नई प्रणाली के तहत यातायात पुलिस ने उठाये 39,000 वाहन

● मालिकों को पंजीकृत मोबाइल नंबरें पर दी जाती है जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली यातायात पुलिस ने अपनी नई प्रणाली की शुरूआत के बाद बीते तीन महीने में 39 हजार से अधिक वाहनों को उठाया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली यातायात पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि एक दिसंबर 2021 से प्रभावी हुई नई प्रणाली के तहत वाहन मालिकों को पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर वाहन उठाए जाने और उन्हें किस स्थान पर ले जाया गया है, इसकी जानकारी दी जाती है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने एक दिसंबर 2021 से 28 फरवरी 2022 के बीच कुल 39,155 वाहनों को उठाया है। दिल्ली यातायात पुलिस जल्द ही एसएमएस के जरिए ए जानकारी भी देगी कि वाहन कहां से उठाया गया है। दिल्ली पुलिस की जनसंपर्क अधिकारी सुमन नलवा ने बताया कि इससे पहले जब वाहनों को उठाया जाता था तो मालिकों को वाहन की गुमशुदगी या चोरी की शिकायत दर्ज करानी होती थी। उन्होंने कहा, इस नई प्रणाली में, हमारा यातायात विभाग उठाए गए वाहन के मालिक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर तुरंत एक संदेश भेजता है जिसमें सूचित किया जाता है कि उसका वाहन दिल्ली में इस स्थान पर ले जाया गया है ताकि वह अपने चालान का भुगतान कर सकें और बिना किसी कठिनाई के अपना वाहन वापस ले सके। आंकड़ों में कहा गया है कि उठाए गए कुल वाहनों में से 18,987 दोपहिया वाहन, 13,730 निजी कारें, 4,175 तिपहिया वाहन और।,279 वाणिज्यिक कारें और वैन शामिल हैं।

दो साल में जश्न के दौरान गोलीबारी के नौ केस दर्ज

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में 2020 और 2021 में जश्न के दौरान गोली चलाने के नौ मामलों में कुल 17 लोगों को गिरफ्तार किया।

विशेष पुलिस आयुक्त (लाइसेंसिंग और विधिक डिवीजन) संजय सिंह ने ट्विटर के जरिए इसकी जानकारी दी और लोगों को जिम्मेदारी के साथ आग्नेयास्त्रों का प्रयोग करने की सलाह दी।

उन्होंने ट्वीट किया कि जश्न के दौरान की गई गोलीबारी से मानव जीवन और निजी सुरक्षा को खतरा है और यह हथियार कानून के तहत अपराध है। पिछले दो साल में नौ मामले दर्ज किए गए और 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

दो भाइयों को चाकू घोंपने वाले किशोर समेत 4 हिरासत में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मंगोलपुरी इलाके में दो भाइयों पर चाकू मारने के आरोप में एक किशोर समेत चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस को मंगोलपुरी थाना क्षेत्र के वाई-ब्लॉक ऑटो बाजार में चाकू मारे जाने की घटना की सूचना मिली थी।

पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला कि सुल्तानपुरी के निवासी दो भाइयों सनी और भरत को घायल अवस्था में संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस को पता चला कि पीड़ित और आरोपी दानिश, कासिफ, फरदीन व एक किशोर ऑटो बाजार में काम करते हैं। पुलिस उपायुक्त (बाहरी) समीर शर्मा ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई और जब सनी व भरत अपनी दुकान बंद करके घर जा रहे थे, तो आरोपियों ने उन पर चाकू और पेचकस से हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को चाकू से चोट लगी है। भरत के बयान के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 307 और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि दानिश, कासिफ और फरदीन को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वक्फ बोर्ड के सदस्यों ने एलजी को सौंपा अविश्वास प्रस्ताव

● अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार, गैरकानूनी तरीके से भर्ती के लगाए आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अमानतुल्ला खान की जल्द छुट्टी हो सकती है। वक्फ बोर्ड के सात में से चार सदस्यों ने शुक्रवार को उनके खिलाफ उपराज्यपाल कार्यालय में अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस सौंपा।

जिसमें उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, गैरकानूनी तरीके से भर्ती और मनमानी के आरोप लगाए गए हैं। चारों सदस्यों ने उपराज्यपाल अनिल बैजल से अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला करने के लिए 18 दिनों के अंदर बोर्ड की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है।

विधायक खान ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को गलत करार दिया। खान ने पलटवार करते हुए कहा, मुझ पर बेईमान होने का आरोप लगाने वाले खुद भ्रष्ट हैं। मेरे पास उनके खिलाफ सबूत हैं। कांग्रेस के पूर्व सांसद और दिल्ली वक्फ बोर्ड के सदस्य परवेज हाशमी ने कहा कि नोटिस पर चार सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से दो को आप सरकार ने ही मनोनीत किया था।

अविश्वास प्रस्ताव नोटिस पर हाशमी के अलावा चौधरी शरीफ अहमद, रजिया सुल्ताना और नईम फातिमा काजमी ने हस्ताक्षर किए हैं। उनकी ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। सूत्रों ने कहा कि खान बोर्ड की संपत्तियों से मिलने वाले किराए को सुव्यवस्थित करके बोर्ड के राजस्व को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीईओ गणेश श्रीनिवासन व गौतम रॉय, मेंबर अन्य सीनियर अधिकारियों के साथ।

टाटा पावर ने मनाया लाइनमैन दिवस

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली में 70 लाख की आबादी को बिजली सप्लाई करने वाली प्रमुख कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड ने शुक्रवार को लाइनमैन दिवस मनाया। सभी को समान अवसर देने की कंपनी की सोच को दर्शाते हुए इस वर्ष 2 स्किल्ड महिला लाइनस्टाफ भी टीम में शामिल हुई हैं। कार्यक्रम में सेन्ट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के मेंबर गौतम रॉय उपस्थित थे। रोहिणी में लर्निंग सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के सीईओ गणेश श्रीनिवासन, कंपनी के लाइनमैन और अन्य कर्मचारी शामिल हुए। संजय बांगा ने कहा, मजबूत प्रणालियों ने महामारी के दौरान तेजी से अनुकूलन और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद की। सीईओ श्रीनिवासन ने कहा कि लाइनमैन दिवस के ज़रिए हम फ्रंटलाइन वर्कर्स की निस्वार्थ प्रतिबद्धता और सेवा के लिए उनका आभार व्यक्त कर रहे हैं।

उपहार अग्निकांड: आरोपियों ने नीलम से मांगी माफी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2007 में एसोसिएशन ऑफ विक्टिम्स ऑफ उपहार त्रासदी (एवीयूटी) की अध्यक्ष नीलम कृष्णमूर्ति के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े एक मामले को शुक्रवार को बंद कर दिया। इससे पहले नीलम कृष्णमूर्ति ने दोनों आरोपियों द्वारा मांगी गई माफी को स्वीकार कर लिया। दोनों आरोपियों प्रवीण शंकर शर्मा व दीपक कठपालिया और शिकायतकर्ता कृष्णमूर्ति ने अदालत से कहा कि बिना शर्त माफी स्वीकार किए जाने के बाद उन्होंने समझौता कर लिया है। कृष्णमूर्ति जब उपहार अग्निकांड त्रासदी से जुड़े मुख्य मामले में कार्यवाही में शामिल होने गई थीं, उस दौरान उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने और उनकी तस्वीरें लेने का शर्मा और कठपालिया पर आरोप था।

कार चालक को लूटने के आरोप में युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में कार चालक को लूटने के आरोप में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान रंगपुरी निवासी सचिन (29) और मौसम उर्फ मनोज (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि मौसम कार्यक्रम आयोजक के रूप में काम करता है, जबकि सचिन दिल्ली नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक है और कार्यक्रम आयोजक के रूप में भी काम करता है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार को दोनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार रविवार को वसंत कुंज उत्तर थाने में चालक धर्मेंद्र कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया।

उच्चतर न्यायिक सेवा परीक्षा को 4 सप्ताह के लिए टाला

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा (डीएचजेएस) परीक्षा 2022 को चार सप्ताह के लिए टाल दिया। यह परीक्षा 20 मार्च को आयोजित होने वाली थी। अदालत ने जिला न्यायाधीश के लिए न्यूनतम आयु 35 साल तय करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह निर्णय दिया। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति एस के जैन की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार के जरिए अदालत के प्रशासनिक पक्ष और दिल्ली सरकार के कानून एवं न्याय विभाग को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा। परीक्षा के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 12 मार्च थी और प्रारंभिक परीक्षा 20 मार्च को होने वाली थी।

दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड रेल परियोजना

आनंद विहार में होगी देश की सबसे चौड़ी सुरंग

● विशालकाय मशीनों से आनंद विहार बस अड्डे के पास खुदाई शुरू

संजय राय। नई दिल्ली

दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड रेल परियोजना के काम ने रफ्तार पकड़ ली है। देश के पहले रीजनल रेल कॉरिडोर के भूमिगत खंड के निर्माण के लिए आनंद विहार में भूमिगत स्टेशन बनाने के लिए टनल बोरिंग मशीन से देश की सबसे चौड़ी सुरंग खोदने का कार्य शुरू हो गया है।

पहले चरण में आनंद विहार बस अड्डा परिसर से खिचड़ीपुर की ओर सुरंग खोदी जा रही है, जो कि लगभग तीन किलोमीटर लंबी होगी। आने वाले समय में यहां से साहिबाबाद की ओर बीईएल तक सुरंग बनाने का कार्य भी किया जाएगा।

रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस), के अधिकारी ने बताया कि टीबीएम द्वारा टनल सैगमेंट्स की मदद से जमीन के अंदर सुरंग बनाने के लिए रिंग बनाए जाते हैं। रिंग बनाने के लिए आम तौर पर सात (7) टनल सेगमेंट्स का उपयोग किया जाता है। एनसीआरटीसी के कास्टिंग यार्ड में सुनिश्चित और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ सुरंग सेगमेंट्स का निर्माण किया जा रहा है। बड़े रोलिंग स्टॉक और 180 किमी प्रति घंटे की उच्च डिजाइन गति के कारण देश में अन्य मेट्रो प्रणालियों की तुलना में आरआरटीएस की टनल को अधिक बड़ा बनाया गया हैं।

ये 6.5 मी. व्यास की टनल ट्रेनों की गति अधिक होने के कारण यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने में सहायता प्रदान करेंगी। देश में मास ट्रांजिट प्रोजेक्ट में पहली बार 6.5 मीटर व्यास की टनल का निर्माण किया जा रहा है।

यह टीबीएम आनंद विहार स्टेशन से न्यू अशोक नगर स्टेशन की ओर लगभग 3 किमी लंबी सुरंग का निर्माण करेगी। इस टीबीएम के लिए रिट्रीविंग शाफ्ट खिचड़ीपुर, जो न्यू अशोक नगर की ओर है, में निर्माणाधीन है।आनंद विहार स्टेशन से चार टीबीएम लॉन्च किए जाने की योजना है। दो आनंद विहार स्टेशन से न्यू अशोक नगर स्टेशन की ओर और दो आनंद विहार स्टेशन से साहिबाबाद स्टेशन की ओर।

साहिबाबाद की ओर टनल निर्माण के लिए एक और टीबीएम लॉन्चिंग शाफ्ट का निर्माण आनंद विहार स्टेशन के उत्तर की ओर चल रहा है। आनंद विहार स्टेशन से साहिबाबाद स्टेशन की ओर टीबीएम लगभग 2 किमी सुरंग का निर्माण करेगी। साहिबाबाद के पास वैशाली में इसका रिट्रीविंग शाफ्ट निर्माणाधीन है।

आनंद विहार में सुरंग खोदती मशीनें

भूमिगत कारिडोर में ये इंतजाम भी होंगे

आपातकालीन निकासी मार्ग, वायु संचार के लिए एयर वेंटिलेशन शाफ्ट, गहराई 20 मीटर होगी लंबाई 5.60 किलोमीटर होगी, इसे बनाने में आएगी 1126 करोड़ रुपये की लागत, अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी रैपिड रेल। पूरे 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-गाजियाबाद मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर निर्माण कार्य जोरों पर है। कॉरिडोर में दो डिपो और एक स्टेबलिंग यार्ड समेत 25 स्टेशन होंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 5 मार्च, 2022

गंदगी फैलाने वाले 15 लोगों के किए गए चालान

गंदगी फैलाने वालों पर 30 हजार रुपये का लगाया जुर्माना

गुरुग्राम। अगर आपने सार्वजनिक स्थानों, सड़क आदि पर गंदगी फैलाई तो नगर निगम गुरुग्राम द्वारा आपका चालान किया जाएगा। नगर निगम की टीमें क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही हैं, तथा गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।

शुक्रवार को जोन-2 क्षेत्र के वरिष्ठ सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार, सफाई निरीक्षक दीपक एवं बलजीत की टीम ने गंदगी फैलाने वाले 15 व्यक्तियों के चालान किए तथा उन पर 30 हजार रुपये का जुर्माना किया। इनमें 5 दुकानदारों पर 5-5 हजार रुपये तथा 10 स्ट्रीट वेंडर्स पर 500-500 रुपये का जुर्माना शामिल है। यह कार्रवाई बस स्टैंड के आसपास के क्षेत्र में की गई। टीम द्वारा गंदगी फैलाने वालों को स्पष्ट चेतावनी दी गई वे गंदगी ना फैलाएं अन्यथा उनके खिलाफ अन्य नियमों के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। सरकार द्वारा संशोधित प्लास्टिक कचरा प्रबंधन अधिनियम की पालना सुनिश्चित करवाने केलिए भी नगर निगम गुरुग्राम की टीमें क्षेत्र में लगातार कार्रवाई कर रही हैं। इस नियम के तहत 75 माईक्रोन की मोटाई से कम मोटाई वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया है क्योंकि हलके वजन वाले प्लास्टिक कैरीबैक के कारण फैलने वाले कचरे को रोकने के लिए नियम के तहत प्लास्टिक कैरीबैग की मोटाई को 75 माइक्रोन कर दिया।

श्री श्याम बसंत महोत्सव में निकाली शोभा एवं कलश यात्रा

गुरुग्राम में श्री श्याम बसंत महोत्सव में शोभा एवं कलश यात्रा में शामिल महिलाएं और पूजन करते अतिथि।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

छह मार्च 2022 तक चलेगा बसंत महोत्सव

श्री खाटू श्याम प्रचार मंडल की ओर से गुरुवार को चार दिवसीय 34वां श्री श्याम बसंत महोत्सव शुरू हो गया। यह महोत्सव 6 मार्च तक चलेगा। पहले दिन शोभा एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं, पुरुष श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। गाजे-बाजे के साथ यह शोभा यात्रा निकाली गई।

शोभा एवं कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से शुरू होकर ओल्ड जेल कॉम्पलेक्स, बड़ा बाजार, सदर बाजार, डाकखाना चौक, सिविल अस्पताल, अग्रवाल धर्मशाला चौक से गुरुद्वारा के आगे से वापस मंदिर पहुंची। इससे पूर्व विशिष्ट अतिथि सुधीर सिंगला व मुख्य अतिथि बदरवाल ग्रुप के चेयरमैन सुशील भारद्वाज ने ज्योति प्रज्जवलित की। पूरे विधि-विधान के साथ पूजन किया गया। इस अवसर पर विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुरु द्रोण की नगरी गुरुग्राम धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन में सदैव आगे रहती है। विशेषकर यहां का श्री खाटू श्याम प्रचार मंडल समय-समय पर धार्मिक आयोजन करके लोगों को भगवान की भक्ति से जोड़कर रखता है। हर तीज-त्योहार संस्था द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। इसके बाद भव्य शोभा एवं कलश यात्रा गाजे-बाजे के साथ शुरू हुई। बैंड-बाजों की सुरीली धुनें, भजनों की मधुर आवाज पर सिर पर कलश लिए महिलाएं भी थिरकतीं नजर आई। बेहद ही भव्य यह आयोजन किया गया। यातायात की व्यवस्था को पुलिस के अलावा संस्था के सदस्यों ने भी संभाला। कलश यात्रा में शामिल महिलाओं को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी। जहां-जहां से शोभा एवं कलश यात्रा निकलीं, लोगों ने स्वागत किया। द्रोण नगरी खाटू श्याम नगरी नजर आई। श्री खाटू श्याम प्रचार मंडल के प्रधान राजकुमार कौशिक, प्रचार-मंत्री राकेश शर्मा ने बताया कि इस चार दिवसीय धार्मिक आयोजन में शहर के लाखों लोग श्याम बाबा के दर्शन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन से सोहना पहुंची मेडिकल छात्रा का स्वागत

सोहना। यूक्रेन से सोहना पहुंची मेडिकल की छात्रा दिव्यांशी परिजनों ने लाड़ों का स्वागत करते हुए गले से लगा लिया। अपनों के बीच पाकर दिव्यांशी भावुक होकर सबसे पहले मां से लिपट गई। सोहना के वार्ड-5 की शिव कॉलोनी निवासी दिव्यांशी यूक्रेन से शुक्रवार सुबह 8 बजे अपने घर पहुंची। दिव्यांशी शुक्रवार सुबह पांच बजे हंगरी से दिल्ली पहुंची थी। उसके बाद दिव्यांशी को दिल्ली से परिजन घर लेकर पहुंचे। दिव्यांशी के स्वागत में परिजन समेत आस-पास के पड़ोसी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अपनों के बीच पहुंची दिव्यांशी की आंखें खुशियों के आंसुओं से भर आई और घर के दरवाजे पर खड़ी मां राजेश चौहान के गले से लेकर भावुक हो गई। मां-बेटी का प्यार देख आस पास खड़े सभी परिजन और पड़ोसियों की आंखें भी नम हो गई। यूक्रेन में डॉक्टर शिक्षा प्राप्त कर रही दिव्यांशी ने बताया कि भारत सरकार के अथक प्रयासों के चलते किसी भी भारतीय नागरिक को कोई परेशानी नहीं हुई। यूक्रेन से लेकर दिल्ली आने तक का सफर उन सब छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। गुरुवार को उन्होंने हंगरी से दिल्ली लाया गया। पूरे रास्ते में सभी प्रकार की सुविधाएं उन्हें सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई। दिव्यांशी के पिता नरेश चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और श्रेष्ठ कूटनीति का परिणाम है कि सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित वतन लौट रहे है।

लेक्सिकॉन ग्रुप ने मल्टीफिट जिम का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। शिक्षण संस्थान लेक्सिकॉन ग्रुप ने फिटनेस और शक्ति प्रशिक्षण ब्रांड मल्टीफिट जिम का अधिग्रहण किया। इस अधिग्रहण के माध्यम से लेक्सिकॉन का लक्ष्य अधिक से अधिक शहरों में जिम की उपस्थिति को मजबूत करना और विश्व स्तर पर भी अपने पदचिह्न को बढ़ाना है। लेक्सिकॉन समूह फिटनेस सेवाएं प्रदान करने का प्रयास करता है जो जिम और फिटनेस सेवाओं के पूरक होंगे। वर्तमान में मल्टीफिट भारत, यूके और यूएई में मौजूद है, जिसमें 9 शहरों में फैले 23 फिटनेस डेस्टिनेशन हैं। द लेक्सिकॉन ग्रुप के प्रेसिडेंट पंकज शर्मा कहा कि वह ग्रहण बेहद खुश हैं और अपनी विशेषज्ञता और मजबूत विस्तार रणनीति के साथ फिटनेस ब्रांड बनाने के लिए आश्वस्त हैं।

पीएम किसान सम्मान निधि के लिए 31 तक कराएं ई-केवाईसी

गुरुग्राम। केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि स्कीम के तहत प्रदेश के लाखों किसानों को खेती करने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। योजना का लाभ निर्बाध रूप से जारी रहे, इसके लिए 31 मार्च तक पंजीकृत किसानों का ई-केवाईसी का कार्य किया जा रहा है। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने जिला के किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि वे अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने बताया कि जिला के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि स्कीम के तहत सालाना 6,000 रुपये दिए जाते हैं। इसका भुगतान 2000-2000 रुपये की तीन किस्तों में किया जाता है। कृषि विभाग के सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी मनमीत यादव ने बताया कि अगर आपके खाते में अभी तक पीएम किसान योजना की 10वीं किश्त का पैसा नहीं आया है, तो आपको केंद्र सरकार की वेबसाइट पर अपनी डिटेल्स चेक कर लेनी चाहिए, वरना आपकी 11वीं किस्त का पैसा भी अटक सकता है।

पुलिस सुरक्षा में सुपरवाइजर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर कर रही राशन वितरण

सोहना। आंगनबाड़ी सेंटरों पर सुपरवाइजर पुलिस सुरक्षा के साथ राशन वितरण कर रही हैं। पिछले करीब तीन माह से हड़ताल पर चल रही कार्यकर्ता राशन वितरण का कड़ा विरोध कर रही हैं। जिसके कारण तीन माह से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर तीन का राशन वितरण नहीं हुआ है। खंड के 222 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर हर माह करीब 23 हजार बच्चों का राशन वितरण होता है, लेकिन हड़ताल पर चल रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता केन्द्रों पर राशन लेकर पहुंच रही सुपरवाइजरों के समक्ष कड़ा विरोध करते हुए गांवों में प्रवेश नहीं करने दे रही हैं। सुपरवाइजर सरोज ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता केन्द्रों पर आने वाले बच्चों के अभिभावकों को अपने समर्थन में कर राशन नहीं उतरने दे रही थीं। जिससे उन्हें राशन वितरण करने के दौरान लौटना पड़ा है।सुपरवाइजर रेखा सोनी ने बताया कि उच्चाधिकारियों ने उन्हें तीन दिन पहले पुलिस सुरक्षा दिलाई है। पुलिस की मौजूदगी में खंड के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर राशन उतारा जा रहा है। तीन दिन में 175 के लगभग केन्द्रों पर राशन उतारा जा चुका है। राशन वितरण के लिए पटौदी ब्लॉक से सुपरवाइजरों को बुलाया गया है। पटौदी से आई सुपरवाइजर नीरज की मदद से वह एक दिन में 30 से 35 केन्द्रों पर राशन वितरण कर रही हैं। सीडीपीओ मंजू देवी ने बताया कि उम्मीद है कि अन्य कार्यकर्ता भी हड़ताल जल्द ही समाप्त कर देंगी।

गुरुग्राम विवि में अगले सत्र से दो शिफ्ट में होगी पढ़ाई

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

पढ़ाई के साथ काम करने वाले विद्यार्थियों को होगा लाभ

सरकारी संस्थानों में यह सुविधा देने वाला पहला गुरुग्राम विवि होगा

कुलपति दिनेश कुमार।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए यह अच्छी खबर है। आगामी सत्र से गुरुग्राम विश्वविद्यालय दो शिफ्ट में संचालित किया जाएगा। यानी यहां पर दो सत्रों में कक्षाएं लगेंगी। विद्यार्थी अपनी सहूलियत के हिसाब से सुबह या शाम की शिफ्ट में कक्षाएं लगाने को स्वतंत्र होंगे।

छात्रहितों को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम विश्वविद्यालय ने आगामी नए सत्र से छात्रों को नई सुविधा देने के लिए विशेष योजना तैयार की जा रही है। जिसके तहत गुरुग्राम विश्वविद्यालय को दो शिफ्ट में चलाया जाएगा। इसके तहत छात्र-छात्राएं अपने मनपसंद समय अनुसार कोर्स और समय का चुनाव कर सकेंगे। ऐसा पहली बार होगा कि जिले के किसी सरकारी संस्थान में पढ़ने के लिए छात्रों को इस तरह की सुविधा मिलेगी। अभी तक सरकारी विश्वविद्यालय और कॉलेज परिसर को एक ही शिफ्ट में संचालित किया जा रहा था। दो शिफ्ट में यूनिवर्सिटी चलने से नौकरी करने वाले बच्चे भी नियमित कक्षाएं लगा सकेंगे। बता दें की अभी गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कक्षाओं का संचालन किया जाता है। नए सत्र से शुरू होने वाले इस योजना में छात्र सुबह 8 बजे से देर शाम तक पढ़ाई कर सकेंगे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के भविष्य को संवारने के लिए ही गुरुग्राम विश्वविद्यालय ने दो शिफ्टों में कक्षाएं संचालित करने का फैसला लिया है, जो आगामी सत्र से शुरू हो जाएंगी। इस सुविधा से विद्यार्थियों को काफी लाभ होगा। विश्वविद्यालय के छात्र पुस्तकालय, खेलकूद जैसे अन्य सुविधाओं का भी लाभ उठा सकेंगे। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में नए सत्र से छात्रों को नए कोर्स पढ़ने को मिलेंगे। जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ई-टेक्नॉलजी, हेल्थ केयर सहित कई और औद्योगिक इकाइयों से जोड़ने वाले कोर्स शामिल होंगे।

गुरुग्राम जैसे शहर में इस तरह की सुविधा जरूरी भी है। क्योंकि काफी गरीब विद्यार्थी ऐसे भी हैं, जो कि अपनी पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करते हैं। किसी के काम का समय सुबह होता है तो किसी का शाम को। ऐसे विद्यार्थियों के लिए यह दो सत्र का विश्वविद्यालय बखूबी रास आएगा। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश कुमार का कहना है कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में कई अन्य बदलाव भी नए सत्र में देखे जा सकेंगे।

अहीर रेजिमेंट का गठन समाज का हक : सुंदर लाल यादव

गुरुग्राम के अहीर रेजिमेंट की मांग पर धरने पर आर्थिक सहायता सौंपते सिकंदरपुर बढ़ा के सरपंच सुंदर लाल यादव व अन्य ग्रामीण।

गुरुग्राम। अहीर रेजिमेंट के गठन के लिए यहां खेड़कीदौला टोल के पास बीते एक माह से चल रहे धरने पर गांव सिकन्दरपुर बढ़ा के मौजिज लोगों ने भी अपना समर्थन दिया है। आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए गांव की तरफ से से चंदा स्वरूप एक लाख 15000 रुपये की राशि ट्रस्ट को दी गई।

मौके पर सुन्दर लाल यादव सरपंच सिकन्दरपुर, पूर्व सरपंच बीरेंद्र यादव, जगदीश यादव, राजकुमार, रवि यादव, भूपेंद्र यादव, अजित यादव, लीलाराम, सत्तू प्रधान, ओप्रकाश मेम्बर, विनोद यादव, सजन सिंह, मोनू यादव, विजय प्रकाश, राकेश यादव, राजू मेम्बर सहित गांव के अनेक गणमान्य लोग व युवा उपस्थित रहे। सुंदर लाल यादव ने अपने संबोधन में कहा कि अहीर रेजिमेंट हमारा हक है। सरकार को यह रेजिमेंट बनाकर अहीरों का सम्मान करना चाहिए। दक्षिण हरियाणा समेत पूरे देश से अहीर समाज के लाखों युवा देश की सेनाओं में बेहतरीन सेवाएं दे रहे हैं। देश की रक्षा कर रहे हैं। अनेकों ने देश के लिए बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी देश के सम्मान के लिए काम कर रहे हैं। हर स्तर पर उन्होंने देश को मजबूती दी है। अब अहीर रेजिमेंट का गठन करके वे अहीरों का सम्मान करें।

जल संचयन की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही हरियाणा सरकार : निशांत कुमार यादव

गुरुग्राम। वर्तमान समय में बढ़ती आबादी के कारण पानी की उपलब्धता की चुनौती के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने जल संरक्षण के लिए अनेक कारगर कदम उठाएं हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की दूरगामी सोच के फलस्वरूप हरियाणा सरकार द्वारा जल संरक्षण की दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। यह कहना है जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव का।

उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और प्रदेश में जल की उपलब्धता कैसे अधिक से अधिक हो, इसके लिए हरियाणा सरकार लगातार प्रयास कर रही है। डीसी ने बताया कि जल संरक्षण के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। मेरा पानी-मेरी विरासत योजना भी जल संरक्षण में काफी अहम भूमिका निभा रही है। हरियाणा सरकार की इस अनूठी योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इस योजना के तहत धान के स्थान पर कम पानी से तैयार होने वाली अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने पर किसानों को 7 हजार रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

माइक्रो इरिगेशन अपनाने के लिए भी किसानों को प्रोत्साहन : उपायुक्त ने बताया कि वहीं प्रदेश में किसानों को माइक्रो इरिगेशन अपनाने के लिए भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सूक्ष्म सिंचाई के उपकरणों पर सरकार द्वारा खासा अनुदान दिया जा रहा है। खेत में तालाब निर्माण के लिए किसान को कुल खर्च पर 70 प्रतिशत की सब्सिडी मिलेगी और उसे केवल 30 प्रतिशत राशि ही देनी होगी। इसी तरह 2 एचपी से 10 एचपी तक की क्षमता वाले सोलर पंप की स्थापना के लिए किसान को 25 प्रतिशत राशि देनी होगी और उसे 75 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। सूक्ष्म सिंचाई से ना केवल किसानों को पूरा पानी मिलेगा, बल्कि आगामी कई सालों तक खेती के लिए पर्याप्त पानी का पक्का प्रबंध हो जाएगा।

उत्थान मेले में आर्थिक रूप से पिछड़े 156 परिवारों को मिलेगा लाभ

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में एडीसी एके मीना व एसडीएम सोहना जितेन्द्र गर्ग मेले में लाभ लेने पहुंचे नागरिक को योजना की जानकारी देते हुए।

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में आर्थिक रुप से पिछड़े 156 परिवार के सदस्यों ने रोजगार चलाने के लिए अपना नाम पंजीकृत कराया। शहरी क्षेत्र के 320 में से 83 परिवार तथा ग्रामीण क्षेत्र के 511 में से मात्र 73 परिवार ही रोजगार चलाने के लिए ऋण लेने पहुंचे।

गुरुवार को शहर के देवीलाल खेल स्टेडियम में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला का खंड स्तर पर आयोजन किया। जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के 831 आर्थिक रुप से पिछड़े परिवारों को बुलाया गया था। ग्रामीण क्षेत्र के 511 तथा शहरी क्षेत्र से 320 परिवार शामिल थे। मेले का उद्घाटन एसडीएम जितेन्द्र गर्ग ने किया। मेले में दोपहर के समय में अतिरिक्त उपायुक्त एके मीणा ने पहुंचकर लाभ लेने पहुंच परिवार के सदस्यों से बातें की। अपने समक्ष मेले में रोजगार चलाने के लिए आर्थिक सहायता लेने पहुंचे नागरिकों से स्वयं पूछने के बाद उन्हे लाभ दिलवाए। तीन परिवारों को मौके पर ही आर्थिक सहायता राशि के चैक दिए गए। जिसमें दो दूध की डेरी चलाने वाले तथा एक अन्य व्यवसाय चलाने के लिए दिया।

आज कुल 156 परिवार ही योजना का लाभ लेने पहुंचे। जिनमें दुकान चलाकर रोजगार चलाना तथा दूध की डेरी चलाने के इच्छूक नागरिकों की संख्या सबसे ज्यादा थी। तीसरे चरण में जल्द ही मेले का आयोजन होगा। जिसमें शेष लाभार्थियों को रोजगार व व्यवसाय चलाने के लिए आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। अभी तक लगे दो बार के मेले में 60 फीसदी लाभार्थियों का पंजीकरण हो चुका है।

आज के इस मेले में 18 अलग-अलग विभागों की तरफ से स्टाल लगी थी। एक-दो विभाग को छोड़ अन्य सभी की तरफ से लाभार्थियों को किसी न किसी योजना के तहत आर्थिक सहायता की मदद की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 23 वर्षीय मजूदर की मौत

सोहना। गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड राष्ट्रीय मार्ग पर 23 वर्षीय मजदूर की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम का शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। राजस्थान का जिला डीग गांव जटौली निवासी 23 वर्षीय रामेश्वर पुत्र नत्थी की गुरुवार की रात करीब 7 बजे सड़क हादसे में मौत हो गई। एएसआई रामकुमार ने बताया कि गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग पर रामेश्वर पैदल सड़क पर चल रहा था। उसी समय अज्ञात वाहन ने रामेश्वर को टक्कर मार दी और उसका चालक वहां से अपने वाहन को लेकर फरार हो गया। रामेश्वर ने घटना स्थल पर ही दमतोड़ दिया। सिटी थाना से पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया। रामेश्वर के पिता नत्थी ने बताया कि उसका बेटा सोहना की सैनी कॉलोनी में किराए के मकान पर रहता था। गुरुवार को ही वह पत्नी और बच्चों को लेकर राजस्थान से सोहना आया था।

मैक्स लाइफ और पॉलिसीबाजार की साझेदारी होममेकर्स को बनाएगी आर्थिक रूप से सुरक्षित

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ

इंडिपेंडेंट टर्म इंश्योरेंस का विकल्प दिया जाएगा

भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन इंश्योरेंस मार्केटप्लेस पॉलिसीबाजार ने हाउसवाइफ महिलाओं को भी सशक्त बनाने हेतु मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के साथ पार्टनरशिप की है। जिसके लिए गृहणियों को अब उनके जीवनसाथी की इंश्योरेंस पॉलिसी से अलग इंडिपेंडेंट टर्म इंश्योरेंस का विकल्प दिया जायेगा।

पॉलिसीबाजार डॉट कॉम के सीईओ सरबवीर सिंह ने कहा, पॉलिसीबाजार बचत और सुरक्षा केटेगरी को लेकर ऑनलाइन जीवन बीमा मार्केट में नेतृत्व पद पर है। ऑनलाइन सुरक्षा श्रेणी की मिश्रित बिक्री में हाऊसवाइफ का सेगमेंट एक ऐसा खंड है, जो अब तक अछूता अवसर बना हुआ है और जिसके बारे में सोचने की आवश्यकता है। भारत में, यह सेगमेंट बहुत बड़ा है। हम मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के साथ गृहणियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उनके महत्वपूर्ण प्रयास में साझेदार बनने से अत्यंत खुश हैं। मैक्स लाइफ के उप प्रबंध निदेशक वी. विश्वानंद ने कहा, एक गृहिणी के रूप में एक महिला का योगदान बेहद महत्वपूर्ण और अतुलनीय होता है। वह अपना संपूर्ण जीवन अपने परिवार का ख्याल रखने, उसे भावनात्मक समर्थन देने और घर की आर्थिक परिस्थितियों को संतुलित बनाये रखने में बीता देती है। गृहणियों के लिए लाया गया मैक्स लाइफ का स्मार्ट सिक्योर प्लस प्लान भारतीय महिलाओं को सशक्त बनाने और इस चुनौतीपूर्ण समय में भी उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करके अधिक वित्तीय समावेशन की दिशा में उठाया गया एक कदम है।

वर्तमान समय में भारतीय हाउसवाइफ को आमतौर पर केवल अपने कमाऊ पति के कवर में एक ऐड-ऑन टर्म कवर के रूप में जुड़ने की अनुमति होती है। इसलिए अब इस में सुधार करते हुए पॉलिसीबाजार मैक्स लाइफ स्मार्ट सिक्योर प्लस प्लान उपलब्ध कराने जा रहा है, जो हाउसवाइफ महिलाओं को उनके पति के जीवन बीमा कवर से अलग सुरक्षा प्रदान करेगा। बड़े पैमाने पर इसमें सुधार करने और होममेकर्स की समस्याओं का समाधान करने के लिए मैक्स लाइफ और पॉलिसीबाजार साझेदारी करने का फैसला किया है।

ज्यादा से ज्यादा लोगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए, मैक्स लाइफ स्मार्ट सिक्योर प्लस प्लान उन उपभोक्ताओं के लिए भी उपलब्ध होगा जिनकी घरेलू आय न्यूनतम 5 लाख रुपये प्रति वर्ष या इससे कम होगी। विभिन्न प्रकार की योजनाओं, मृत्यु दर और सभी राइडर फायदों के साथ यह 18 से 50 वर्ष के आयु वर्ग की गृहिणियों के लिए उपलब्ध होंगे

गृहणियों को संबोधित करना मृत्यु जोखिम, एक्सीडेंट कवर और उनकी पूंजी आवश्यकताओं के मामले में आने वाली बड़ी चुनौतियों को भी दर्शाता है, इसलिए बेहद सोच-समझ कर यह कदम उठाया गया है और इसके परिणामों के आधार पर आगे इस तरह के और अधिक अनुकूल प्रस्ताव पेश किए जाएंगे।

छह मार्च को गुरुग्राम को चमकाएंगे डेरा सच्चा सौदा के सेवादार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत एक बार फिर गुरु द्रोण नगरी गुरुग्राम को स्वच्छता की सौगात देने जा रही है। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह इंसा जी के यहां प्रवास की खुशी में डेरा सच्चा सौदा के अनुयायी छह मार्च को गुरुग्राम में सफाई महा अभियान चलाएंगे। यह जानकारी डेरा सच्चा सौदा के प्रवक्ता संदीप कौर इन्सां व जितेन्द्र खुराना इन्सां ने दी।

उन्होंने बताया कि सफाई महा अभियान के तहत पूरे गुरुग्राम शहर को चार जोनों में बांटा गया है। इन जोनों को आगे सब जोनों में विभाजित किया गया है। हर जोन में राज्यवार साध-संगत की ड्यूटियां लगाई गई हैं। इस अभियान की शुरुआत छह मार्च सुबह 9 बजे साउथ सिटी-2 नाम चर्चा घर गुरुग्राम के सामने से की जाएगी। इस दौरान साफ -सफाई के लिए साध-संगत झाड़ू, तसले, कस्सी, दराती आदि सामान स्वयं लेकर पहुंचेगी। सफाई महाअभियान को लेकर साध-संगत में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही साध-संगत की सुविधा के मद्देनजर हर जोन में प्राथमिक उपचार केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें पैरा-मेडिकल स्टाफ व डॉक्टरों की टीमें अपनी सेवाएं देंगी।

इन शहरों को स्वच्छता की सौगात दे चुके हैं डेरा अनुयायी

गौरतलब है कि इससे पहले गुरू संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के पावन सानिध्य में 17 दिसंबर 2011 में गुरुग्राम को 3 लाख से अधिक सेवादारों द्वारा 7 घंटे में गंदगी मुक्त किया गया था। डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत देश की राजधानी दिल्ली, जयपुर, हरिद्वार, पुरी, कोटा, गुरुग्राम, सरसा, जोधपुर, कोटा, हौंशगाबाद, पुरी (उड़ीसा), हिसार, ऋषिकेश, गंगा जी व हरिद्वार, अजमेर, पुष्कर, रोहतक, फरीदाबाद, नरेला (दिल्ली), करनाल, कैथल, नोएडा, नई दिल्ली, सीकर (राज.), अलवर, दौसा, सवाईमाधोपुर (राज.), श्योपुर (मध्य प्रदेश), टोंक (राज.), देश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुम्बई, पानीपत, जयपुर, करनाल सहित 32 शहरों में सफाई महा अभियान चला चुकी है।

पिछले 5 वर्षों में स्थानीय भाषा में मनोरंजन की मांग कैसे बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ

क्या आपको वह समय याद है, जब हम टीवी पर किसी विशेष शो या फिल्म के प्रसारित होने का इंतजार करते थे और पूरा परिवार एक साथ बैठकर इसका आनंद लेता था? लेकिन बीते कुछ वर्षों में, मनोरंजन की प्राथमिकता और उसका तरीका तेजी से बदली है। अब दर्शक चाहते हैं कि उनका पसंदीदा शो या फ़िल्म उनकी सुविधानुसार त्वरित और उपलब्ध हो। विशेष रूप से महामारी के में दौरान, जब हर कोई अपने घरों के अंदर बंद था, मनोरंजन ही एकमात्र विकल्प था जो सभी को स्वस्थ रखने में मदद कर रहा था।

प्रौद्योगिकी बड़े पैमाने पर शो व्यवसाय को प्रभावित कर रही है। इसने दर्शकों के मनोरंजन का उपभोग करने के तरीके को बदल दिया है, साथ ही यह मनोरंजन उद्योग के विभिन्न पहलुओं में नवीनता ला रही है, चाहे वह सामग्री हो या देखने की गुणवत्ता। किसी भी स्थान पर किसी भी प्रकार की मनोरंजन सामग्री बाधाओं के बावजूद, आसानी से उपलब्ध हो, इसमें भी प्रौद्योगिकी ने योगदान दिया है।

एयरटेल एकसस्ट्रीम प्रीमियम के लांच साथ ओटीटी परिदृश्य प्रभावित होगा बढ़ते ओटीटी बाजार में अपना प्रभाव मजबूत करने के उद्देश्य से एयरटेल ने हाल ही में अपनी एक्सस्ट्रीम प्रीमियम योजना शुरू की, जिसमें 15 भारतीय और वैश्विक वीडियो ओटीटी की सामग्री शामिल होगी। ग्राहकों को SonyLiv, ErosNow, Lionsgate Play, Hoichoi, Manorama Max, Shemaroo, Ultra, Hungama Play, EPICon, Docubay, DivoTV, Klikk, Nammaflix, Dollywood ¥õÚU ShortsTV से 10,500 से अधिक फिल्मों, वेब-शो और लाइव टीवी की सबसे बड़ी सूची में से एक तक पहुंच प्राप्त होगी, वह भी एक ही प्लेटफॉर्म पर सिंगल लॉगिन के साथ केवल 149/- प्रति माह की दर पर। एयरटेल एक्सस्ट्रीम ने भारत के डिजिटल रूप से जुड़े ग्राहकों की बढ़ती जमात के लिए वीडियो स्ट्रीमिंग मनोरंजन की रोमांचक दुनिया को खोल दिया है।

ओटीटी क्रांति : मनोरंजन के क्षेत्र में तकनीकी प्रगति आने के साथ, कोई भी भौगोलिक बाधा अब एक मिथक बन कर रह गई है। आप दिल्ली में अपने घर में बैठे हुए आसानी से अपने स्मार्टफोन पर एक अच्छी तेलुगु फिल्म का आनंद ले सकते हैं। ओटीटी स्पेस के तेज गति से बढ़ने के साथ, आर्थिक पहलुओं को भी ध्यान में रखते हुए, दर्शकों को उनकी पसंद के आधार पर मनोरंजन की होम डिलीवरी की जाती है। पिछले कुछ वर्षों में मनोरंजन मीडिया के वितरण में विभिन्न प्रकार की प्रगति हुई है। इनमें से प्रत्येक प्रगति का ने इस क्षेत्र में गहरा प्रभाव छोड़ा है कि आज दुनिया भर में मनोरंजन का आनंद किन तरीको से लिया जाता है। स

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 5 मार्च, 2022

यूक्रेन से लौटे छात्रों ने कहा 'मोदी है तो मुमकिन है'

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के कारण देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से भारतीय छात्रों को स्वदेश लाने का कार्य निरंतर जारी है। अभी तक 20 हजार भारतीय नागरिकों को स्वदेश सुरक्षित पहुंचाया जा चुका है।

भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने फरीदाबाद पहुंचे एक सौ से ज्यादा छात्रों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। गोपाल शर्मा ने युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पंकज सिंगला के साथ अभिषेक शर्मा और रश्मि सिंह व उनके परिजनों से मुलाकात की और सुरक्षित वतन वापसी पर उनका स्वागत किया। रश्मि सिंह के पिता डॉक्टर राकेश कुमार सिंह ने बेटी के सुरक्षित स्वदेश वापसी पर मोदी सरकार का आभार व्यक्त किया।

डॉक्टर सिंह ने मोदी सरकार द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन गंगा की जमकर प्रशंसा की। भाजपा जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, टिपर चंद शर्मा व संदीप शर्मा ने बल्लभगढ़ विस क्षेत्र में मेघा, आदित्य गौड़, आदित्य पाठक, मयंक पांडेय, जिला महामंत्री आरएन सिंह

यूक्रेन से लौटे छात्रों ने जताया मोदी का आभार

व कविन्द्र चौधरी ने गौरव गौड़ और ज्योति डागर से मिलकर उनका अनुभव जाना। जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, जिला सोशल मीडिया संयोजक अमित मिश्रा ने तिलपत गांव के नमन और अशोका इन्क्लेव के केतन मेहता और उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल जाना।

जिला सचिव हरेन्द्र भडाना, मंडल अध्यक्ष अमित आहूजा, हरीश खटाना, प्रवीण चौधरी ने विशाल, ऋषि कुमार राजपूत, प्रिया सहगल, समीर टंडन ने कंचन और आकांक्षा से मुलाकात की। बिजेन्द्र नेहरा ने टेकचंद कौशिक से और वजीर सिंह डागर, राज मदान, सचेत जैन, गिरिराज त्यागी, मुकेश डागर, हरीश धनखड़, महेश गोयल, अशोक शर्मा, अभिषेक दीक्षित, सुधीर मेहता और अन्य नेताओं ने यूक्रेन से लौटे छात्रों से मुलाकात की।

यूक्रेन से आये सभी छात्रों और उनके परिजनों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए ऑपरेशन गंगा की प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि बचे हुए भारतीयों की जल्द सुरक्षित वापसी होगी।

यूक्रेन से घर वापस आए छात्र का स्वागत करते कैबिनेट मंत्री के भाई टिपर चंद शर्मा।

छात्रों ने कहा सरकार द्वारा नि:शुल्क हवाई यात्रा, खाने -पीने और रहने की व्यवस्था की गई थी। जिला प्रसाशन से लेकर पीएमओ तक के अधिकारीयों द्वारा संपर्क कर छात्रों का हाल चाल पूछा जा रहा है। छात्रों ने हमें गर्व है की देश में मोदी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार है और मोदी है तो सब मुमकिन है।

जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि देश में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक संवेदनशील सरकार है और हर व्यक्ति को स्वदेश लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

फूड सप्लाई का लाइसेंस बनाने के नाम पर रिश्वत लेता क्लर्क गिरफ्तार

100 की फीस वाले लाइसेंस के पांच हजार मांग रहा था क्लर्क

टिफिन सर्विस करवाने का लाइसेंस बनवाने आया था युवक

कविता। फरीदाबाद

विजिलेंस की गिरफ्त में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट का क्लर्क मनजीत।

टिफिन सर्विस शुरू करने के लिए फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट से लाइसेंस बनवाने के लिए आए एक युवक से कार्यालय में तैनात एक क्लर्क द्वारा पांच हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही थी। जबकि लाइसेंस बनवाने का शुल्क मात्र 100 रुपये है। पीड़ित ने मामले की शिकायत स्टेट विजिलेंस को दे दी।

विजिलेंस की टीम ने आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ लिया। विजिलेंस टीम के साथ बड़खल के नायब तहसीलदार सुरेश कुमार ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद थे। स्टेट विजिलेंस के इंस्पेक्टर राकेश मलिक ने बताया कि सेक्टर-82, हरी नगर निवासी वरूण से फूड सेफ्टी लाइसेंस बनाने की एवज में क्लर्क ने पांच हजार रुपये की रिश्वत की मांगी थी। जिसकी शिकायत वरुण ने उन्हें देते हुए बताया कि 100 रुपये के लाइसेंस की फीस लगती है। फूड सप्लाई के लिए जोमेटो और अन्य कम्पनियों ने उनसे लाइसेंस मांगा था। शिकायत पर विजिलेंस की टीम ने पाउडर लगे नोट के साथ शिकायतकर्ता वरुण को भेज दिया। वरुण ने क्लर्क मनजीत को पांच हजार रुपये देकर टीम को इशारा कर दिया।

टीम ने मौके पर पहुंचकर क्लर्क से पाउडर लगे पांच हजार रुपये बरामद कर लिए। जिस पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल उससे पुछताछ की जा रही है कि इस रिश्वत में कौन-कौन हिस्सेदार शामिल है। अब तक कितने लाइसेंस आरोपी क्लर्क ने जारी किए हैं और कितने रुपये की रिश्वत लोगों से ली हैं। क्योंकि खाद्य विक्रेताओं के अलावा यहां होटल और रेस्टोरेंट के अलावा पेयजल सप्लाई करने वालों के भी रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस का कार्य किया जाता है।

मामले की बारिकी से जांच की जाएगी। सूत्रों की मानें तो क्लर्क ने जब रिश्वत ली, उस समय कार्यालय में अन्य अधिकारी और कर्मचारी नहीं थे। यहां तैनात फूड सेफ्टी के डेजीनेटीड ऑफिसर पृथ्वी सिंह मेवात गए हुए थे। वहीं फूड सेफ्टी अधिकारी डॉ. सचिन शर्मा पलवल में और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी दीनदयाल शर्मा अवकाश पर थे। कार्यालय में मात्र चार लोगों की तैनाती होने के कारण यहां रिश्वत मांगने के मामले पिछले काफी समय से बढ़ रहे हैं। क्योंकि यहां लाइसेंस बनाने और रजिस्ट्रेशन के अलावा मिलावटखोर खाद्य विक्रेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की जाती है। ऐसे में लाईसेंस और रजिस्ट्रेशन बनवाने वालों के अलावा मिलावटखोरों से भी यहां रिश्वत लेकर बचा दिया जाता है।

राशन डिपो संचालक का लाइसेंस कैंसल

डिपो धारक 50 किलो राशन की जगह केवल 25 किलो राशन ही दे रहा था

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डिपो धारकों द्वारा लगातार कम राशन देने की शिकायतें खाद्य आपूर्ति एवं नियंत्रक विभाग को मिल रही हैं। एक शिकायत के आधार पर खाद्य आपूर्ति व नियंत्रक विभाग की तरफ से पर्वतीय कॉलोनी स्थित एक राशन डिपो संचालक का लाइसेंस सस्पेंड करने के आदेश जारी किए हैं।

दी थी शिकायत

पर्वतीय कॉलोनी स्थित मोहर सिंह राशन डिपो धारक के खिलाफ एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दी थी कि उसे कम राशन मिल रहा है। वहां से शिकायत खाद्य व आपूर्ति नियंत्रक विभाग के पास पहुंची। शिकायत थी कि डिपो धारक 50 किलो राशन की जगह केवल 25 किलो राशन ही दे रहा है।

विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। शिकायतकर्ता के बयान लेने के साथ ही डिपो की भी जांच की गई और रिपोर्ट रिपोर्ट जिला खाद्य व आपूर्ति नियंत्रक को सौंप दी। रिपोर्ट के आधार पर डिपो के लाइसेंस को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। खाद्य व आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि डिपो का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया है और वहां पर राशन की सप्लाई बंद करा दी गई है।

यह दिए आदेश

जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक फरीदाबाद द्वारा चार मार्च को एक आदेश जारी करते हुए कहा है कि पर्वतीया कालोनी में चल रहे मोहर सिंह डिपो धारक के राशन की सप्लाई पूरी तरह से बंद कर दी जाए। उन्होंने जारी किए गए पत्र में कहा है कि शिकायत के आधार पर संदीप और उदय सिंह उप निरीक्षक एनआईटी फरीदाबाद ने उक्त डिपो धारक की जांच की। जांच रिपोर्ट के आधार पर तीन मार्च को उक्त राशन डिपो का लाईसेंस तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है। संबंधित डिपो पर तय राशन से कम मात्रा में राशन देने की शिकायत थी।

संक्षिप्त समाचार

ग्रेफ में बनेगा जिमखाना क्लब, 13 करोड़ का एस्टिमेंट तैयार

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने नया जिमखाना क्लब बनाने के लिए एस्टिमेंट तैयार किया है। हुडा विभाग के द्वारा लगभग 13 करोड़ रुपये का एस्टिमेट तैयार किया है। एस्टिमेट को मंजूरी के लिए उच्च अधिकारियों के पास भेज दिया है। मंजूरी मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। फरीदाबाद जिले में फिलहाल 2 जिमखाना क्लब हैं, लेकिन नहर पार विकसित हो रहे ग्रेटर फरीदाबाद में अभी तक कोई क्लब नहीं था। सीएम मनोहर लाल ने इस क्षेत्र के लिए अलग से जिमखाना क्लब बनाने की घोषणा की थी। इसके निर्माण के लिए पिछले कुछ समय से हरियाणा शहरी विकास प्रधिकरण ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। फिलहाल इसका एस्टिमेट तैयार कर मंजूरी के लिए भेज दिया गया है। जिमखाना क्लब के लिए प्राधिकरण ने लगभग 13 करोड़ रुपये का एस्टिमेट मुख्यालय भेजा है। एस्टिमेट को मंजूरी मिलने के बाद इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिमखाना क्लब में टेनिस व बेडमिंटन कोर्ट अलग-अलग बनाए जाएंगे। इसके अलावा जिम, टेबल टेनिस व स्वूमिंग पूल की व्यवस्था भी होगी। मल्टीपरपज हॉल के साथ यहां पर रेस्टोरेंट भी बनाया जाएगा। एचएसवीपी एसई राजीव शर्मा ने बताया कि सेक्टर 78 में जिमखाना क्लब बनाने के लिए 13 करोड़ रुपये का एस्टिमेट मंजूरी के लिए भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद इसके निर्माण के लिए आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आम आदमी पार्टी ने मनाया हंसराज का जन्मदिन

फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी ने बड़खल गुड़गांव रोड स्थित जिला कार्यालय पर वार्ड नंबर 21 से भावी प्रत्याशी हंसराज दायमा का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया। मौके पर जिलाध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना ने हंसराज दायमा को आशीर्वाद प्रदान करते हुए आने वाले नगर निगम चुनावों में भारी मतों से जीत हासिल करने का आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि हंसराज दायमा पार्टी का एक मजबूत स्तंभ है पार्टी में लगातार कार्य करते रहते हैं। भड़ाना ने कहा कि हंसराज दायमा सदैव लोगों की सेवा के लिए खड़े रहते हैं। इस मौके पर हंसराज दायमा ने पार्टी द्वारा दिए गए मान सम्मान के लिए सभी का धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि पार्टी उनको जो भी आदेश देगी उसका पूरी तरह से पालन करेंगे। हंसराज दायमा ने कहा कि उनका पूरा प्रयास होगा अपने वार्ड से सीट जीतकर वह पार्टी की झोली में डालें। पार्टी के सभी पदाधिकारियों आशीर्वाद प्राप्त है। इस अवसर पर जिला महासचिव भीम यादव, साउथ जोन सचिव बृजेश नागर, मंजू गुप्ता, संदीप राव राकेश, परमजीत कौर, संजय जुनेजा, अभिषेक गोस्वामी, अजय खटाना, राजेश चेयरमैन, मेहक सिंह बैसला, महेश बैसला, हरप्रीत खालसा, दीपक बोहरा, विनोद, स्यामबीर भड़ाना, सुमन, धर्मबीर शर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, सुमित यादव, भोपाल कश्यप आदि मौजूद रहे।

14 मुकदमों में 18 आरोपियों को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए फरीदाबाद पुलिस ने विभिन्न मुकदमों में 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसमें आरोपी दशरथ उर्फ राज, रफुकूल आलम, विनोद, नीरज, राहुल, अनिल, पप्पू खान, पवन, आसिफ, विकास उर्फ काणीयां, जगबीर, ऋषि, धर्मेंद्र, दीपक, राजकुमार, शशिकांत, नरेश और भोलू का नाम शामिल है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि आरोपी दशरथ उर्फ राज को दहेज, आरोपी पवन, आसिफ, विकास उर्फ काणीयां, जगबीर, ऋषि व धर्मेंद्र को एनडीपीएस एक्ट, आरोपी दीपक तथा राजकुमार को अवैध शराब, आरोपी रफुकूल आलम, विनोद, नीरज, राहुल, अनिल और पप्पू खान को जुआ अधिनियम, आरोपी नरेश और भोलू को सार्वजनिक स्थान पर लड़ाई झगड़ा करके सामाजिक शांति भंग करने और आरोपी शशिकांत को धोखाधड़ी की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किए गए 6 आरोपियों के कब्जे से क्राइम ब्रांच ने 16.158 किलोग्राम गांजा और नशे के 20 इंजेक्शन बरामद किए हैं। अवैध शराब अधिनियम के तहत आरोपियों के कब्जे से करीब 04 पेटी शराब बरामद की गई है जिसमें दो पेटी देसी और दो पेटी अंग्रेजी की शामिल हैं। जुआ अधिनियम में आरोपियों के कब्जे से 4300 रुपये बरामद किए गए।

हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड का कैंप लगा

फरीदाबाद। डबुआ कॉलोनी स्थित सोनी पब्लिक स्कूल में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड का तीन दिवसीय कैंप शुभारंभ किया गया। कैम्प का स्कूल के चेयरमैन अमित जैन एवं राष्ट्रीय ट्रेनर संतराम ने रिबन काटकर एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। कैंप का संचालन राष्ट्रीय ट्रेनर संतराम ने किया। उन्होंने बच्चों को स्काउट्स एंड गाइड क्या है, उसके इतिहास व नियमों के बारे में बताया। उन्होंने स्काउट्स में कैसे सैल्यूट व हाथ मिलाया जाता है यह बताया। उन्होंने प्राथमिक चिकित्सा में पट्टी बांधना, स्ट्रेचर बनाना सिखाया, उन्होंने रस्सी से कई प्रकार की गाठे बांधना सिखाया। उन्होंने बच्चो से ड्रिल व मार्च पास्ट कराया, उन्होंने ध्वज बांधना भी बच्चों को सिखाया। कैंप के अंत में स्कूल के चेयरमैन अमित जैन एडवोकेट ने राष्ट्रीय ट्रेनर संतराम को बुके देकर सम्मानित किया व धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ये चीजें जो आज बच्चों ने सीखी हैं वह आपातकालीन स्थिति में काम आती है, उन्होंने आशा की आगे भी ऐसे कैंप लगते रहेंगे। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण पत्र बांटे गए।

गोली मारने की फिराक में घूम रहा आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम अमन है जो फरीदाबाद के गांव फतेहपुर चंदीला का निवासी है और हथौड़ा कांड में घायल हुए मनीष का चचेरा भाई है। दो महीने पहले बड़खल झील के पास प्रदीप, सचिन और ललित नाम के तीन युवकों ने मनीष नाम के युवक को हथौड़े और रोड से बुरी तरह घायल कर दिया था। इस मामले में पुलिस फरीदाबाद पुलिस द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया था। इन तीन में से आरोपी प्रदीप की अदालत में जमानत के लिए अर्जी लगाई गई थी। दिनांक 2 मार्च 2022 को आरोपी प्रदीप के परिजन बेल के संबंध में कोर्ट गए हुए थे। इसी दौरान हथोड़ा कांड में घायल हुए मनीष का चचेरा भाई अमन आरोपी प्रदीप के परिजनों को गोली मारने की फिराक में आया हुआ था। इस मामले में क्राइम ब्रांच सेक्टर 17 प्रभारी अशोक कुमार की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अमन को 1 देशी कट्टे और कारतूस सहित कोर्ट परिसर के पास से काबू कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा उसके घर से भी बरामद किया गया है। आरोपी के कब्जे से एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी भी बरामद की गई है। इस मामले में आरोपी अमन के साथ उसका साथी माधव भी आया था जो मौका पाकर फरार हो गया।

वाहन चोर से दो बाइक बरामद

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा द्वारा चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए इनमें संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच 85 की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी के दो मुकदमों के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम सुंदर है जो फरीदाबाद के डबुआ का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच की टीम एनआईटी एरिया में गश्त कर रही थी की गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी चोरी की मोटरसाइकिल लेकर घूम रहा है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को एनआईटी की 3 नंबर पुलिया से काबू कर लिया। पुलिस द्वारा गहनता से पूछताछ करने पर उसने बताया कि यह मोटरसाइकिल दिसंबर 2018 में आरोपी ने अपनी मोटरसाइकिल अपने दोस्त सुनील को बेच दी थी और उसे मोटरसाइकिल के कागजात तथा एक चाबी दे दी तथा दूसरी चाबी अपने पास रख ली थी। इसके पश्चात आरोपी ने 13 जनवरी 2019 को अपने दोस्त को दी हुई अपनी मोटरसाइकिल खुद ही चोरी कर ली।

गरीब परिवारों की निश्चित तौर पर बढ़ेगी आय : सेतिया

तिगांव में लगे अंत्योदय मेले का अवलोकन करते एसडीएम पंकज सेतिया।

फरीदाबाद/तिगांव। एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को आजीविका के संसाधन उपलब्ध कराने के लिए अंत्योदय मेले के सही क्रियान्वित करने से निश्चित तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की आय बढ़ेगी। सरकार का मुख्य ध्येय यही है कि गरीब लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना से गरीबों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

एसडीएम पंकज सेतिया शुक्रवार को मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत द्वितीय चरण के दूसरे मेले के शुभारंभ अवसर पर तिगांव कालेज परिसर में आयोजित अंत्योदय मेले का उद्घाटन उपरांत अवलोकन कर रहे थे। उन्होंने कहा

समाज के अंतिम व्यक्ति हो रहे हैं लाभान्वित

कि जिला में अब दूसरे चरण के मेलों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में अंत्योदय की भावना के साथ सबका साथ-सबका विकास व सबका विश्वास जीतते हुए गरीब परिवारों की आय बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प है। हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेलों के माध्यम से समाज में अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाया जा रहा है।

छह माह में तैयार होगी आईटीआई की नई इमारत

फरीदाबाद। जिले के एनएच- पांच में मौजूद राजकीय आईटीआई की पुरानी इमारत के जर्जर होने और विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नई इमारत का निर्माण कार्य किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी ने तेजी के साथ इस इमारत के कार्य को शुरू कर रखा है, अधिकारियों का दावा है, कि आगामी छह माह में नई इमारत का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। ताकि नई इमारत में कक्षाएं लगनी शुरू हो जाएं।

जानकारी के मुताबिक एनआईटी पांच में बनी राजकीय आईटीआई जिले की सबसे पुरानी आईटीआई है। इसकी बिल्डिंग का निर्माण लगभग 60 साल पहले किया गया था। अब बिल्डिंग काफी जर्जर हो गई है। कई जगहों पर छत से पानी टपकने लगा है। समय के साथ आईटीआई में नए ट्रैड भी बढ़े हैं और छात्रों की संख्या भी बढ़ी है। अब छात्रों की संख्या के हिसाब से बिल्डिंग छोटी पड़ती है। इसलिए अब यहां पर नई बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। साल 2021 के शुरुआत में नई बिल्डिंग बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसके निर्माण पर लगभग 7 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। शुरुआत में बिल्डिंग का निर्माण करने के लिए मार्च 2022 की डेडलाइन तय की गई थी।

फस्ट एड का ज्ञान सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण : रविंद्र मनचंदा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एनआईटी तीन फरीदाबाद में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर प्राथमिक चिकित्सा अर्थात फर्स्ट एड के ज्ञान की आवश्यकता के विषय में बताया। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की थीम प्रकाशित की जाती है।

भारत में नेशनल सेफ्टी डे एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2022 की थीम है - सुरक्षा संस्कृति के विकास हेतु युवाओं को प्रोत्साहित करें। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के संदर्भ में प्रत्येक प्रकार की दुर्घटनाओं सड़क और औद्योगिक सहित सभी दुर्घटनाओं चाहे वह कहीं भी घटित हुई हो से बचाव के उपायों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।प्राथमिक चिकित्सा और गृह परिचर्या के नेशनल सर्व मास्टर ट्रेनर रविंद्र कुमार मनचंदा ने जेआरसी छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा के बारे में अवगत करवाते हुए कहा कि घर या बाहर दुर्घटना के पश्चात घायल एवं पीड़ित को तुरंत प्राथमिक सहायता देने से उसकी जीवन रक्षा करना सब से महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसा घायल व्यक्ति जिस का चोट के कारण रक्त बह रहा हो अथवा अचेतन अवस्था में हो, सब से प्रथम प्राथमिक सहायता देने की आवश्यकता होती है। अचेतन अवस्था में प्राथमिक चिकित्सक को डीआरएबीसी चेक कर के प्राथमिक चिकित्सा के मूलभूत सिद्धांतों के तदानुसार सहायता दी जाती है। रक्त बहने की स्थिति में प्रेशर अर्थात दबाव द्वारा रक्त बहने को बंद किया जाता है। जिस स्थान से रक्त बह रहा है वह से पट्टी द्वारा और यदि पट्टी, रूमाल, साफ कपड़ा आदि उपलब्ध नहीं है तो उंगली द्वारा भी दबाव दे कर रक्त बहना बंद किया जाता है। छात्राओं को न्यूनतम समय में और गोल्डन आवर में घायल व्यक्ति को प्राथमिक सहायता उपलब्ध करवाने, घायल को सांत्वना देने, घायल के घर वालों को सूचित करने और उसे सुरक्षित करने आदि के बारे में बताया गया। प्राचार्य मनचंदा ने सुंदर संयोजन के लिए अध्यापिका अंशुल और जसनीत कौर का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर एनएचतीन के सरकारी स्कूल में छात्राओं को जानकारी देते प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा।

एकमुश्त निपटान योजना पर उठाया सवाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा ने खनन विभाग की एकमुश्त निपटान योजना पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि बकाया लीजधारकों ने इसके लिए सरकार से मांग भी नहीं की थी मगर सरकार ने 823.96 करोड़ का निपटारा 150.45 करोड़ रुपये में ही कर दिया। उन्होंने कहा कि दुख का विषय तो यह है कि एकमुश्त निपटान योजना के बावजूद खनिकों से सरकार सिर्फ 39.25 करोड़ रुपये ही वसूल पाई है। अब तो सरकार का खनिकों पर तकादा ही खत्म हो गया।

बता दें, खनन विभाग ने एकमुश्त निपटान योजना के तहत 168 बकायादार खनन लीज धारकों को बड़ी राहत दी है। इस योजना के तहत लीजधारकों पर बकाया 823.96

विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि सरकार को नुकसान भी हुआ और रिकवरी भी पूरी नहीं हुई

करोड़ रुपये का निपटान 150.45 करोड़ रुपये में तय किया है। खनन विभाग ने अब तक 161 खनिकों से 39.25 की वसूली कर 391.19 करोड़ की बकाया राशि का निपटान किया है। कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा द्वारा पूछे गए सवाल पर खनन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बताया कि एकमुश्त निपटान योजना का लाभ बकायादार 15 मार्च तक ले सकते हैं।

खनन मंत्री मूलचंद शर्मा का कहना है कि बकायादारों और सरकार के बीच मुकदमेबाजी खत्म

नीरज शर्मा।

करने के उद्देश्य से एकमुश्त निपटान योजना बनाई गई। विवाद से समाधान की ओर जाने के लिए सरकार ने सिर्फ खनन विभाग में ही नहीं बल्कि अन्य कई विभागों के लिए विवाद से समाधान नीति बनाई है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक कई मामले सरकार और बकायादारों के विवाद के चलते लंबित थे। अब सरकार इन विवादों के चलते विवादित क्षेत्रों में भी विकास की योजनाएं बना सकती है।

नीरज शर्मा ने सरकार से पूछा कि फरीदाबाद के खोरी गांव में उजाड़े गए मकानों की संख्या कितनी है और पुनर्वासित परिवारों की कुल संख्या कितनी है घरों के निर्माण के समय पर नियुक्त किए गए पुलिस, बिजली विभाग, नगर पालिका व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के विरुद्ध सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई। जिसपर सरकार ने जवाब दिया कि झुग्गी बस्ती में 5158 घरों, झुग्गियों सहित 6663 अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया था। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली मुंबई वडोदरा एक्सप्रेसवे पर जो अवैध निर्माण है उनको हटाने की वर्तमान स्थिति क्या है अवैध निर्माण को कब तक हटाए जाने की संभावना है।

बैठक के बाद किसान संघर्ष समिति का धरना स्थगित

सेक्टर 12 स्थित हुड्डा कार्यालय में प्रशासक जितेंद्र दहिया को ज्ञापन देकर बातचीत करते किसान संघर्ष समिति नहर पार के किसान।

फरीदाबाद। किसान संघर्ष समिति नहरपार फरीदाबाद द्वारा सुप्रीम कोर्ट द्वारा बढ़ाए गए मुआवजे व प्रतिवर्ष मिलने वाली रॉयल्टी को लेकर 2 मार्च को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण फरीदाबाद के प्रशासक जितेंद्र दहिया को ज्ञापन दिया था।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई थी कि 14 मार्च तक मिल बैठकर मांगों का समाधान किया जाए अन्यथा 15 मार्च को किसानों द्वारा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यालय पर धरना व प्रदर्शन किया जाएगा। मीटिंग में प्रशासक जितेंद्र दहिया, भूमि अर्जन अधिकारी बस्तीराम और संबंधित पटवारी तथा किसान संघर्ष समिति की तरफ से प्रधान जगबीर सिंह नागर, महासचिव सत्यपाल नरवत, वरिष्ठ उपप्रधान राजकुमार आर्य, उपप्रधान बाबूराम व भूप सिंह संयोजक लीलू चंदीला, धीरज, करतार, हरपाल शामिल थे।

भारतीय समाज

महिलाओं की स्थिति

प्यू का एक सर्वेक्षण घर और समाज में महिलाओं के बारे में पुरुषों की सोच स्पष्ट करता है। दस में से नौ भारतीय इस अवधारणा से सहमत हैं कि पत्नी को हमेशा अपने पति की बात माननी चाहिए। यह बात किसी पुरानी शताब्दी की खोने के बाद मिली किताब में दर्ज नहीं है, बल्कि प्यू शोध केन्द्र द्वारा नवंबर, 2019 व मार्च, 2020 के बीच कराए शोध का परिणाम है। उस समय चीन के वूहान में कोरोनावायरस का पता चला था और वह दुनिया भर में फैल रहा था। यदि भारतीय समाज की यही वर्तमान सोच है तो महिला सशक्तीकरण से हमारा क्या अर्थ है? सर्वेक्षण के परिणामों से स्पष्ट है कि महिलाओं द्वारा अपने सामने मौजूद बाधायें तोड़ने तथा महिलाओं को ऐसी बाधायें तोड़ने की 'अनुमति' देने में अंतर है। विभिन्न श्रेणियों व वर्गों के लगभग 30,000 भारतीयों ने सर्वेक्षण में भाग लिया। इसे एक अरब से अधिक जनसंख्या वाले देश में किसी प्रकार प्रतिनिधिक नहीं कहा जा सकता है, लेकिन इससे हमें पता चलता है कि हवा किस दिशा में बह रही है। ऐसे में हमें शुरुआत से विचार करना होगा। 94 प्रतिशत लोगों का कहना है कि परिवार में कम से कम एक बेटा होना बहुत जरूरी है। प्रतिभागियों में 40 प्रतिशत का कहना है कि लैंगिक-आधार पर गर्भसमापन 'कम से कम कुछ परिस्थितियों में स्वीकार्य' है। हालांकि, इस व्यवहार को 'पूर्णतः अस्वीकार्य' मानने वालों की संख्या थोड़ी अधिक 42 प्रतिशत है। रोजगारों का मामला सामने आने पर पक्षपात पूर्णतः स्पष्ट हो जाता है।

43 प्रतिशत का विश्वास है कि पुरुषों के लिए रोजगार से कमाना जरूरी है। इससे दो गुने प्रतिशत की संख्या में लोग कहते हैं कि पुरुषों के लिए रोजगार बहुत कम हैं। 70 प्रतिशत से थोड़े अधिक लोगों का मानना है कि जेंडर समानता महत्वपूर्ण है। इसकी तुलना में उत्तरी अमेरिका व पश्चिमी यूरोप में 90 प्रतिशत, पाकिस्तान में 64 प्रतिशत तथा अफ्रीका में 40 प्रतिशत जेंडर समानता के पक्ष में पाए गए।

सर्वेक्षण से स्पष्ट होता है कि एक देश के रूप में हम महिलाओं और जेंडर समानता के बारे में कैसे विचार रखते हैं। हालांकि, महिलायें अपने पैरों पर खड़े होने में सक्षम हैं, पर इसके बावजूद उनको स्वीकार्यता के लिए न्यायपालिका जैसे विभिन्न संस्थानों के सहारे की जरूरत होती है। सेना जैसे संगठनों का दृष्टिकोण बदलने के लिए भी अदालतों के हस्तक्षेप की जरूरत होती है। दिल्ली उच्च न्यायालय तथा केन्द्र सरकार के बीच वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने के बारे में लंबी बहस चली और पूरी फरवरी भर इसे सुर्खियों में जगह मिली। सरकार का तर्क था कि इससे विवाह संस्था का महत्व घटेगा, पर वास्तव में इसका संबंध जेंडर-संबंधी छवि से है। उदाहरण के लिए, वैश्विक महामारी के समय पुरुषों की तुलना में ज्यादा महिलाओं को अपने रोजगार से हाथ धोने पड़े। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के रोजगार नष्ट हुए क्योंकि शहरों से लौटे पुरुषों को मनरेगा में रोजगार की जरूरत थी। घर पर महिलाओं को बिना पारिश्रमिक के ज्यादा काम करना पड़ता है। कम आय वाले परिवारों में महिलाओं को न केवल रोजगार छोड़ना पड़ता है, बल्कि उनको परिवार को भोजन देने के लिए कम खाना पड़ता है। स्कूलों में लड़कों की तुलना में ज्यादा लड़कियों को बीच में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ी जिसके कारण निकट भविष्य में बाल विवाह बढ़ सकते हैं। वैश्विक महामारी के बाद भी पिछले दो साल में घरेलू जिम्मेदारियां बढ़ने के कारण विवाहित महिलाओं के काम पर लौटने में कमी हो सकती है। प्यू सर्वेक्षण का एक सकारात्मक पक्ष यह है कि स्नातक भारतीयों में महिलाओं के प्रति परंपरागत दृष्टिकोण अपनाने में कमी हो सकती है। हमें इस पर आगे कदम बढ़ाने चाहिए।

भारत का राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृष्य

भारत में समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धान्त परिभाषित किया जाना चाहिए ताकि सरकार बदलने की स्थिति में भी कोई भ्रम न पैदा हो।

प्रकाश सिंह

जयदीप सैकिया

कष्टों से भरा 2021 बीतने के बाद भी नए साल के बारे में ज्यादा उम्मीदें नहीं पैदा हो रही हैं। ऐसे में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को संचालित करने वाली नीतियों पर नए दृष्टिकोण से विचार करना जरूरी हो गया है। हालांकि, भारत की तट रेखा सुरक्षित है, अतः उम्मीद करनी चाहिए कि 26-11 जैसी कोई घटना नहीं होगी। लेकिन भारत के पूरबी व पश्चिमी किनारों पर बसे सीमान्त राज्यों, खासकर जम्मू कश्मीर व पंजाब में अव्यवस्था के कुछ चिन्ताजनक संकेत फिर उभर रहे हैं। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा चिन्ता का एक कारण है। तथ्य यह है कि देश के सुरक्षा ढांचे के रणनीतिक पुनः उन्मुखीकरण की आवश्यकता है। जम्मू कश्मीर में पुलिस 2021 में आतंकवाद-विरोधी कार्रवाइयों में काफी सफल रही। कुल 182 आतंकी मारे गए जिनमें से उनके 44 कमांडर शामिल थे। इसके साथ ही 20 विदेशी आतंकी भी मारे गए।

लेकिन अभी लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। सेना प्रमख ने कहा है कि अफगानिस्तान में स्थिति सुधरने के बाद अफगान मूल के विदेशी आतंकियों द्वारा जम्मू कश्मीर में घुसपैठ के प्रयासों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही राज्य का दर्जा समाप्त होने के कारण जनता को कुछ वास्तविक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जम्मू कश्मीर में निर्वाचन क्षेत्रों के प्रस्तावित परिसीमन ने राजनीतिक तूफान पैदा कर दिया है। मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों का प्रतिनिधित्व करने वाले पीपुल्स एलायंस फार गुपकार डिक्लेरेशन ने स्पष्ट रूप से यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया है।

पंजाब में उग्रवाद को पुनर्जीवित करने के सुनियोजित प्रयास हो रहे हैं। राज्य में राजनीतिक अस्थिरता से खालिस्तान-समर्थक तत्वों को बहुत अच्छा अवसर मिल सकता है। पंजाब में दौरे के समय प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कमियों से वह भयानक परिदृश्य सामने आया है कि सीमावर्ती राज्यों में देश को गंदी राजनीति के कारण कितनी भयंकर स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। पूर्वोत्तर राज्यों की स्थिति भी ज्यादा आशा नहीं पैदा करती है। चिन शरणार्थी संकट ने जिस प्रकार एज़वाल व नई दिल्ली के बीच खाई पैदा कर दी है, उससे स्पष्ट होता है कि एक छद्म-संघीय व्यवस्था में केन्द्र-राज्य संबंधों पर सवाल उठ रहे हैं। त्रिपुरा की स्थिति चिन्ताजनक है। यह बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमलों की प्रतिक्रिया में धार्मिक संगठनों द्वारा निकाली रैलियों के कारण पुलिस से झगड़े हुए तथा अल्पसंख्यक समुदाय के घरों, दूकानों व पूजास्थलों में गुंडागर्दी दिखी। हालांकि, नई दिल्ली ने कठोरता से स्पष्ट कर दिया है कि पूर्वोत्तर में राज्यों को अलग-थलग नहीं किया जाएगा, पर इसके बावजूद नगालैंड में स्थिति ठीक नहीं है।

4 दिसंबर, 2021 को मोन घटना के बाद विभिन्न समूह सेना की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं तथा भारत सरकार की आलोचना कर रहे हैं। नई दिल्ली को स्पष्ट करना चाहिए कि ग्रेटर नगालैंड की मांग पर विचार नहीं किया जाएगा। उसे ऐसे तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए जो हिंसा समाप्त करने के समझौतों का उल्लंघन कर रहे हैं। मणिपुर में सेना की लंबे समय से तैनाती के कारण राज्य में सेना की सक्रियता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोपों के कारण सुरक्षा बलों और जनसंख्या के बीच अलगाव की भावना पैदा हो रही है, जबकि शत्रु शक्तियों का पीछा कर उनको नष्ट करने में जनता का समर्थन बहुत जरूरी है। ऐसे में जीवन रेड्डी कमीशन रिपोर्ट की संस्तुतियों के आधार पर सबसे अच्छा रास्ता सेना को उन क्षेत्रों की आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी से हटाना है जहां स्थायित्व आ रहा है। असम के कुछ क्षेत्रों में यह स्थिति बन रही है। वास्तव में सेना यही चाहती है क्योंकि वह दो मोर्चों पर लड़ाई की तैयारी कर रही है। इस दिशा में कार्य करने में अफस्पा एक बाधा के रूप में सामने आ रहा है जो बहुत तीखी बहस का विषय बना हुआ है। यदि आंतरिक सुरक्षा प्रबंधन में सेना का प्रयोग न हो तो इस कानून की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। आंतरिक सुरक्षा में अनावश्यक प्रयोग से यह आदर्श बल अरक्षणीय तथा संकटों का शिकार बन जाता है। लेकिन इसके साथ ही क्षेत्र में सुरक्षा परिवेश के लिए संवेदनहीन तबकों से दबाव पड़ने की स्थिति में अत्यधिक सावधानी बरतने की जरूरत है।

2022 में राष्ट्रीय सुरक्षा को नियंत्रित करने में एक महत्वपूर्ण तत्व पर ध्यान दिया जाना चाहिए। यह क्षेत्र जनसंख्या की घुसपैठ का सामना कर रहा है। 23 दिसंबर, 2021 को द असम ट्रिब्यून ने एक पूरे पेज की खबर छाप कर बताया कि 31 अक्टूबर, 2021 तक असम में 1,42,206 अवैध विदेशियों का पता लगा था। इतना बड़ा विस्फोट आक्रामक स्थिति पैदा करता है जो अवैध विस्थापन के गैर-परंपरागत स्रोतों से संबंधित हो सकती है। लेकिन यह भी अवश्य कहा जाना चहिए कि इसकी नस्ली पहचान से सांप्रदायिक तनाव बढ़ेंगे जो देश के लिए हानिकारक हैं। खासकर अल्पसंख्यक समुदाय को भारत के राष्ट्रनिर्माण में पूरी तरह शामिल किया जाना चाहिए। वास्तव में 'हिजाब' विवाद जैसे मुद्दों को अजान फ़कीरव श्रीमंत शंकरदेव जैसे लोगों की भूमि में अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इस प्रकार पूर्वी व पश्चिमी, दोनों सीमायें अशांत स्थिति में हैं। अनेक राजनीतिक अनिश्चितताओं का लाभ उठा कर अलगाववाद अपना सिर उभार रहा है। सीमाओं पर अलगाववादी तत्व अपने पैर स्थाई रूप से जमाना चाहते हैं। सीमाओं पर व्याप्त जनसंख्या संरचना ने इन क्षेत्रों को अशांति के लिए संकटग्रस्त बना दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए असंख्य विभाजक रेखाओं को तत्काल संबोधित करना चाहिए। कुछ महत्वपूर्ण कदमों पर प्राथमिकता से विचार होना चाहिए।

भारत के लिए एक समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धान्त परिभाषित किया जाना चाहिए ताकि सरकार बदलने पर भी कोई भ्रम की स्थिति न रहे। एक प्रतिबद्ध पूर्वोत्तर सुरक्षा परिषद बननी चाहिए। आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी में सेना की तैनाती सीमित अवधि के लिए होनी चाहिए। पुलिस बलों को आंतरिक सुरक्षा प्रबंधन क्षमतायें बढ़ाने के लिए सुधारा जाना चाहिए। अर्धसैनिक बलों का खुला विस्तार बंद कर ऐसे बलों का ढांचा छोटा किया जाना चाहिए जिनका ज्यादा विस्तार हो गया है। सीमा की सुरक्षा करने वाले बलों का ढांचा व हथियार उच्चीकृत होने चाहिए। सीमावर्ती क्षेत्रों की जनता की वास्तविक शिकायतों और महत्वाकांक्षाओं पर विचार होना चाहिए। अवैध आप्रवास पर लगाम लगा कर जनसंख्या संरचना में संतुलन बनाए रखना चाहिए। भारत में एक अलग समय क्षेत्र पर गंभीरतापूर्वक विचार होना चाहिए। आखिरकार अरुणांचल प्रदेश तथा गुजरात के समय में दो घंटे का अंतर है।

पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक समन्वित अखिल भारतीय सेवा पर विचार किया जाना चाहिए। देश के वरिष्ठ नीति निर्माण पदों पर विशेषज्ञों को शामिल करने के लिए पार्श्व प्रवेश पर जोर दिया जाना चाहिए। देश को सर्वोच्च स्तरों पर राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रबंधन में अखिल भारतीय सेवाओं पर अति-निर्भरता का नुकसान उठाना पड़ा है। भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए ताकि विकास के लिए निर्धारित धन का सदुपयोग सुनिश्चित हो। जहां महत्वपूर्ण शांति वार्ताओं को पुनर्जीवित किया गया हो, वहां राजनीतिक प्रक्रियाओं को महत्व दिया जाना चाहिए। विद्रोही समूहों से वार्ता में राष्ट्रीय एकता और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

यूक्रेन मामले में विफल संयुक्त राष्ट्र संघ

वी के बहुगुणा
(लेखक संसाधन प्रबंध एवं पर्यावरण केंद्र के अध्यक्ष हैं)

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव की अस्वीकृति ने विश्व-दर्शकों को सभ्य दुनिया में व्यवस्था बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका और आज इसकी प्रासंगिकता का आकलन करने का अवसर दिया है।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर "संयुक्त राष्ट्र और उसके सदस्य राज्यों को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने, अंतरराष्ट्रीय कानून को बनाए रखने, जीवन स्तर के उच्च मानकों को प्राप्त करने" के लिए अपने नागरिकों के लिए, आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य और संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिए बाध्य करता है, और "सार्वभौमिक सम्मान" को बढ़ावा देता है। नस्ल, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के बिना सभी के लिए मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता का पालन। हालाँकि, दुनिया शांति बनाने वाले दार्शनिकों और परोपकारी लोगों द्वारा नहीं बल्कि राजनीतिक और सैन्य नेताओं द्वारा चलाई जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने संयुक्त राज्य अमेरिका शब्द गढ़ा और तब से अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी संयुक्त राष्ट्र के कामकाज के लिए वस्तुतः शर्तों को निर्धारित कर रहे हैं और दुनिया के स्वयंभू पुलिसकर्मियों के रूप में व्यवहार कर रहे हैं। इसका परिणाम अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो और सोवियत संघ के बीच तीव्र शीत युद्ध और इसके परिणामस्वरूप मिसाइल और हथियारों और परमाणु हथियारों की तैनाती के लिए प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच चूहे की दौड़ थी। शीत युद्ध सोवियत संघ के विघटन के साथ समाप्त हुआ।

यदि हम यूक्रेन के वर्तमान रूसी आक्रमण का विश्लेषण करें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि कैसे अच्छे संसाधनों वाले इस छोटे से देश को अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगियों द्वारा मोहरे के रूप में इस्तेमाल किया गया था। जब से यूक्रेन स्वतंत्र हुआ और अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के प्रति झुकाव दिखाया, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, एक पूर्व केजीबी अधिकारी, ने रूसियों के लिए सोवियत युग के पिछले गौरव को वापस लाने की कसम खाई। सत्ता में आने के बाद, चेचन्या पर कब्जा करने में उनकी भूमिका के बाद उनकी लोकप्रियता दो प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत हो गई - जिसे अब रूस के एक घटक गणराज्य चेचन के रूप में जाना जाता है। 2014 में रूस ने क्रीमियन प्रायद्वीप पर आक्रमण किया और इसे कब्जा कर लिया और 18 मार्च 2014 को यह रूस का एक घटक गणराज्य बन गया जब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परिग्रहण पर हस्ताक्षर किए। जवाबी कार्रवाई में अमेरिका और उनके यूरोपीय सहयोगियों ने यूक्रेन के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए और उसे नाटो में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। अमेरिका ने रूस को घेरने और परमाणु और हथियार शस्त्रागार को रूसी दरवाजे पर लाने की कोशिश की। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने पश्चिम और यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं होने की चेतावनी दी और इसे फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा रूस और यूक्रेन के बीच 2015 की मिन्स्क संधि के उल्लंघन के रूप में उद्धृत किया। आइए अब परिदृश्य की जांच करें। अमेरिका और उसके सहयोगियों का दुनिया भर में बमबारी का इतिहास रहा है, जैसा कि उन्होंने इराक, वियतनाम और अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरे का हवाला देते हुए किया था, लेकिन प्रभावित देशों और लोगों को विश्वास में लिए बिना वापस ले लिया। अमेरिका ने अब तक 30 से अधिक देशों पर बमबारी की है और लाखों लोगों के रक्तपात और जीवन को तबाह करने के लिए जिम्मेदार है। जिस तरह से वे पीछे हटे और अफगानिस्तान में अपने हथियार छोड़े, वह संयुक्त राष्ट्र चार्टर का मजाक बनाता है। अमेरिका अब तक 80 बार से अधिक वीटो पावर का प्रयोग कर चुका है। 26 फरवरी, 2022 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिकी समर्थित प्रस्ताव पर भारत सरकार की प्रतिक्रिया को भारतीय लोगों के बीच व्यापक स्वीकृति मिली क्योंकि रूस एक समय-परीक्षणित मित्र रहा है और संयुक्त राष्ट्र में भारत के पक्ष में चार बार वीटो शक्ति का प्रयोग किया है।

महत्वपूर्ण समय और विशेष रूप से 1948 और 1971 में। संरा चार्टर का उल्लंघन करके पुतिन पश्चिम की नजर में तानाशाह हो सकते हैं और अगर अमेरिका और नाटो यूक्रेन के बचाव में आते हैं तो वह परमाणु ऊर्जा के इस्तेमाल की धमकी देते रहे हैं। लेकिन इस युद्ध में, वह अमेरिकियों को उसी शैली में वापस भुगतान कर रहा है जिस तरह से वे संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का समर्थन करने वाले अन्य देशों पर बमबारी कर रहे हैं। यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली की कुल विफलता है जिसे अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों द्वारा फिरौती के लिए रखा गया है। हम देखते हैं कि पश्चिम में दो मूल्य प्रणालियां हैं, एक उनके लिए और दूसरी अन्य देशों के लिए। अमेरिका और यूरोप में एक पूरा पारिस्थितिकी तंत्र है जो भारत में सोवियत संघ की तरह इसे कम करने के उद्देश्य से राष्ट्र विरोधी तत्वों को बढ़ावा दे रहा है। पिछले साल किसानों के आंदोलन के मामले को ही लें, तो न्यूयॉर्क का समय भारत विरोधी ताकतों के साथ मिलकर अपमानजनक अपमानजनक लेखन से भरा था।

इसी तरह, कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो इस आंदोलन से निपटने के लिए भारत के मुखर आलोचक थे और अब पूरी दुनिया देख रही है कि कनाडा किसानों के आंदोलन से कितनी सख्ती से निपट रहा है और न्यूयॉर्क टाइम्स चुप है। यही वजह है कि चीन अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और धमकाने के रूप में उभर रहा है।

आप की बात

आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में प्रौद्योगिकी सक्षम विकास पर एक वेबिनार को सम्बोधित करते हुये प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात कही। देश में बुनियादी ढांचे की उन्नति प्रौद्योगिकी से सम्बंधित है। प्रौद्योगिकी द्वारा ही क्षेत्र सेवाओ के अंतिम छोर तक पहुचाने में मुख्य भूमिका और रोजगार की असीम संभावनाएं है। डिजिटल अर्थव्यवस्था उन्नत प्रौद्योगिकी पर आधारित है।जो नागरिकों के जीवन को सशक्त बना रहा है। 5जी तकनीक से दूर संचार का विकास और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रौद्योगिकी का उपयोग कर चिकित्सा उपकरणों के निर्माण पर प्रधानमंत्री ने ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया, जिससे देश मे इनकी मांग की पूर्ति हो सके। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को भी डिजीटल प्लेटफार्म से जोड़ा जा रहा है। सरकार प्रौद्योगिकी द्वारा देश के हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता लाना चाहती है। मोदी कहा कि सरकार ने वर्ष 2022-23 के बजट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर्स, स्पेस टेक, क्लीन टेक जैसे उभरते क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है। युवाओं को रोजगार के अवसर देने के लिये एनिमेशन, गेमिंग आदि क्षेत्रों में रोजगार की अपार सम्भावनाएं हैं।

- **कुलदीप मोहन त्रिवेदी,** जरगांव

भारत की दुविधा

भारत ने यूक्रेन मामले में तटस्थ रुख अपनाया है। युद्ध जल्द खत्म करने की अपील की है। वह शांतिपूर्ण तरीके से इस मसले का समाधान निकालने का हिमायती है। आज भी भारत गुटनिरपेक्षता की परंपरागत विदेश नीति पर चल रहा है, जो मूल्यों पर आधारित रही है। इसी नीति की वजह से दुनिया में भारत ने स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद ही अपनी पहचान बना ली थी।रूस ने यूक्रेन के साथ जो किया है, वह संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों के विपरीत है, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देश जो कर रहे थे, वह इन नीतियों के कितनी करीब है, उस पर भी बहस होनी चाहिए, जो शायद ही कभी हो सकेगी। दिक्कत यह भी है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय संघर्ष तभी होते हैं, जब हर पक्ष खुद को सही और विपक्ष को गलत मान बैठता है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्लादिमीर पुतिन से बात करके इस मामले में जरूरी कदम उठाने को लेकर अपना सरोकार सामने रखा। इस बातचीत को लेकर पुतिन ने जहां भारत को यूक्रेन के संबंध में ताजा घटनाक्रम से अवगत कराया, वहीं भारत की ओर से एक बार फिर रूस और नाटो समूह के बीच मतभेदों को ईमानदार वार्ता के जरिए सुलझाए जाने पर जोर दिया। इस युद्ध में भारत को दुविधा में डाल दिया है।

- **सुभाष बुड़ावनवाला,** रतलाम

बेतुकी राजनीति

जब देश किसी राष्ट्रीय या अंतराष्ट्रीय समस्या मे घिरा नज़र आता हैं, जब देश को विपक्ष की ज़रुरत होती हैं तब विपक्ष अपनी बेतुकी राजनीती से बाज़ ही नहीं आता हैं। यूक्रेन- रूस समस्या पर अपने देश के बुद्धिजीवी, वामपंथी, विपक्ष सब अजीब वर्ताव कर रहे हैं। वे मोदी की घृणा में देश को संकट में डालने से भी परहेज नहीं कर रहे। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष कई बार राजनीति व बयानबाजी करने से पीछे नहीं हटा हैं। सरकार को घेरने वाली कांग्रेस और सपा को समझना चाहिए कि ऐसे समय में पार्टी हित नहीं, देशहित ऊपर होता है। जहां विश्व के कई बड़े देशों ने उनके नागरिकों को अपने हाल पर छोड़ दिया है वही भारत अपने नागरिकों को वापस ला रहा हैं। जिस समय अमेरिका, चिन जैसी महाशक्तियों ने हाथ खड़े कर दिए, उस समय भारत युध्स्तर भी अपने नागरिकों को वापस लाने के किये प्रयास कर रहा है, और कई हद तक वह सफल भी हुआ है। ऐसी असमान परिस्थिति में विपक्ष को सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए, न कि उनके विरोध में।

- **विभुक्ति बुपक्या,** आष्टा, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

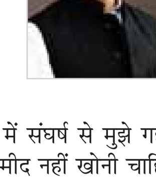

इस तरह की हिंसा झेल रहे भारतीय छात्रों और उनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है।

- **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

यूक्रेन में संघर्ष से मुझे गहरा दुख हुआ है। लेकिन हमें उम्मीद नहीं खोनी चाहिए।

- **दलाई लामा**
तिब्बती धर्मगुरु

मतदाता मुझे प्रतिद्वंद्वी दलों द्वारा दिए गए 'बाहरी' टैग को खारिज कर देंगे।

- **स्वामी प्रसाद मौर्य**
सपा प्रत्याशी

पायनियर
उत्तर प्रदेश चुनाव

आखिरी रण में पूर्वांचल के बाहुबलियों की जंग

विवेक श्रीवास्तव । लखनऊ

● जेल में बंद मुख्तार अंसारी का बेटा, बृजेश सिंह का भतीजा भी मैदान में

प्रदेश में सरकार किसी की भी रहे लेकिन कुछ ऐसे बाहुबली हैं जिनका रसूख हमेशा बरकरार रहता है। विशेषकर पूर्वांचल में इन बाहुबलियों की लम्बी फेहरिस्त है। विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान में जहां विभिन्न राजनीतिक दलों से दिग्गज नेता अपनी किस्मत आजमा रहे हैं वहीं आधा दर्जन सीटें ऐसी भी हैं जिन पर इन बाहुबलियों की भी अग्निपरीक्षा होगी। पूर्वांचल के बाहुबलियों में प्रमुख नाम मुख्तार अंसारी और उसके धुरविरोधी बृजेश सिंह का है। फिलवक्त तो दोनों जेल में हैं और मौजूदा विधानसभा चुनाव भी नहीं लड़ रहे हैं। बावजूद इसके दोनों की प्रतिष्ठा सीधे तौर पर दांव पर लगी हुई है क्योंकि एक का बेटा तो दूसरे का भतीजा चुनाव मैदान में ताल ठोंक रहा है। सातवें और अंतिम चरण के चुनाव में इनकी किस्मत का भी फैसला होना है।

बनारस सहित समूचे पूर्वांचल में अपना वर्चस्व कायम करने वाले बाहुबली भाजपा एमएलसी बृजेश सिंह तो इस समय वाराणसी की सेंट्रल जेल में निरुद्ध हैं लेकिन उनका भतीजा बृजेश सिंह भाजपा के टिकट पर चंदौली की सैयदराजा सीट से चुनाव लड़ रहा है। सुशील वर्तमान में इसी सीट से भाजपा के विधायक हैं और पार्टी ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है। पहली बार वह चंदौली के धानपुर से विधायक बने थे। वह चौथी बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। सुशील का भी पूर्व में लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। इस सीट पर उनका मुख्य मुकाबला सपा प्रत्याशी और पूर्व विधायक मनोज कुमार सिंह से है। बसपा की ओर से इस सीट पर अमित कुमार यादव प्रत्याशी हैं।

इसी प्रकार अगर बात की जाए मुख्तार अंसारी की तो वह भी बांदा जेल में निरुद्ध हैं। मुख्तार मऊ सदर सीट पर 1996 से लगातार विधायक हैं। इस बार उन्होंने खुद चुनाव लड़ने के बजाए अपने बेटे अब्बास अंसारी को इस सीट पर उतारा है। अब्बास सपा गठबंधन वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के टिकट पर उम्मीदवार हैं। इस सीट पर भाजपा ने मुख्तार अंसारी से अदावत रखने वाले अशोक कुमार सिंह को उतारा है जबकि बसपा ने अपने प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर पर दांव लगाया है। चुनावी मुकाबला भी इन्हीं तीनों प्रत्याशियों के बीच ही नजर आ रहा हैं। मुख्तार के बड़े भाई सिबगतुल्लाह अंसारी का बेटा शुहैब अंसारी भी मोहम्मदाबाद सीट से सपा के टिकट पर चुनाव मैदान में है। सुहैब का मुख्य मुकाबला भाजपा के दिवंगज दिग्गज नेता कृष्णानंद राय की पत्नी अल्का राय से है। जिन्होंने पिछले चुनाव में मुख्तार के दूसरे बड़े भाई अफजाल अंसारी को पराजित किया था जो छह बार यहां से विधायक रहे। बसपा ने इस सीट पर माधवेंद्र राय को उतारा है।

सुशील सिंह

अब्बास अंसारी

रमाकांत यादव

विजय मिश्रा

धनंजय सिंह

आजमगढ़ के पूर्व सांसद रमाकांत यादव भी आजमगढ़ की फूलपुर पवई सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इसी सीट से उनके बेटे अरुणकांत यादव भाजपा के मौजूदा विधायक हैं। लेकिन पिता के चुनाव मैदान में उतर जाने की वजह से अरुणकांत इस बार चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया। रमाकांत चार बार के सांसद है। उनका मुख्य मुकाबला भाजपा के रामसूरत राजभर से है। बसपा ने इस सीट से शकील अहमद को उतारा है।

भदोही के बाहुबली और ज्ञानपुर से विधायक विजय मिश्रा भी इस वक्त जेल में हैं। वह जेल में ही रहकर इस बार प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ रहे हैं। रिश्तेदारों की सम्पत्ति कब्जा करने सहित अन्य मामलों में वह आगरा जेल में बंद हैं। विजय मिश्रा निषाद पार्टी से टिकट के इच्छुक थे लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिल पाया। वह ज्ञानपुर सीट से लगातार चौथी बार विधायक हैं। तीन बार समाजवादी पार्टी से विधायक बने और पिछला चुनाव उन्होंने निषाद पार्टी के टिकट पर जीता था। जेल में होने के कारण उनके चुनाव की कमान उनकी बेटी और पत्नी ने संभाल रखी है। इस सीट पर उनका मुख्य मुकाबला सपा के रामकिशोर बिंद, भाजपा गठबंधन के तहत निषाद पार्टी के विपुल दुबे और बसपा के उपेन्द्र सिंह से हैं।

पूर्वांचल के एक और बाहुबली व पूर्व सांसद धनंजय सिंह भी इस बार जौनपुर की मल्हनी सीट पर ताल ठोंक रहे हैं। धनंजय सिंह पूर्व में रारी विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं। इनके खिलाफ भी आपराधिक मुकदमों की लंबी फेहरिस्त रही है। धनंजय इस बार जनता दल यूनाइटेड के टिकट पर उम्मीदवार हैं। उनकी पत्नी श्रीकला रेड्डी जौनपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। धनंजय ने वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव भी निषाद पार्टी से लड़ा था लेकिन सपा के दिग्गज नेता पारसनाथ यादव से पराजित हुए थे। पारसनाथ यादव के निधन के बाद 2020 में इस सीट पर हुए उपुचनाव में भी धनंजय सिंह ने निर्दलीय किस्मत आजमायी थी लेकिन पारसनाथ यादव के बेटे और सपा प्रत्याशी लकी यादव से पराजित हुए। इस बार फिर लकी यादव सपा के टिकट पर मैदान में हैं। भाजपा ने इस सीट पर अपने पूर्व सांसद केपी सिंह पर दांव लगाया है। बसपा ने यहां से शैलेंद्र यादव को उतारा है।

काशी में सहयोगियों का सहारा

भाषा । वाराणसी

भाजपा गठबंधन और समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के सहयोगी दलों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी निर्वाचन क्षेत्र में विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए अपने मूल मतदाताओं को जुटाने का काम आसान नहीं है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और निषाद दलों के नेतृत्व में अपना दल (सोनेलाल) की ताकत की भी परीक्षा वाराणसी में होगी। वाराणसी में अंतिम चरण में सात मार्च को मतदान होना है। इसी तरह अनुप्रिया की मां कृष्णा पटेल के नेतृत्व वाले अपना दल (कामेरवादी) और ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की अखिलेश यादव के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए विशेष रूप से वाराणसी में उपयोगिता की परीक्षा होगी। पार्टियों के सूत्रों का कहना है कि पटेल समुदाय के दो लाख वोट स्थानीय रूप से ओबीसी कुर्मी के रूप में जाने जाते हैं, जिसके लिए मां-बेटी के नेतृत्व वाली अपना दल (एस) और अपना दल (के) बीच रस्साकशी है, ओबीसी राजभर के एक लाख से अधिक वोट इस वाराणसी क्षेत्र में परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण साबित होंगे। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी चार और पांच मार्च को अपने लोकसभा क्षेत्र वाराणसी में दो दिनों के लिए चुनावी युद्ध का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, वहीं विपक्षी दल भी अपने-अपने सहयोगियों के पक्ष में प्रचार में लगे हैं। वाराणसी की रोहनिया विधानसभा सीट पर दोनो अपना दल सीधे एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं।

अनुप्रिया के नेतृत्व वाली पार्टी ने सुनील को अपनी मां के नेतृत्व वाले संगठन के अभय से लड़ने के लिए मैदान में उतारा है। अपना दल (के) भी पिंडारा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के अवधेश सिंह और कांग्रेस अजय राय को टक्कर देने के लिए चुनाव मैदान में है। इसी तरह पूर्व मंत्री ओम प्रकाश राजभर को भगवा पार्टी के उम्मीदवारों को सीधे टक्कर देने के लिए अजगोड़ा और शिवपुर सीटें दी गई हैं। शिवपुर में राजभर के बेटे अरविंद राजभर, योगी सरकार में मंत्री अनिल राजभर के खिलाफ संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार हैं। केंद्रीय उद्योग और वाणिज्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने पीटीआईभाषा को बताया, हमने 2014,2017 में और 2019 के पिछले चुनाव में अपनी ताकत दिखाई है। उन्होंने अपनी मां के नेतृत्व वाली पार्टी के खिलाफ सीधे जवाब देने से परहेज किया, जो पटेल जाति के वोटों में घुसपैठ करने का दावा कर रही है, लेकिन कहा कि एक बार नहीं तीन बार यह साबित हो चुका है कि लोगों का समर्थन किसके पास है ... क्या साबित करने के लिए अब भी कुछ बचा है? लेकिन बड़ी बहन पल्लवी पटेल, जिन्होंने कौशाम्बी के सिराथू से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को चुनौती दी है, ने कहा, इस बार स्थिति अलग हैं, क्योंकि लोगों ने योगी आदित्यनाथ को हटाने का मन बना लिया है। उन्होंने भी छोटी बहन अनुप्रिया पर सीधी टिप्पणी करने से भी परहेज किया, लेकिन दावा किया कि अपना दल (के) शानदार प्रदर्शन करेगी। ओम प्रकाश राजभर, जिनकी पार्टी ने 2017 में भाजपा के सहयोगी के रूप में वाराणसी में एक सीट जीती थी, लेकिन अब अखिलेश के नेतृत्व वाले समूह का हिस्सा है, ने पीटीआई-भाषा से बातचीत करते हुए दावा किया कि परिणाम वाराणसी में विपक्षी गठबंधन के पक्ष में 6-2 होगा। तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके रालोद सहयोगी जयंत चौधरी के साथ संयुक्त रैली की। भाजपा को चुनौती का कड़ा संदेश देने के लिए सपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के सभी सहयोगी रैली में शामिल हुए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और बसपा प्रमुख मायावती पहले ही वाराणसी और आसपास के इलाकों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं। गौरतलब है कि 2017 में, वाराणसी की आठ विधानसभा सीटों में से, भाजपा ने छह पर जीत हासिल की थी, जबकि उसके साथी अपना दल (एस) ने एक पर जीत हासिल की थी।

ओवैसी के कद्रदान पूर्वांचल के मुसलमान

भाषा । आजमगढ़/गाजीपुर

लोकसभा सदस्य असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भले ही कुछ न सीटें जीते या भाजपा विरोधी दलों का खेल बिगाड़ने की भूमिका निभाए, लेकिन इसने सपा एवं बसपा का गढ़ माने जाने वाले पूर्वांचल के कई इलाकों में अपनी पैठ बनानी शुरू कर दी है। एआईएमआईएम की मौजूदगी का आलम यह है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समुदाय के बहुत सारे लोग इसे भविष्य का विकल्प मानने लगे हैं, हालांकि उनका यह भी कहना है कि समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की सीधी लड़ाई में इस बार शायद ओवैसी की पार्टी कोई खास कामयाबी हासिल नहीं कर सके। पूर्वी उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दशकों से मुस्लिम समुदाय के लोग सपा या बसपा का

समर्थन करते आ रहे हैं और इस बार भी यही परिपाटी कायम रह सकती है क्योंकि लोग वोट बंटने की आशंका को लेकर चिंतित नजर आते हैं। आजमगढ़ जिले में मुबारकपुर विधानसभा सीट को छोड़कर अन्य किसी स्थान पर ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम मुकाबले में नहीं दिखती। बहरहाल, मुबारकपुर में मुख्य रूप से अपने उम्मीदवार शाम आलम उर्फ गुड्डू जमाली के चलते एआईएमआईएम मुकाबले में नजर आ रही है। हालांकि, आजमगढ़ में कुछ मुसलमान ऐसे हैं जो यह दलील देते हैं कि एआईएमआईएम उनकी अपनी पार्टी है और अगर वह हारती है तो भी उसका समर्थन करने की जरूरत है ताकि उसका विस्तार हो सके। आजमगढ़ जिले के फूलपुर पवई इलाके के दुकानदार ओबैदुल्ला कहते हैं कि कांग्रेस, सपा और बसपा का साथ देने की एवज में मुसलमानों को कुछ नहीं मिला। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ओवैसी हमारी आवाज उठाते हैं। हमें उनके लिए वोट क्यों नहीं करना चाहिए। हमारी अपनी पार्टी होनी चाहिए क्योंकि कई समुदायों की अपनी पार्टी है। कई मुसलमान मतदाताओं का मानना है कि इस बार लोग वोटों का बंटवारा नहीं चाहते क्योंकि उनका मकसद योगी आदित्यनाथ सरकार को सत्ता से हटाना है।

सपा-बसपा के गढ़ आजमगढ़ में केसरिया लहराने का प्रण

● विपक्ष के पास मंहगाई बेरोजगारी जैसे हथियार तो भाजपा राज्य विश्वविद्यालय एयरपोर्ट, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे मुफ्त राशन को बना रही हथियार

● पिछले चुनाव में सपा को पांच सीट, बसपा को चार व भाजपा को मिली थी एक सीट

सतीश सिंह । लखनऊ

सपा सरकार के कार्यकाल में 15 अगस्त 1994 को मंडल के तौर पर आजमगढ़ का अस्तित्व सामने आने के बाद यह जनपद सपा के लिए सदैव मुलायम रहा। चुनावों के दौरान एंटीइनकम्बेंसी के चलते कभी सपा का तो कभी बसपा का पलड़ा भारी रहा। पिछले चुनाव में जनपद की दस सीटों में से नौ सीटें जीतने वाली सपा-बसपा के सामने इस बार परिस्थितियां काफी बदली सी नजर आ रही है। विपक्ष के पास महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दे हैं तो भाजपा के आतंकवाद और राममंदिर जैसे मुद्दे, राज्य विश्वविद्यालय, एयरपोर्ट, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, मुफ्त राशन जैसे मुद्दे हैं। जिनके सहारे भाजपा सपा-बसपा के गढ़ को ढहाने की तैयारी में है।

राहुल सांस्कृत्यायन, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध से लेकर कैफी आजमी की धरती रहे आजमगढ़ का नाम सुर्खियों में तब आया, जब इसका कनेक्शन आतंक से जुड़ने लगा। 2017 में आजमगढ़ जिले से एक सीट जीत चुकी भाजपा इस बार सेंध लगाने के लिए आतंकवाद को लेकर समाजवादी पार्टी पर काफी हमलावर है। हाल ही में अहमदाबाद विस्फोट के दोषियों में आजमगढ़ का नाम सामने आने के बाद भाजपा ने आतंकी के पिता के साथ अखिलेश यादव की फोटो ट्वीट कर इसे भुनाने की कोशिश भी की। वर्ष 2014 में मुलायम सिंह यादव व वर्ष 2019 में अखिलेश यादव के यहां से सांसद बनने के चलते समाजवादी पार्टी का सीधा रिश्ता भले ही आजमगढ़ से बरकरार है पर, सभी दलों में समीकरण साधने वालों की उम्मीदवारी से सपा बसपा के गढ़ में इस बार माहौल थोड़ा बदला नजर आ रहा है। भाजपा किसी भी सूरत पर यहां के तिलिस्म को तोड़ने पर आतुर है। शायद यही वजह है कि भाजपा लगातार यहां आतंकवाद को मुद्दा बना रही है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार शिबली कालेज में हुई अजीत राय की हत्या का मामला उठा चुके हैं। ऐसे में पिछली बार दस सीटों में से नौ सीटें जीतने वाली सपा, बसपा के लिए प्रदर्शन दोहराना चुनौती है तो पिछले चुनाव से वोटों में उछाल तक सिमटी भाजपा के लिए सीटें बढ़ाना चुनौती है।

आजमगढ़ सदर सीट

इस सीट पर 1996 से 2017 तक सपा के दुर्गा प्रसाद यादव लगातार 6 बार चुनाव जीतते आ रहे हैं। उन्होंने 1993, 1996, 2002, 2007, 2012 और 2017 में लगातार जीत हासिल की है। इस बार भी आजमगढ़ सदर से सपा प्रत्याशी दुर्गा यादव मैदान में है। बसपा से यहां पर सुशील कुमार सिंह, एआईएमआईएम से कमर कमल, कांग्रेस से प्रवीण कुमार सिंह और भाजपा से अखिलेश कुमार मिश्र मैदान में है। तकरीबन 30 फीसद सवर्ण मतदाता वाली सीट पर 21 प्रतिशत एससी के साथ 12 फीसद मुस्लिम भी परिणाम पर असर डालते हैं। ऐसे में यहां पर त्रिकोणीय लड़ाई है।

मुबारकपुर सीट

बहुजन समाज पार्टी के लिए यह सीट काफी मुफीद सीट रही है। 1996 से लगातार इस सीट से बसपा का प्रत्याशी चुनाव जीतता रहा है। 2012 में बसपा ने इस सीट से शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को प्रत्याशी बनाया और 2017 में शाह आलम फिर इस सीट से प्रत्याशी बने। विधानसभा चुनाव के पूर्व बसपा छोड़ने वाले जमाली इस बार मैदान में एमआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर बसपा ने अब्दुल सलाम को प्रत्याशी बनाया है। जबकि इस सीट पर बीजेपी ने सगड़ी विधानसभा से अपने पूर्व प्रत्याशी अरविंद जयसवाल को प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस ने परवीन बानो को और सपा ने इस सीट से अखिलेश को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर मुस्लिम वोटों का बंटवारा हुआ तो फयदा बीजेपी को सकता है।

सगड़ी विधानसभा सीट

यह सीट 2017 में बसपा के पास थी। बसपा के टिकट पर वंदना सिंह इस सीट से विधायक बनीं लेकिन कुछ माह पूर्व उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली और भाजपा ने उनको इस सीट से प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर सपा ने डॉक्टर एच एन पटेल को और बसपा ने कद्दावर नेता शंकर यादव को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने इस सीट पर राना खातून को प्रत्याशी बनाया है। सरयू किनारे स्थित सगड़ी विधानसभा का एक बड़ा हिस्सा 164 गांव वाले देवारा में आता है। यहां लोगों का दर्द सरयू की बाढ़ है लेकिन बाहरी का मुद्दा यहां सपा प्रत्याशी डाण् एचएन पटेल को भारी पड़ सकता है।

गोपालपुर विधानसभा सीट

2017 के विधानसभा चुनाव में यह सीट समाजवादी पार्टी के पास रही। समाजवादी पार्टी के विधायक नफीस अहमद इस बार फिर मैदान में हैं तो वहीं भारतीय जनता पार्टी ने सत्येंद्र राय को प्रत्याशी बनाया है। बसपा की ओर से रमेश यादव प्रत्याशी हैं तो वहीं कांग्रेस ने शाने आलम को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर एआईएमआईएम ने भी अपना प्रत्याशी उतारा है। मुख्य मुकाबला अभी तक बीजेपी, सपा और बसपा के बीच देखा जा रहा है।

लालगंज विधानसभा सीट

यह सीट 2017 में बसपा के पास रही। बसपा ने फिर से इस सीट से अपने विधायक आजाद अरिमर्दन को प्रत्याशी बनाया है। बीजेपी ने पूर्व सांसद नीलम सोनकर को प्रत्याशी बनाया है तो सपा ने 2012 में इस सीट से विधायक रहे बेचेई सरोज को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने इस सीट से पुष्पा भारती को प्रत्याशी बनाया है।

निजामाबाद विधानसभा सीट

इस सीट पर 2017 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर आलम बदी चुनाव जीते थे। समाजवादी पार्टी ने 2022 में फिर इनको प्रत्याशी बनाया है। आलम बदी के प्रत्याशी बनने के बाद कुछ स्थानीय नेताओं द्वारा बगावत भी शुरू की गई लेकिन धीरे-धीरे वह शांत हो गई। बीजेपी ने इस सीट पर मनोज यादव को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने सीट पर अनिल यादव को प्रत्याशी बनाया है। वहीं बसपा ने इस सीट पर डॉक्टर पीयूष यादव को प्रत्याशी बनाया है। जबकि पीयूष यादव पिछले कई साल से भारतीय जनता पार्टी के लिए काम कर रहे थे और उनको पूरी उम्मीद थी कि बीजेपी उनको टिकट देगी लेकिन बीजेपी ने उनको टिकट ना देकर मनोज यादव को प्रत्याशी बनाया। इससे नाराज पीयूष यादव बसपा के टिकट से चुनाव लड़ रहे हैं।

अतरौलिया विधानसभा सीट

सपा के कद्दावर नेता बलराम यादव के पुत्र डा संग्राम यादव फिर मैदान में हैं। बीते चुनाव में भाजपा यहां मजबूती से लड़ते हुए मात्र 2478 वोट से हारी थी। इस बार गठबंधन के कारण निषाद पार्टी ने प्रशांत सिंह को उतारा है। बसपा के डा सरोज पांडेय,कांग्रेस के रमेश दुबे के उतरने से लड़ाई कठिन हो गई है। यहां 36 फीसद सवर्ण और 29 फीसद पिछड़ा मतदाताओं वाली सीट पर ब्राह्मण और निषाद निर्णायक होते हैं। लड़ाई त्रिकोणीय है।

फूलपुर पवई विधानसभा सीट

2017 के विधानसभा चुनाव में जिले की 10 विधानसभा सीटों में से अकेली सीट फूलपुर पवई थी जिसपर भारतीय जनता पार्टी को विजय हासिल हुई थी। इस सीट पर रमाकांत यादव के पुत्र अरुण कांत यादव बीजेपी के टिकट पर विधायक चुने गए, तब रमाकांत यादव भारतीय जनता पार्टी में थे लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान रमाकांत यादव ने सपा की सदस्यता ली लेकिन उनके पुत्र अरुण कांत यादव बीजेपी में ही रहे। चर्चा तेज हुई की पिता-पुत्र आमने-सामने चुनाव लड़ सकते हैं। समाजवादी पार्टी ने जब यहां से रमाकांत यादव को प्रत्याशी बनाया तो भारतीय जनता पार्टी ने अपने सिटिंग विधायक का टिकट काट कर रामसूरत राजभर को दे दिया। बहुजन समाज पार्टी ने इस सीट पर शकील अहमद को प्रत्याशी बनाया है तो वहीं कांग्रेस ने इस सीट पर मोहम्मद शाहिद को प्रत्याशी बनाया है। यह सीट वैसे तो सपा की है, लेकिन बसपा ने पूर्व ब्लाक प्रमुख शकील को उतारकर समीकरण को उलझा दिया है। 26 फीसद अनुसूचित मतदाता होने से शकील की लड़ाई मजबूत मानी जा रही है। रामसूरत पहले भी यहां से चुनाव लडने व दांव-पेंच जानने से जीत को लेकर आश्वस्त हैं। फिलहाल लड़ाई सपा-बसपा के बीच नजर आ रही है।

दीदारगंज विधानसभा सीट

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व बसपा विधायक रहे सुखदेव राजभर के बेटे कमलाकांत पर सपा ने दांव लगाया है। यहां राजभर मतदाताओं की महत्ता के बावजूद 25 फीसद मुस्लिम केंद्र बिंदु में रहते हैं। 25 फीसद अनुसूचित मतदाताओं के भरोसे समीकरण को साधने के लिए बसपा ने भूपेंद्र सिंह मुन्ना को मैदान में उतारा है। वहीं भाजपा ने डा कृष्णमुरारी विश्वकर्मा को फिर से मौका दिया है। सपा के आदिल शेख का टिकट कटने से मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका को लेकर संशय है। कांग्रेस के अवधेश सिंह भी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं। इस सीट पर भी मुस्लिम मतदाताओं की संख्या काफी है। ऐसे में ओलमा कौंसिल की तरफ से अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सेक्रेटरी हुजैफा आमिर को प्रत्याशी बनाया गया है। हुजैफा आमिर के चुनावी मैदान में आने के बाद इस सीट पर समाजवादी पार्टी को नुकसान हो सकता है।

मेंहनगर सुरक्षित सीट

यह सीट 2017 में समाजवादी पार्टी के पास थी लेकिन इसबार समाजवादी पार्टी ने अपने सीटिंग विधायक कल्पनाथ पासवान का टिकट काटकर सीट सुभासपा को दे दी है। सुभासपा ने इस सीट से पूजा सरोज को प्रत्याशी बनाया तो वहीं बीजेपी ने मंजू सरोज को प्रत्याशी बनाया जो पिछला चुनाव सुभासपा के टिकट पर लड़ी थीं। बीएसपी ने पंकज कुमार को प्रत्याशी बनाया है। जबकि कांग्रेस ने निर्मला भारती को अपना प्रत्याशी बनाया है। बसपा को छोड़कर महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों ने इस सीट पर महिला प्रत्याशी उतारे हैं। यहां तकरीबन 30 फीसद पिछड़ा और सात फीसद मुस्लिम बीते चुनाव में सपा की संजीवनी बने थे। उस समय कुछ हजार वोटों से हारीं मंजू अबकी मजबूती से लड़ रहीं हैं। यहां 32 फीसद सवर्ण वोटर हैं।

आशीष मिश्रा की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर 11 मार्च को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे एवं मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को जमानत देने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर 11 मार्च को सुनवाई करने के लिए शुक्रवार को सहमत हो गया। इस हिंसा में चार किसानों सहित आठ लोग मारे गए थे। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण के नेतृत्व वाली एक पीठ ने वकील प्रशांत भूषण की उस दलील पर गौर किया कि मामले के अन्य आरोपी आशीष मिश्रा को दी गई राहत का हवाला देते हुए जमानत के लिए अदालत का रुख कर रहे हैं। पीठ ने भूषण से कहा कि वह उच्च न्यायालय को सूचित करें कि शीर्ष अदालत जमानत रद्द करने की याचिका पर सुनवाई कर रही है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं मामले को 11 मार्च के लिए सूचीबद्ध कर सकता हूं। अन्य न्यायाधीश भी मौजूद होने चाहिए। उच्च न्यायालय की एकल-न्यायाधीश पीठ ने 10 फरवरी को मिश्रा को जमानत दे दी थी, जिन्होंने चार महीने हिरासत में बिताए थे। भूषण ने अदालत में दाखिल प्रतिवेदन में कहा कि उच्च न्यायालय ने मिश्रा को जमानत देते हुए कानून का पालन नहीं किया और उसके सबूतों से छेड़छाड़ करने सहित अन्य पहलुओं पर गौर नहीं किया।

भूषण ने कहा कि अन्य आरोपी भी इस फैसले का हवाला देकर अब जमानत मांग रहे हैं। उन्होंने उच्च न्यायालय को यह निर्देश देने का अनुरोध किया कि वह फिलहाल अन्य आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई ना करे। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय के समक्ष ज्ञापन दाखिल करें कि हम मामले पर 11 मार्च को सुनवाई कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हिंसा में मारे गए किसानों के परिवारों के तीन सदस्यों ने मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को जमानत देने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की है। किसानों का एक समूह उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की यात्रा के खिलाफ तीन अक्टूबर को प्रदर्शन कर रहा था, तभी लखीमपुर खीरी में एक एसयूवी (कार) ने चार किसानों को कथित तौर पर कुचल दिया। इससे गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के दो कार्यकर्ताओं और एक चालक को कथित तौर पर पीट-पीट कर मार डाला, जबकि हिंसा में एक स्थानीय पत्रकार की भी मौत हो गई। हाल ही में, अधिवक्ता शिव कुमार त्रिपाठी और सीएस पांडा ने आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करने की अपील करने करते हुए एक अन्य याचिका दायर की थी, जिनके पत्र पर शीर्ष अदालत ने घटना का स्वत: संज्ञान लिया था। किसान नेताओं ने दावा किया है कि उस वाहन में आशीष मिश्रा थे, जिसने प्रदर्शनकारियों को कुचला था। हालांकि, उन्होंने आरोपों को खारिज किया है। पिछले साल 17 नवंबर को, शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश एसआईटी द्वारा जांच की निगरानी के लिए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन को नियुक्त किया था।

जनप्रतिनिधियों को ऐसी किसी भी चीज से बचना चाहिए जिससे लोकतंत्र कमजोर होता हो : नायडू

पणजी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने संसद में बाधा और कुछ विधानसभाओं में हुई हालिया घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर जनप्रतिनिधि बजट या किसी संबोधन को पसंद नहीं करते हैं तो वे उसकी आलोचना कर सकते हैं, उन्हें ऐसी किसी भी चीज से बचना चाहिए जिससे लोकतंत्र कमजोर होता हो। उपराष्ट्रपति की इस टिप्पणी को पिछले समय में राज्यपाल के संबोधन के समय घटने वाली कुछ घटनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। गोवा राजभवन के परिसर में एक नवनिर्मित अत्याधुनिक दरबार हॉल का उद्घाटन करने के बाद नायडू ने संसद में बाधा और कुछ विधानसभाओं में हुई हालिया घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। अगर जनप्रतिनिधि बजट या किसी संबोधन को पसंद नहीं करते हैं तो वे उसकी आलोचना कर सकते हैं औरऐसी किसी भी चीज से बचना चाहिए, जिससे लोकतंत्र कमजोर होता हो। हमें इन संस्थानों का सम्मान जरूर करना चाहिए। नायडू ने कहा कि सबसे बड़े संसदीय लोकतंत्र के रूप में भारत शांतिपूर्ण बदलाव या चुनावों के दौरान शासन को जारी रखने के जरिए विश्व के बाकी हिस्सों के लिए एक महान उदाहरण स्थापित कर रहा है। लोकतंत्र में अगर आप किसी चीज को पसंद नहीं करते हैं, तो आप उसकी आलोचना कर सकते हैं, आप शांतिपूर्ण तरीके से इसे समझा सकते हैं एवं विरोध कर सकते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, हमें लोगों के जनादेश का सम्मान करने के लिए धैर्य रखना चाहिए।

बेंगलुरू में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई राज्य के बजट सत्र के दौरान।

कीव में गोलीबारी में घायल छात्र की आपबीती मैने सोचा कि अंत समय आ गया है

भाषा। नई दिल्ली

यूक्रेन में युद्ध प्रभावित कीव से सुरक्षित निकलने के प्रयास में 31 वर्षीय भारतीय छात्र हरजोत सिंह गोलीबारी का शिकार हो गया और एक गोली सीने में लगने समेत शरीर पर चार गोलियां झेलने के बाद भी खुद के जीवित बचने को उसने खुशनसीबी बताया है। दिल्ली निवासी हरजोत ने 27 फरवरी के घटनाक्रम को याद करते हुए कहा, हम लीव जाने के लिए कैब में बैठे थे। हमें एक बैरिकेड पर रोका गया और तभी गोलियां चलने लगीं। मुझे लगा कि अब अंत समय आ गया है। भगवान की कृपा से मैं जीवित बच गया। हरजोत का कीव के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। कुछ दिन के बाद हरजोत के होश में आने पर यहां उसके परिजनों ने राहत की सांस ली, जब उन्हें बताया गया कि वह चमत्कारिक तरीके से गोलियों से बच गया।

हरजोत ने दो और लोगों के साथ कीव से बच निकलने के लिए लीव शहर के लिए कैब ली थी। उसने पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया, मुझे नहीं पता कि उन लोगों का क्या हुआ जो मेरे साथ थे। मुझे तो लगा था कि मैं अब नहीं बचूंगा। वह कीव में इंटरनेशनल यूरोपियन यूनिवर्सिटी में भाषा संबंधी पाठ्यक्रम में अध्ययनरत है।

दिल्ली के छतरपुर में रहने वाले उसके परिवार के लिए भी यह उतना ही मुश्किल वक्त था क्योंकि उन्हें पता ही नहीं चल रहा था कि उनके बेटे को क्या हुआ। उसके भाई प्रभजोत सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि जब तीन दिन बाद उसे होश आया तो वह गोलियों के जख्म और टूटे पैर के साथ अस्पताल में था। सिंह ने कहा कि पासपोर्ट समेत उसके सभी कागजात गायब थे। आखिरी बार 26 फरवरी को हमने बात की थी तो उसने कहा था कि वह अच्छा है और वापस आ जाएगा, लेकिन उसके बाद से कोई संपर्क नहीं हुआ। हम बहुत चिंतित थे। सिंह ने कहा कि पिछले कुछ दिन बेहद कठिन थे और हमने लगभग सभी अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

हरियाणा विधानसभा मे धर्मांतरण रोधी विधेयक पेश किए जाने के बाद हंगामा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने जबरन या धोखाधड़ी से धर्म परिवर्तन के खिलाफ प्रावधान वाला एक विधेयक शुक्रवार को विधानसभा में पेश किया, जिसके बाद सदन में हंगामा हो गया। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कांग्रेस विधायक रघुवीर सिंह कादियान को सदन में विधेयक की एक प्रति फाड़ने की वजह से बजट सत्र से निलंबित कर दिया।कादियान के निलंबन के विरोध में कांग्रेस सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। गृह मंत्री अनिल विज ने यहां विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन हरियाणा अवैध धर्मांतरण रोकथाम विधेयक, 2022 पेश किया। विधेयक पेश किए जाने के बाद, कादियान ने आरोप लगाया कि यह विभाजनकारी नीतियों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने कहा कि विधेयक में किसी धर्म का उल्लेख नहीं है और इसमें केवल जबरन धर्मांतरण का जिक्र है। कांग्रेस सदस्य खट्टर की किसी टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए अपनी सीटों से उठ खड़े हुए। कादियान ने विधेयक की प्रति फाड़ दी, जिससे विधानसभा अध्यक्ष नाराज हो गए। जब कादियान ने कहा कि यह एक साधारण कागज है, तो विधानसभा अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि विधेयक एक कानूनी दस्तावेज है। विधानसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस सदस्य से अपने कृत्य पर खेद व्यक्त करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वह सदन में इस तरह के व्यवहार की अनुमति नहीं देंगे। इसके बाद गुप्ता ने कादियान को बजट सत्र से निलंबित कर दिया।

मतदाता जागरण में संचार माध्यमों की भूमिका अहम : सुषमा सिंह

नोएडा। चुनाव आयोग ने देश में 5 राज्यों के विधान सभा के लिये 10 फ़रवरी से 7 मार्च 2022 के बीच सात चरणों में चुनाव कराए जाने का कार्यक्रम बनाया है। चुनाव प्रचार के परंपरागत संसाधनों के अलावा अब यह देखने में मिलता है कि अब सोशल मीडिया भी चुनावों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने लगा है। भारत में राजनीतिक दल सोशल मीडिया को प्रचार के प्रमुख साधन के रूप में अपना रहे हैं। इसी के मद्देनज़र इस बार चुनाव आयोग राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के सोशल मीडिया प्रचार पर भी निगरानी रखने का फैसला किया है। 17वीं लोक सभा के आम चुनावों के समय सोशल मीडिया को भी आदर्श आचार संहिता के दायरे में लाया गया है। इसके साथ ही फेसबुक-गूगल जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने भी चुनाव को देखते हुए कंटेंट की निगरानी करने का आश्वासन दिया है। ट्विटर, फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप, यूट्यूब, इन्स्टाग्राम, स्नेपचैट आदि सोशल वेबसाइट्स को सोशल मीडिया की संज्ञा दी गई है। सोशल मीडिया का अस्तित्व इंटरनेट की वज़ह से है क्योंकि इसके बिना सोशल मीडिया बेकार है। आज सोशल मीडिया एक ऐसा साधन बन गया हैए जहाँ आम आदमी भी अपनी बात बेबाकी के साथ दुनिया के समक्ष रख सकता है और इसके लिये उसे कोई विशेष प्रयास भी नहीं करने पड़ते। अगर हम पुराने परंपरागत चुनाव प्रचार के संसाधनों के बारे में बात करे तो हमें लगभग एक दशक पीछे जाना होगा जहाँ आँखों के सामने कार, बस या ऑटो में लगे झंडे, लाउडस्पीकर से प्रत्याशी को जिताने की अपील के साथ धुआँधार नारेबाज़ी और छोट-छोटे प्लास्टिक या कागज़ के बिल्लों के लिये लपकते बच्चों वाली चुनाव प्रचार की तस्वीर जीवंत हो उठती है। लेकिन अब यह तस्वीर पूरी तरह बदल चुका है और इसकी जगह ले ली है छह इंच के मोबाइल फोन के स्क्रीन ने। पिछले एक दशक में तो सोशल मीडिया चुनाव प्रचार अभियान का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। शायद ही कोई राजनीतिक दल ऐसा होगाए जो इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल अपनी बात रखने और प्रतिद्वंद्वियों के आरोपों का जवाब देने के लिये न कर रहा हो।

क्विक न्यूज

दक्षिणी राज्यों में जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा करेंगे शेखावत

नई दिल्ली। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत 6 राज्यों और 2 संघ शासित प्रदेशों के मंत्रियों के साथ शनिवार को एक क्षेत्रीय सम्मेलन में मिशन में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। जल शक्ति मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह सम्मेलन 5 मार्च को विधान सौध, बेंगलुरु में आयोजित किया जा रहा है। इसमें 6 राज्यों और 2 संघ शासित प्रदेशों के मंत्रियों के साथ ग्रामीण जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्य के मंत्री व्यक्तिगत रूप से शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री राज्यासंघ राज्य क्षेत्र के विशिष्ट मुद्दों और दोनों कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों और भविष्य पर चर्चा करेंगे। राज्योंसंघ शासित प्रदेशों को मंत्रालय से अपनी अपेक्षाओं को सामने रखने का अवसर दिया जाएगा, ताकि कार्यक्रम के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए उन्हें समय पर सहयोग मिल सके।

रेप के बाद जहर देने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया

सहारनपुर। उप्र में सहारनपुर जिले के एक गांव में एक छात्रा को दुष्कर्म के बाद जहर देने के मामले में देर रात गिरफ्तार कर लिया। सहारनपुर के एसएसपी आकाश तोमर ने बताया कि थाना देहात कोतवाली के अन्तर्गत एक गांव में रहने वाली कक्षा नौवी की एक छात्रा बृहस्पतिवार की सुबह परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी, उसने परीक्षा नही दी बल्कि वह स्कूल के नजदीक ही किसी युवक के साथ अपने मित्र के यहां चली गई। इसके बाद गांव के बाहर छात्रा बेसुध हालत में मिली और परिजन उसे अपने घर लेकर आ गए। छात्रा के मुंह से झाग निकला तो उसके परिजन उसे लेकर तुरन्त चिकित्सालय पहुंचे जहां उपचार के दौरान छात्रा की मौत हो गई। छात्रा के परिजनों ने अपनी बेटी के अपहरण, दुष्कर्म और उसे जहर देने का आरोप लगाते हुए साहिल के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया जिसने जगह-जगह दबिश देकर साहिल को गिरफ्तार कर लिया।

पीएम ने पूर्व थल सेनाध्यक्ष रोड्रिग्स के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय थल सेना के पूर्व अध्यक्ष सुनीथ फ्रांसिस रोड्रिग्स के निधन पर शोक जताया और कहा कि उत्कृष्ट सेवाओं के लिए देश उनका ऋणी रहेगा। रोड्रिग्स का गोवा के पणजी स्थित एक अस्पताल में शुक्रवार को निधन हो गया। 1990 से 1993 के बीच भारतीय थल सेना का नेतृत्व करने वाले रोड्रिग्स 88 वर्ष के थे। वह 2004 से 2010 के बीच पंजाब के राज्यपाल भी रहे। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, जनरल एस एफ रोड्रिग्स के निधन से बहुत दुख पहुंचा। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और देश को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए देश उनका ऋणी रहेगा। सामरिक मामलों की गहरी समझ के लिए उनका सभी सम्मान करते थे।

केसीआर ने गलवान घाटी के दो शहीदों को चेक सौंपे

रांची। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और झारखंड के उनके समकक्ष हेमंत सोरेन ने चीन के साथ लगती सीमा पर गलवान घाटी में झड़पो में शहीद हुए दो जवानों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए के चेक सौंपे। राव ने 2020 में गलवान घाटी झड़पों में शहीद हुए 19 जवानों के परिवारों को सहयोग देने की घोषणा की थी। तेलंगाना सरकार ने इससे पहले झड़पों में शहीद हुए तेलंगाना के कर्नल संतोष बाबू के परिजनों को मदद दी थी। अपने वादे को पूरा करने के लिए राव राष्ट्रीय राजधानी से झारखंड आए और सोरेन के आधिकारिक आवास पर दो शहीद जवानों के परिजन को चेक सौंपे। गौरतलब है कि 15 जून 2020 को गलवान घाटी में हिंसक झड़प में ये सैनिक शहीद हो गए थे।

मणिपुर विस चुनाव: दूसरे चरण का मतदान आज

इंफाल। मणिपुर में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान में शनिवार को छह जिलों की 22 विधानसभा सीटों पर मतदाता 92 उम्मीदवारों का भविष्य तय करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 के सुरक्षा प्रोटोकॉलों का पालन करते हुए 1247 मतदान केंद्रों पर मतदान के लिए सभी बंदोबस्त कर लिए गए है। दूसरे चरण में मैदान में उतरे कुछ प्रमुख उम्मीदवारों में तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ओ इबोबी सिंह और पूर्व उप मुख्यमंत्री गैखंगम गंगमेई शामिल हैं। दोनो कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होगा और शाम चार बजे तक चलेगा।

ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त ने नौसेना की दक्षिणी कमान का दौरा

कोच्चि। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल ने शुक्रवार को नौसेना की दक्षिणी कमान का दौरा किया और दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने पर चर्चा की। नौसेना ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त और उनके साथ आए शिष्टमंडल ने दक्षिणी नौसेना कमान मुख्यालय के चीफ स्टाफ अधिकारी (प्रशिक्षण) रियर एडमिरल टी वी एन प्रसन्ना के साथ बातचीत की। दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए अवसर तलाशने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

रांची में झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के साथ बैठक के दौरान मिलते हुए।

कोर्ट ने उत्तर पत्र बदलने के नीट अभ्यर्थी के आरोप की सीबी-सीआईडी जांच पर रोक लगाई

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल के एक छात्र के इस आरोप की सीबी-सीआईडी जांच पर रोक लगा दी है कि नीट-यूजी-2020 की उसकी ओएमआर शीट (उत्तर पत्र) वेबसाइट पर बदल दी गई और उसके शुरूआती अंक 50 प्रतिशत से अधिक घटा दिए गए। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने इसके साथ ही नोटिस जारी किया। इससे पहले, सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) संचालित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से पेश हुए। उन्होंने कहा कि उनकी छानबीन के मुताबिक, केवल एक ओएमआर शीट वेबसाइट पर अपलोड की गई थी और छात्र को 720 में 594 के बजाय 248 अंक मिले।

पीठ ने कहा कि अगले आदेश तक, सीबी-सीआईडी की जांच स्थगित रहेगी। पीठ ने कहा कि अगले आदेश तक मद्रास उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 25 जनवरी 2022 के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक रहेगी। पीठ ने स्पष्ट कर दिया कि अदालत के अगले आदेश तक छात्र का दाखिला प्रभावित नहीं होगा। नीट-यूजी-2020 में शमिल हुए के.एस. कंबोज ने मद्रास उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर कर एनटीए द्वारा जारी स्कोर कार्ड से जुड़े रिकार्ड देने का अनुरोध किया था, जिसे 16 अक्टूबर 2020 को अपलोड किया गया था। साथ ही, कंबोज ने एजेंसी को यह निर्देश देने का भी अनुरोध किया था कि उसका परीक्षा परिणाम 720 में 594 अंक के रूप में घोषित किया जाए, जैसा कि प्रथम ओएमआर शीट में प्रदर्शित हुआ था। उच्च न्यायालय ने 25 जनवरी को अपने फैसले में कंबोज और उसके माता-पिता के इस आरोप की सीबी-सीआईडी जांच का आदेश दिया था कि उसकी ओएमआर शीट बदल दी गई है।

आईएमए ने यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों को भारतीय कॉलेज में समायोजित करने का मोदी से किया आग्रह

नई दिल्ली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने यूक्रेन से स्वदेश लौटे मेडिकल छात्रों के भविष्य के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सिफारिश की है कि उन्हें एकमुश्त उपाय के तौर पर भारत के मेडिकल स्कूलों में समायोजित किया जाए। मोदी को लिखे एक पत्र में कहा कि ऐसे छात्रों को एक उचित वितरण के माध्यम से उनके शेष एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए भारतीय मेडिकल कॉलेजों में जाने की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन इसे वार्षिक समायोजन क्षमता वृद्धि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आईएमए ने सिफारिश की कि इसे एक चालू मेडिकल कॉलेज के बंद होने पर छात्रों का वितरण भारत के अन्य मेडिकल स्कूलों में करने के तौर-तरीकों का पालन करते हुए किया जा सकता है। आईएमए ने कहा कि यह यूक्रेन में प्रवेश लेने वाले मेडिकल के इन सभी छात्रों के भाग्य और भविष्य के बारे में चिंतित है।

कोर्ट ईडी की याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार के लिए सहमत

छत्तीसगढ़ नान घोटाला

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय शुक्रवार को ईडी की उस याचिका पर सुनवाई पर विचार करने के लिए सहमत हो गया जिसमें छत्तीसगढ़ के करोड़ों रुपए के नागरिक आपूर्ति निगम (नान) घोटाला से जुड़े धनशोधन मामले में दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को राज्य उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत दिए जाने को चुनौती दी गई है। ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए जमानत दिए जाने के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है कि मामले में आरोपी वरिष्ठ अधिकारियों के पक्ष में सबूत कथित तौर पर गढ़े गए हैं। विधि अधिकारी ने कहा, यहां छत्तीसगढ़ से एक मामला है और एक संवैधानिक पदाधिकारी तथा जमानत दिए जाने को लेकर परेशान करने वाली स्थिति है तथा मैं (मामले का) स्थानांतरण की मांग कर रहा हूं। हर दिन सबूत तैयार किए जा रहे हैं। मामले को तत्काल सूचीबद्ध किए जाने का अनुरोध करते हुए मेहता ने कहा कि ईडी की याचिका पर नोटिस जारी किया गया है और जवाब और प्रत्युत्तर भी दायर किए गए हैं। ईडी ने जमानत रद्द करने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा, ठीक है। (मामले की) संख्या दें। पीठ में न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने इससे पहले नान घोटाले से जुड़े धनशोधन में आईएएस के अधिकारियों अनिल टुटेजा और आलोक शुक्ला को अग्रिम जमानत दी थी। ईडी ने 2019 में धनशोधन रोकथाम कानून के तहत एक प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई थी जो नागरिक आपूर्ति घोटाले के सिलसिले में छत्तीसगढ़ पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा और भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो द्वारा दायर प्राथमिकी और आरोप पत्र पर आधारित थी।

यूक्रेन में फंसे सभी भारतीय नागरिको को निकालने की समय सीमा बताए सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर अपनी विफलता का ठीकरा यूक्रेन में फंसे छात्रों के सिर पर फोड़ने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि सरकार को यह स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि युद्ध प्रभावित देश से सभी भारतीय नागरिकों को कब तक स्वदेश लाया जाएगा। पार्टी ने यह भी कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि यूक्रेन में अभी कितने भारतीय छात्र फंसे हुए हैं तथा रूस एवं यूक्रेन दोनों से भारत के अच्छे रिश्ते होने के बावजूद छात्रों को अब तक बाहर निकलने का सुरक्षित रास्ता क्यों नहीं मिला? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूक्रेन में फंसे कुछ छात्रों का एक वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया कि इन छात्रों ने सरकार की नाकामी को उजागर कर दिया है। भारतीय छात्रों पर सवाल उठाने के बजाय, मोदी सरकार खुद से सवाल क्यों नहीं करती? संकट में फंसे छात्रों ने सरकार की क्रूरता व नाकामी का सच दिखा दिया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यूक्रेन में एक और भारतीय छात्र को कथित तौर पर गोली लगने की घटना का हवाला देते हुए ट्वीट किया, एक और भारतीय छात्र को गोली लगी...यूक्रेन-रूस युद्ध में बच्चों पर हर पल ख़तरा है। मग़र मोदी सरकार सिर्फ़ पीआर एजेंसी बनी हुई है। सवाल किया, जो हज़ारों बच्चे यूक्रेन के अंदर भारी हमलों के बीच निकल नहीं पा रहे हैं, उन्हें कब निकालेंगे ? क्या चार मंत्रियों को सिर्फ ताली बजाने के लिए भेजा गया है ?

सुरजेवाला ने नागर विमानन राज्य मंत्री वीके सिंह के एक बयान को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा, बमोंामिसाइलों के हमलों में 9 दिनों से फ़ंसे बच्चों को मोदी सरकार के मंत्री कह रहे हैं कि अल्टीमेटम था तो पहले क्यों नहीं निकले, थोड़ा लम्बा रास्ता तय करके आ जाइए, जब आप सारे ख़तरों से बचकर आ जाएंगे तो हम आपकी अगवानी कर लेंगे.....। ए देश के मंत्री हैं या ट्रैवल एजेंट? इससे पहले, वी के सिंह ने कहा था, आज, हमें पता चला कि कीव छोड़कर जा रहे एक छात्र को गोली लग गई है। उसे वापस कीव ले जाया गया है। युद्ध में ऐसा होता है। सिंह, इस समय युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए उसके पड़ोसी देश पोलैंड में हैं। सुरजेवाला ने कर्नाटक के भाजपा नेता अरविंद वेलाड़ के एक बयान को लेकर आरोप लगाया कि क्रूरता भाजपा के डीएनए में है। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा कि बेलाड़ के खिलाफ कार्वाई होनी चाहिए और उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए। खबरों के मुताबिक, यूक्रेन में कर्नाटक के छात्र नवीन की मौत की पृष्ठभूमि में बेलाड़ ने कहा कि विमान में शव ज्यादा जगह लेता है। शमा मोहम्मद ने यूक्रेन मामले को लेकर संवाददाताओं से कहा, यह रूस और यूक्रेन के बीच का युद्ध है।

अजमेर के आनासागर झील में एक बड़ी सफेद पेलिकन मछली का शिकार करता हुआ।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 5 मार्च, 2022

शेयर में गिरावट जारी, सेंसेक्स 769 अंक लुढ़का

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। रूस–यूक्रेन संकट के बीच वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के साथ बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 769 अंक का गोता लगाकर बंद हुआ। निवेशक इक्विटी जैसी जोखिम वाली संपत्तियों से पैसा सुरक्षित समझे जाने वाले निवेश उत्पादों में लगा रहे हैं। कारोबारियों के अनुसार रुपए की विनिमय दर में गिरावट, तेल के दाम में तेजी और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली से भी बाजार पर नकारात्मक असर पड़ा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स की शुरूआत कमजोर रही और कारोबार के दौरान यह एक समय 1,214.96 अंक तक लुढ़क कर 53,887.72 अंक तक खिसक गया था। अंत में यह 768.87 अंक यानी 1.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,333.81 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का

निफ्टी 252.70 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,245.35 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, यूक्रेन में स्थित यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र पर रूसी हमले की रिपोर्ट के बाद तनाव बढ़ने के साथ वैश्विक शेयर बाजारों में तेज बिकवाली हुई। तेल के दाम में तेजी के साथ आपूर्ति संबंधी बाधाओं को लेकर अनिश्चितता होने से मुद्रास्फीति के भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर जाने की चिंता पैदा हुई है। रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट–बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। हालांकि घरेलू बाजार में आईटी और दवा कंपनियों के शेयरों में लिवाली से गिरावट पर कुछ अंकुश लगा। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, मारुति सुजुकी इंडिया, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि., बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक में 5.05 प्रतिशत तक की गिरावट आई।

दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में आईटीसी, डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, अल्ट्रा टेक सीमेंट, सन फार्मा और विप्रो शामिल हैं। इनमें 2.95 प्रतिशत तक की तेजी रही। अवकाश के कारण कम कारोबारी दिवस वाले इस सप्ताह में सेंसेक्स 1,524.71 अंक यानी 2.72 प्रतिशत जबकि निफ्टी 413.05 अंक यानी 2.47 प्रतिशत नीचे आए। सैमको सिक्योरिटीज में इक्विटी शोध प्रमुख वाई शाह ने कहा, पिछले हफ्ते की भारी उथलपुथल के बाद बाजार एक दायरे में रहा।

रियल एस्टेट क्षेत्र में विदेशी निवेश 2017–21 के दौरान बढ़कर 23.9 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में विदेशी निवेश 2017 से 2021 के दौरान इससे पिछले पांच वर्षों की तुलना में तीन गुना से अधिक बढ़कर 23.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी कोलियर्स और उद्योग मंडल भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

कोलियर्स ने भारतीय रियल एस्टेट में विदेशी निवेश पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक निवेशकों ने 2016 में नियामक सुधारों से उत्साहित देश के जमीन–जायदाद क्षेत्र में निवेश को लेकर रूचि दिखाई है। कंपनी ने कहा, विदेशी निवेशकों ने 2017 से देश में अधिक उम्मीद के साथ निवेश करना शुरू किया है। इससे पहले विदेशी निवेशक भारत के रियल एस्टेट उद्योग में पारदर्शिता की कमी के कारण निवेश करने से बचते थे। आंकड़ों के अनुसार देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में 2017 से 2021 की अवधि के दौरान विदेशी निवेश बढ़कर 23.9 अरब डॉलर हो गया, जो 2012 से 2016 की अवधि के बीच 7.5 अरब डॉलर था। वही भारतीय अचल संपत्ति क्षेत्र में 2012 से 2021 के दौरान कुल निवेश बढ़कर 49.4 अरब डॉलर हो गया। इसमें विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 64 प्रतिशत है। इसके अलावा भारतीय रियल एस्टेट में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 2017–2021 के दौरान बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई, जबकि इससे पिछले पांच साल की अवधि में यह 37 प्रतिशत थी।परामर्श कंपनी के अनुसार विदेशी निवेश में अमेरिका और कनाडा से निवेश का हिस्सा 2017 के बाद से प्रत्एक वर्ष 60 प्रतिशत से अधिक रहा है।

क्विक न्यूज

पार्ले एग्रो ने अभिनेता राम चरण को फ्रूटी का ब्रांड एम्बेसेडर बनाया

नई दिल्ली। पेय पदार्थ बनाने वाली कंपनी पार्ले एग्रो ने अपने ब्रांड फ्रूटी के लिए अभिनेता राम चरण को ब्रांड एम्बेसेडर बनाया है। अभिनेत्री आलिया भट्ट भी फ्रूटी की ब्रांड एम्बेसेडर है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण पेय पदार्थ कंपनियों के लिए बीते दो साल कुछ खास नहीं रहे लेकिन अब कंपनी को उम्मीद है कि 2022 की गर्मियां शानदार साबित होंगी। पार्ले एग्रो की संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी नादिया चौहान ने कहा, दो वर्ष के व्यवधान के बाद इन गर्मियों में खासी मांग रहने की उम्मीद है। हम इस मौसम की शुरुआत राम चरण और आलिया भट्ट को फ्रूटी का चेहरा बनाकर कर रहे है।

हियरिंग हेल्थकेयर क्लीनिक का उद्घाटन

लखनऊ। समकालीन भारत में बड़ी आबादी में सुनने की क्षमता में कमी होना एक प्रमुख चिंता का विषय है जिसका एक बड़ा हिस्सा 0.14 वर्ष की आयु के बच्चे है। डब्ल्यूएचओ का अनुमान है कि कुल 6 करोड़ 30 लाख भारतीय सुनने से संबंधित किसी गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा भारत में एक ही छत के नीचे अंतरराष्ट्रीय मानक के हियरिंग हेल्थ केयर और मैनेजमेंट प्रदान करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों का अभाव है। वाइडेक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के पास नवीनतम तकनीक और अत्याधुनिक शिल्प कौशल पर विशेष ध्यान देने के साथ बेहतरीन श्रवण यंत्र (हियरिंग एड्स) देने की विरासत है। वे समझते हैं कि आवाज कितनी महत्वपूर्ण है और उनका लक्ष्य है कि हर व्यक्ति जीवन के हर पल को बिना किसी परेशानी के अनुभव कर पाएं। एक छत के नीचे प्राकृतिक आवाज प्रदान करने के मिशन को ध्यान में रखते हुए वाइडेक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ अविनाश पवार और पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और साउंड पार्टनर पद्म सैयद किरमानी के साथ अपनी तरह के पहले हियरिंग हेल्थकेयर साउंड सेंटर का उद्घाटन किया। उनके साथ हियरिंग हेल्थकेयर साउंड सेंटर के डायरेक्टर्स जयवीर यादव, सोहेल सैयद, कमलेश शर्मा और जय प्रकाश वर्मा भी उपस्थित थे।

कॉइनस्विच का रिकरिंग बाय प्लान

नई दिल्ली । क्रिप्टो प्लेटफॉर्म कॉइनस्विच ने ष्रिकरिंग बाय प्लानष् जारी किया है। इसके जरिये निवेशकों को भारत में ष्क्रिप्टो एसेट्सष् में सरल और सुनियोजित तरीके से निवेश करने में मदद मिलेगी। कॉइनस्विच के मुताबिक इस प्लान से निवेशकों को बाजार में होने वाले उतार.चढ़ाव और जल्दबाज़ी में की गई खरीद.बिक्री से बचने में मदद मिलेगी। आशीष सिंघल फाउंडर एवं सीईओए कॉइनस्विच ने कहा कि ष्कॉइनस्विच में हम क्रिप्टो निवेश के सफर में यूज़र्स की मदद करना चाहते हैं। क्रिप्टो एक उभरता हुआ आकर्षक एसेट क्लास है। इसमें पारंपरिक निवेश के मुकाबले उतार.चढ़ाव भी काफी ज्यादा होते हैं। ष्काइनस्विच रिकरिंग बाय प्लानष् की मदद से निवेशक सुनियोजित तरीके से क्रिप्टो खरीद सकते हैं और मार्केट को टाइम करने यानि सही मौका तलाशने की जल्दबाज़ी तथा ट्रेडिंग में भावनात्मक फैसले लेने से भी बच सकते हैं। साथ ही यह प्लान निवेशकों को योजनाबद्ध और अनुशासित रहकरए इस नए एसेट क्लास को समझने और इसमें निवेश करने में मददगार रहेगा। ष्रिकरिंग बाय प्लानष् ;त्थ्ठद्धए की मदद से यूज़र्स लंबी अवधि में क्रिप्टो एसेट खरीदने के लिए हर महीने एक निश्चित रकम अलग से रख सकते हैं। इससे उनका ध्यान मार्केट में सही मौका तलाशने की बजाय लंबे समय के लिए रणनीति बनाने पर रहेगा।

एनएसई ने प्रबंध निदेशक, मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने नए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी की तलाश शुरू कर दी है क्योंकि इसके मौजूदा प्रमुख विक्रम लिमए का पांच साल का कार्यकाल जुलाई में समाप्त होने जा रहा है। शुक्रवार को जारी एक सार्वजनिक नोटिस में एनएसई ने इस पद के लिए ऐसे उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए है जिन्हे आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का अनुभव हो। आवेदन देने की अंतिम तिथि 25 मार्च है। हालांकि लिमए को एक और कार्यकाल मिल सकता है लेकिन सेबी के नियमों के मुताबिक अगला कार्यकाल पाने के लिए उन्हें अन्य उम्मीदवारों से स्पर्धा करनी होगी। लिमए को एनएसई का प्रमुख जुलाई 2017 में बनाया गया था। शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेज (एनएसई) में संचालन स्तर पर चूक मामले की जांच चल रही है।

पहली ऑल इलेक्ट्रिक कार लॉन्च

नई दिल्ली। पहली ऑल इलेक्ट्रिक मिनी 3. डोर कूपर एस ई लॉन्च कर दी गई। कंप्लीटली बिल्टअप यूनिट के तौर पर उपलब्ध सभी यूनिट्स की बिक्री क्यू4 2021 में प्रीण्लॉन्चिंग के दौरान हो गई थी। प्रीण्लॉन्च बुकिंग कस्टमर्स के लिए डिलीवरी मार्च 2022 से शुरू हो जाएगी एजो कंपनी ने जितने समय का वायदा किया थाए उससे पहले है। अगले चरण की डिलिवरी के लिए बुकिंग केवल मिनी ऑनलाइन शॉप के जरिए मार्च 2022 से शुरू होगी।हर कार को ड्राइव किया जाता है, पर हर कार ड्राइव के लिए नहीं होती। मिनी एक अलग तरह की कार है। यह आम पसंद नहीं है। न तो यह कभी थी और न ही कभी होगी। अगर आप एक ऐसी कार की तलाश कर रहे हैंए जिसमे टॉर्क के साथ ऐक्शन भी हो तो आइए हम आपको लेटेस्ट मिनी इलेक्ट्रिक से रू.ब.रू कराते हैं। यह पहले से ज्यादा बेहतर महसूस होती है। इसका श्रेय इंस्टेंट टॉर्क को दिया जाना चाहिए। यह दिखने में भी पहले से ज्यादा बेहतर है। इसकी आइकॉनिक मिनी डिजाइन में बारीकी से किए गए अपडेट्स देखे जा सकते हैं, जो निश्चित रूप से ऑल न्यू इलेक्ट्रिक फीलिंग देते हैं। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंटए श्री विक्रम पाहवा ने कहा कि श्देश में 10 साल का सफर तय करने पर मिनी इंडिया को कॉम्पैक्ट प्रीमियम सेग्मेंट में पहली ऑल इलेक्ट्रिक कार लाने का गर्व है।

रूस-यूक्रेन संकट के कारण घरेलू इस्पात पांच हजार रुपए प्रति टन तक महंगा

नई दिल्ली। घरेलू इस्पात विनिर्माताओं ने हॉट रोल्ड कॉयल (एचआरसी) और टीएमटी सरिए का दाम पांच हजार रुपए प्रति टन तक बढ़ा दिया है। यूक्रेन संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से घरेलू निर्माताओं ने इस्पात के दाम बढ़ाए हैं। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ दिनों में इस्पात की कीमतों में वृद्धि की गई है और आने वाले हफ्तों में रूस-यूक्रेन के बीच सैन्य संघर्ष गहराने के साथ इसकी कीमत में और वृद्धि होने के आसार है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि कीमतों में बदलाव के बाद एचआरसी का भाव 66,000 रुपए प्रति टन पर पहुंच गया है। इसी तरह टीएमटी की कीमत लगभग 65,000 रुपए प्रति टन पर आ गई है। एक इस्पात कंपनी के अधिकारी ने बताया कि इस्पात की कीमतों में कुछ हफ्ते पहले की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वही कोकिंग कोल की कीमत 500 डॉलर प्रति पर पहुंच गई है। गौरतलब है कि भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत कोकिंग कोल आयात के जरिए पूरा करता है। कोकिंग कोल कच्चा माल बनाने वाला एक प्रमुख इस्पात है। यह ज्यादतर ऑस्ट्रेलिया के आयत किया जाता है और कुछ हिस्सा दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से ⁄2393रीदा जाता है।

डेटा संरक्षण विधेयक को लेकर वैश्विक उद्योग निकायों ने जताई आशंका

भाषा। नई दिल्ली

संसदीय समिति की सिफारिशों के अनुरूप प्रस्तावित डेटा संरक्षण विधेयक लागू होने से भारत के कारोबारी माहौल में बड़ी गिरावट आने के साथ विदेशी निवेश प्रवाह भी प्रभावित होगा। वैश्विक उद्योग संगठनों ने यह आशंका जताई है। इन उद्योग संगठनों ने सरकार को लिखे एक संयुक्त पत्र में कहा है कि डेटा संरक्षण विधेयक को संसद में पेश किए जाने के पहले इसके मसौदे पर संबंधित पक्षों के साथ अभी व्यापक विचार–विमर्श करने की जरूरत है। गत एक मार्च को भेजे गए इस पत्र में वैश्विक उद्योग निकायों ने कहा है कि डेटा संरक्षण विधेयक पर संसदीय समिति की रिपोर्ट में की गई अनुशंसाएं लागू किए जाने पर भारत के नवोन्मेष परिवेश पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में उद्योग संगठनों ने यह आशंका भी जताई है कि भारत में एक लाख करोड़ डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के वादे का भी पूरा हो पाना मुश्किल हो जाएगा। अमेरिका, जापान, यूरोप, दक्षिण–पूर्व एशिया और भारत से जुड़े इन उद्योग संगठनों के साथ गूगल, अमेजन, सिस्को, डेल, सॉफ्टबैंक और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियां जुड़ी हुई हैं। उद्योग निकायों का कहना है कि इस प्रस्तावित अधिनियम को लेकर गैर–व्यक्तिगत आंकड़ों को भी इस कानून की जद में लाना, सीमापार जानकारी भेजने पर पाबंदी, आंकड़ों के स्थानीय स्तर पर रखे जाने संबंधी शर्तों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सॉफ्टवेयर प्रमाणन से जुड़ी आशंकाएं पैदा होती हैं।

स्मार्ट पावर, अडाणी सोलर ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को देंगे बढ़ावा

नई दिल्ली। स्मार्ट पॉवर इंडिया (एसपीआई) और अडाणी सोलर के बीच उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और ओडिशा के ग्रामीण इलाकों में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए समझौता हुआ है। एसपीआई ने शुक्रवार को यह कहा। एसपीआई अमेरिका के रॉकेफेलर फाउंडेशन की अनुषंगी है जबकि अडाणी सोलर अडाणी समूह की सौर फोटोवोल्टिक विनिर्माण इकाई है। स्मार्ट पावर इंडिया ने एक बयान में कहा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और ओडिशा राज्यों के ग्रामीण इलाकों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अडाणी सोलर के साथ गैर–वित्तीय और गैर–वाणिज्यिक करार किया गया है। अडाणी सोलर के प्रमुख (खुदरा) सेसिल अगस्टाइन ने कहा, हमारे पास साझेदारों का बड़ा नेटवर्क है जिसे एसपीआई के व्यापक अनुभवों का लाभ मिलेगा।

सोना 75 रुपए मजबूत चांदी 453 रुपए टूटी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में स्थिरता के रुख तथा रुपए के कमजोर होने से दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 75 रुपए की तेजी के साथ 51,863 प्रति दस ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 51,788 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 453 रुपए की गिरावट के साथ 67,996 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 68,449 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। रूस और यूक्रेन में तनाव बढ़ने के बीच कच्चा तेल मूल्यों में तेजी को लेकर निवेशकों की चिंता बढ़ने से शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 11 सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों बहुमूल्य धातु क्रमशः 1,936 डॉलर प्रति औंस 25.40 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, शुक्रवार को न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत 1,936 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित। रही। अमेरिकी बांड प्रतिफल में गिरावट के साथ साथ मुद्रास्फीति को लेकर चिंता से सोने को समर्थन मिला। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के जिंस शोध विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवनीत दमानी के मुताबिक, यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर रूस के हमले के बाद निवेशक निवेश के सुरक्षित विकल्प अपना रहे हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.425 अरब डॉलर घटा

मुंबई। मुद्रा परिसंपत्तियों में गिरावट आने के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 1.425 अरब डॉलर घटकर 631.527 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पूर्व सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.762 अरब डॉलर बढ़कर 632.952 अरब डॉलर हो गया था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के घटने की वजह से हुई। आंकड़ों के अनुसार 18 फरवरी को समाप्त सप्ताह में एफसीए 2.228 अरब डॉलर घटकर 564.832 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और एन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा के मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में सोने के भंडार में तेजी जारी रही। समीक्षाधीन सप्ताह में 95.8 अरब डॉलर बढ़कर 42.467 अरब डॉलर हो गया।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियां फरवरी में आंशिक रूप से सुधरीं: सर्वेक्षण

नई दिल्ली। भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां फरवरी में मांग बढ़ने और महामारी से जुड़े जोखिम कम होने की वजह से आंशिक रूप से बढ़ गईं। हालांकि प्रसार की दर जुलाई के बाद सबसे सुस्त रहीं। शुक्रवार को जारी एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2022 में सेवा कारोबार गतिविधि सूचकांक 51.8 पर पहुंच गया जो जनवरी में 51.5 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के 50 से ऊपर रहने का मतलब गतिविधियों में प्रसार है जबकि 50 से नीचे होने पर संकुचन होता है। आईएचएस मार्किट के इस सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने स्थिति में सुधार का श्रेय बेहतर मांग हालात और महामारी का खतरा कम होने को दिया है। रिपोर्ट कहती है, यह वृद्धि ऐतिहासिक मानकों से नरम रही, कुछ कंपनियों ने प्रतिस्पर्द्धी दबावों, कोविड–19 और ऊंची कीमतों से वृद्धि प्रभावित होने के संकेत दिए।

मौद्रिक नीति अपेक्षाओं के प्रबंधन की कला: आरबीआई गवर्नर

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भू–राजनीतिक तनावों से मुद्रास्फीति को लेकर बढ़ती चिंता के बीच प्रभावी संचार रणनीति की जरूरत पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि मौद्रिक नीति उम्मीदों के प्रबंधन की कला है। दास ने राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) में एक व्याख्यान देते हुए कहा कि अर्थव्यवस्थाओं और बाजारों के विकास के साथ भारत समेत दुनिया भर में मौद्रिक नीति के संचालन में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि एक जटिल आर्थिक प्रणाली में अर्थव्यवस्था के विभिन्न पक्षों के बीच संपर्क के तरीके को लेकर नीति निर्माताओं की समझ गहरी हुई है। दास ने कहा, मौद्रिक नीति आकांक्षाओं का प्रबंधन करने की कला है। ऐसे में केंद्रीय बैंकों को

न केवल घोषणाओं और कार्यों के माध्यम से, बल्कि वांछित सामाजिक परिणाम प्राप्त करने के लिए अपनी संचार–संवाद रणनीतियों के निरंतर सुधार के माध्यम से भी बाजार की अपेक्षाओं को आकार देने और उन्हें स्थिर करने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि संचार दोतरफा काम करता है। एक तरफ, संचार की अति होने से बाजार में भ्रम की स्थिति बन सकती है, वहीं बहुत कम संचार होने से केंद्रीय बैंक के नीतिगत उद्देश्यों को लेकर अटकलें शुरू हो सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि संचार के साथ–साथ आनुपातिक कदम उठाकर समर्थन देने की भी जरूरत है ताकि विश्वसनीयता पैदा हो और नीतियों के प्रति व्यापक भरोसा हो। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के बैठक के ब्योरे जारी करने के अलावा विकासात्मक एवं नियामकीय कदमों पर संवाददाता सम्मेलनों, भाषणों एवं अन्य प्रकाशनों के जरिए संचार स्थापित करने में सक्रियता दिखाई है। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति उद्देश्यों की नाकामी को औसत प्रमुख उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति के लगातार तीन तिमाहियों तक 2–6 फीसदी के दायरे में न रहने के आधार पर परिभाषित किया गया है।

हर साल 12,000 फ्लैट आवंटित करने का लक्ष्य: रियल एस्टेट फंड

भाषा। नई दिल्ली

रियल्टी क्षेत्र के लिए 25,000 करोड़ रुपए के सरकार–समर्थित सहायता फंड का प्रबंधन करने वाली एसबीआईकैप वेंचर्स ने अगले तीन साल में स्थगित परियोजनाओं के सालाना 12,000 फ्लैट पूरा कर आवंटित करने का लक्ष्य बनाया है। एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड के मुख्य निवेश अधिकारी (स्वामिह निवेश कोष) इरफान ए काजी ने शुक्रवार को उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस निवेश कोष के तहत अगले तीन वर्षों में हर साल 12,000 फ्लैट का निर्माण पूरा कर खरीदारों को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने नवंबर 2020 में रियल एस्टेट क्षेत्र में अटकी पड़ी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने में मदद देने के इरादे से 25,000 करोड़ रुपए के आकार का यह कोष गठित किया था। किफायती एवं मध्यम–आय वर्ग आवासीय परियोजनाओं की विशेष खिड़की (स्वामिह) नाम वाले इस निवेश कोष से देश भर में 1,500 से अधिक अटकी हुई आवासीय परियोजनाओं का काम पूरा करना है। इनमें 4.58 लाख आवासीय इकाइयों का निर्माण होना है। काजी ने कहा कि इस कोष से 42 शहरों में अटकी हुई परियोजनाओं को मदद मुहैया कराई गई है। इनका काम पूरा होने से अगले तीन वर्षों में हर साल 12,000 आवासीय इकाइयों को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। इन आवासीय परियोजनाओं का निर्माण बीच में ही रुक जाने से लाखों घर खरीदारों को बेहद मुश्किल हालात का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह के बारे में पूछे जाने पर काजी ने कहा कि रियल एस्टेट कंपनियां, घर खरीदार और कर्ज देने वाली एजेंसियां इसके लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं।

पेज एक का शेष

यूरोप के...

घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया। कोनाशेनकोव ने दावा किया कि एक यूक्रेनी विध्वंसक समूह ने संयंत्र में मौजूद प्रशिक्षण केंद्र पर कब्जा करने के बाद रूसी गश्ती दल पर गोलीबारी की और उसके वहां से हटते ही इमारत में आग लगा दी। हमले में जापोरिज्जिया पमाणु संयंत्र का कौन–सा हिस्सा प्रभावित हुआ है, इसे लेकर पहले अलग–अलग तरह की खबरें आ रही थीं। एक अधिकारी ने कहा था कि रूसी गोले सीधे संयंत्र पर गिरे, जिससे वहां मौजूद एक निष्क्रिय रिएक्टर तथा प्रशासनिक प्रशिक्षण केंद्र की इमारत में आग लग गई। हालांकि, बाद में ग्रॉसी ने स्पष्ट किया कि आग प्रशिक्षण केंद्र में लगी थी। आईएईए प्रमुख के अनुसार, हमले के चलते जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र से विकिरण फैलने की कोई सूचना नहीं है और आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। उन्होंने बताया कि आग में घटनास्थल पर मौजूद दो लोग घायल हुए हैं। ग्रॉसी के मुताबिक, जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र के छह रिएक्टर में से महज एक काम कर रहा है, वो भी लगभग 60 फीसदी क्षमता के साथ। वहीं, यूक्रेन के सरकारी परमाणु संयंत्र संचालक एनरहोआतम ने कहा कि हमले में तीन यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। संयंत्र परिसर में आग तब लगी, जब रूसी सेना यूक्रेन को समुद्र मार्ग से काटने की कोशिश में नीपर नदी पर बसे एक रणनीतिक शहर की तरफ बढ़ी, जहां यह संयंत्र स्थित है।

रूस-यूक्रेन...

में फ्रांस, जर्मनी, जापान, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। परिषद ने ट्वीट में बताया कि यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्वाई के परिणामस्वरूप मानवाधिकार परिषद ने तत्काल एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग गठित करने का निर्णय लिया है। भारत ने पिछले एक सप्ताह के दौरान 15 देशों की सुरक्षा परिषद में यूक्रेन पर दो प्रस्तावों और 193 सदस्यीय महासभा में एक प्रस्ताव पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया है। 193 सदस्यीय महासभा ने बुधवार को यूक्रेन की संप्रभुता, स्वतंत्रता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करने के लिए मतदान किया और यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता की कड़े शब्दों में निंदा की। इसमें मांग की गई कि मास्को पूरी तरह से और बिना शर्त यूक्रेन के क्षेत्र से अपने सभी सैन्य बलों को वापस हटा ले। भारत ने प्रस्ताव पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जिसके पक्ष में 141 मत पड़े जबकि पांच वोट इसके खिलाफ डाले गए और कुल 35 सदस्यों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

भागलपुर में...

में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि प्रशासन राहत और बचाव कार्य में लगा हुआ है और घायलों को हर संभव सहायता मुहैया कराई जा रही है। मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने घटना के संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बात की है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

मोदी के...

तौर पर मौजूद रहे। शाम साढ़े छह बजे पीएम का काफिला ज्ञानवापी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र पहुंचा तो मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की तैयारी पहले ही पूरी कर ली गई थी। पीएम के उत्तरी द्वार से मंदिर पहुंचने के साथ ही अर्चकों ने पूजा अर्चना शुरू कर दी। इस दौरान पीएम ने मंदिर परिसर में कुछ पल भी बिताए। शाम होने के बाद पीएम के चेहरे पर श्वेत रोशनी कर दी गई ताकि लोग उनको अंधेरे में देख सकें। वहीं बाबा दरबार परिक्षेत्र में पीएम का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया। मणिकर्णिका द्वार पर स्वागत के लिए ओम चौधरी भी पहुंचे। काशी विश्वनाथ मंदिर कारिडोर परिक्षेत्र में काफिला पहुंचा तो डमरू और नगाड़ों के साथ पीएम का स्वागत सांस्कृतिक दलों की ओर से किया गया।

यूक्रेन से...

सूत्र ने कहा कि वर्तमान में विदेशी मेडिकल छात्रों को समायोजित करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के नियमों के तहत कोई मानदंड और नियम नहीं हैं। जिनको अकादमिक सत्र के बीच में भारत लौटने पर भारतीय मेडिकल कॉलेजों में समायोजित किया जा सके। सूत्र ने कहा कि ऐसी असाधारण स्थितियों को ध्यान में रखते हुए मानवीय आधार पर इस मुद्दे की समीक्षा के साथ सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। यूक्रेन में एमबीबीएस कोर्स छह साल का और इंटर्नशिप प्रोग्राम दो साल का है। जो भारत के निजी मेडिकल कॉलेजों की तुलना में काफी किफायती है।

पूर्व पंजाब...

राहत कैसे दी जा सकती है। न्यायालय सैनी को गिरफ्तार करने जैसे बलपूर्वक कार्य से संरक्षण देने के उच्च न्यायालय के आदेशों के खिलाफ पंजाब सरकार की अपील पर सुनवाई कर रहा है। सैनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि पूर्व पुलिस अधिकारी को सम्मानित किया गया और उन्होंने आतंकवाद से लड़ाई लड़ी और राज्य सरकार ने उनके खिलाफ आधा दर्जन मामले दर्ज किए हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि चाहे जो भी हो, ऐसा कोई भी आदेश नहीं दिया जा सकता। पीठ में शामिल किसी भी न्यायाधीश ने अपने जीवन मैं ऐसा हैरान करने वाला आदेश नहीं देखा। पंजाब के महाधिवकता डी एस पटवालिया की दलीलों पर गौर करते हुए पीठ ने कहा, हम एक काम करेंगे कि हम उच्च न्यायालय से मामले की दो हफ्तों में अपने समक्ष या किसी अन्य पीठ के समक्ष सुनवाई का अनुरोध करेंगे। आदेश में कहा गया है, मामले के अजीबोगरीब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, हम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से खुद मामले पर सुनवाई करने या किसी अन्य पीठ के समक्ष इसे भेजने का अनुरोध करते हैं। गौरतलब है कि उच्च न्यायालय ने 10 सितंबर 2021 को इस साल फरवरी में पंजाब विधानसभा चुनाव होने तक सैनी के खिलाफ लंबित सभी मामलों में उनकी गिरफ्तारी या उनके खिलाफ मामला दर्ज करने पर रोक लगा दी थी।

ऐलान के...

इस खाई को पाटने का काम करेगी। यह पूरे विश्व में टीचर एजुकेशन के क्षेत्र में एक ब्रांड के रूप में उभरेगी, जहां उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण देने के साथ–साथ नए विचार और प्रयोगों के आदान–प्रदान के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से जोड़ा जाएगा। यहां यह सुनिश्चत किया जाएगा कि ट्रेनीज 30 से 50 फीसदी समय स्कूलों में बिताएं और काम करते–करते सीखें। दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी में एक अनूठा प्रकोष्ठ भी स्थापित किया जाएगा जो सभी स्कूलों में जाकर बच्चों को शिक्षक बनने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मनीष सिसोदिया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी देश में सबसे तेजी के साथ शुरू होने वाली यूनिवर्सिटी है, जहां बीते 4 जनवरी को विधानसभा में इसका कानून पास होने के मात्र दो महीने के भीतर ही कागजी कार्यवाही, उपकुलपति का चयन सहित सभी कार्य पूरे हो गए।

विश्वविद्यालय की...

व विजिट के माध्यम से ट्रेनीज को इंटरनेशनल एजुकेशन सिस्टम का, जीवन विद्या में माध्यम से ट्रेनीज की पर्सनालिटी का होलिस्टिक डेवलपमेंट, बेहतर नागरिक गुण विकसित करने के लिए ट्रेनीज को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार करना ट्रेनीज को एजुकेशनल लीडर्स, प्लानर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स के रूप में तैयार करना जो शिक्षा को समावेशी और व्यापक बनाने की पहल के साथ देश का मार्गदर्शन करेंगे।

सिर्फ सरकार...

पर निशाना साधते हुए कहा, क्या अब चिन्तित हो चुके लोगों की भाषा और व्यवहार नहीं बदला है? अब आप उनके चेहरे पर हार देख सकते हैं। वे न केवल निराश हैं बल्कि उन्होंने सपा नेताओं का अपमान करना शुरू कर दिया है क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि लोग अब भाजपा के साथ नहीं हैं। उन्होंने कहा, छठे चरण का मतदान हो चुका है, सातवें चरण का मतदान होने वाला है और मैं यहां आपका समर्थन लेने आया हूं। मुझे उम्मीद है कि जिस भी सीट से सपा और गठबंधन के एसबीएसपी उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं वहां आप उनकी जीत सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश का सबसे बड़ा चुनाव होने जा रहा है और यह न केवल उप्र में सरकार चुनने के लिए है बल्कि भारत के संविधान, भारत के लोकतंत्र को बचाने के लिए भी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा और उसके नेताओं पर झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने यहां गठबंधन के उम्मीदवारों के साथ मंच साझा किया, जिसमें बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी भी शामिल थे।

यूक्रेन के 12 लाख लोगों ने ली दूसरी देशों में शरण ली

सदी का सबसे बड़ा शरणार्थी संकटः संरा

एपी। मेदिका (पोलैंड)

यूक्रेन से लगभग 12 लाख लोग दूसरे देशों में शरण ले चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय आव्रजन संगठन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि यह इस सदी का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट हो सकता है। जिम प्रशिक्षक लुदमिला सोकोल 14 मील पैदल चलकर यूक्रेन की सीमा पर पहुंचीं, जहां वह कपड़ों और अन्य निजी सामान का ढेर देखकर भावुक हो गईं। यह (सामान) युद्ध की वजह से यूक्रेन से जाने वाले लोग छोड़ गए हैं। सोकोल ने पेरिस में अपनी एक पूर्व जिम प्रशिक्षक के घर में आसरा खोजा है। पूर्व जिम प्रशिक्षक उनके लिए दूसरी मां की तरह हैं और उनसे सबसे पहले वह बचपन में मिली थी। सोकोल ने कहा कल पता नहीं क्या होगा, लेकिन एक चीज जो मैं जानती हूं वह है कि सबकुछ ठीक होगा क्योंकि विक्टोरिया एंड्रीवाना उनके करीब हैं। संयुक्त राष्ट्र का पूर्वानुमान है कि करीब 40 लाख लोग अंततः यूक्रेन छोड़कर जा सकते हैं। यूरोपीय संघ ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन छोड़कर जाने वालों को अस्थाई संरक्षण और आवास अनुमति देने का फैसला किया था। संयुक्त राष्ट्र की बाल कल्याण एजेंसी ने कहा कि रूस के हमले के पहले सप्ताह में यूक्रेन में करीब पांच लाख बच्चों को अपने घरों को छोड़कर जाना पड़ा है।

रूसी हमले के शिकार यूक्रेनी परमाणु संयंत्र से विकिरण स्त्राव नहीं

एपी। कीव

यूक्रेन में रूसी हमले का शिकार हुए यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र से विकिरण स्त्राव की कोई सूचना नहीं है और दमकल कर्मियों ने परिसर में लगी आग पर काबू पा लिया है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और यूक्रेन के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने बताया कि रूस ने यूक्रेन के जापोरिज्जिया पमाणु संयंत्र को निशाना बनाकर जो गोले दागे थे, वे रिएक्टर के बजाय परिसर में मौजूद प्रशासनिक प्रशिक्षण केंद्र से टकराए थे। ग्रॉसी के साथ-साथ स्वीडन से लेकर चीन तक के परमाणु अधिकारियों ने कहा कि संयंत्र से विकिरण स्त्राव की कोई खबर नहीं है। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा है कि रूसी सैनिकों ने पूरे परिसर पर कब्जा कर लिया था, लेकिन संयंत्र के कर्मचारी इसका संचालन सुनिश्चित करने की कोशिशों में जुटे हैं। ग्रॉसी ने कहा कि संयंत्र पूरी तरह से यूक्रेन के नियंत्रण में है। रूसी हमले के बाद जब शुरुआत में विकिरण स्त्राव की बात स्पष्ट नहीं थी, तब दुनियाभर में यूक्रेन के चेरनोबिल में हुई सबसे भीषण परमाणु त्रासदी की यादें ताजा हो गईं। पूरी दुनिया के हमले की निंदा करने के मद्देनजर रूस इससे पल्ला झाड़ते नजर आया। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने कोई सबूत पेश किए बिना रूसी गोलों के बजाय आगजनी को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया। कोनाशेनकोव ने दावा किया कि एक यूक्रेनी विध्वंसक समूह ने संयंत्र में मौजूद प्रशिक्षण केंद्र पर कब्जा करने के बाद रूसी गश्ती दल पर गोलीबारी की और उसके वहां से हटते ही इमारत में आग लगा दी। हमले में जापोरिज्जिया पमाणु संयंत्र का कौन-सा हिस्सा प्रभावित हुआ है, इसे लेकर पहले अलग-अलग तरह की खबरें आ रही थीं। एक अधिकारी ने कहा था कि रूसी गोले सीधे संयंत्र पर गिरे, जिससे वहां मौजूद एक निष्क्रिय रिएक्टर तथा प्रशासनिक प्रशिक्षण केंद्र की इमारत में आग लग गई। हालांकि, बाद में ग्रॉसी ने स्पष्ट किया कि आग प्रशिक्षण केंद्र में लगी थी। आईएईए प्रमुख के अनुसार, हमले के चलते जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र से विकिरण फैलने की कोई सूचना नहीं है और आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। उन्होंने बताया कि आग में घटनास्थल पर मौजूद दो लोग घायल हुए हैं। ग्रॉसी के मुताबिक, जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र के छह रिएक्टर में से महज एक काम कर रहा है, वो भी लगभग 60 फीसदी क्षमता के साथ। वहीं, यूक्रेन के सरकारी परमाणु संयंत्र संचालक एनरहोआतम ने कहा कि हमले में तीन यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। संयंत्र परिसर में आग तब लगी, जब रूसी सेना यूक्रेन को समुद्र मार्ग से काटने की कोशिश में नीपर नदी पर बसे एक रणनीतिक शहर की तरफ बढ़ी, जहां यह संयंत्र स्थित है। यह कदम यूक्रेनी अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका होगा और पहले से ही गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहे देश में स्थिति और बिगाड़ सकता है।

यूक्रेन चाहता है कि पुतिन के खिलाफ जांच विशेष न्यायाधिकरण करे

लंदन। यूक्रेन की सरकार और एक पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री इस बात पर जोर दे रहे है कि यूक्रेन पर हमले के मामले मे एक विशेष अपराध न्यायाधिकरण मे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके सहयोगियों पर मुकदमा चलाया जाए। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन ने कहा कि हमलो के अपराध की जांच के लिए एक अधिकरण बनाने की मांग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजियो पर न्यायाधिकरणो मे मुकदमा चलाए जाने के मामलो पर आधारित है। नीदरलैंड स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत यूक्रेन मे युद्ध अपराध के आरोपो पर रूस के खिलाफ आरोपो की जांच कर रही है। ब्राउन ने कहा कि रूस द्वारा हमले के इस कृत्य को बिना जांच, बिना अभियोजन और बिना दंड के नही छोड़ा जा सकता। उन्होने कहा, पुतिन को न्याय के कटघरे मे आना ही होगा। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने न्यायाधिकरण मे मुकदमा चलाने की अपील का स्वागत किया। इस अपील को दुनियाभर के कानून विशेषज्ञ और अकादमिक क्षेत्र के लोग समर्थन दे रहे है। कुलेबा ने लंदन में हुई एक बैठक को यूक्रेन मे रहते हुए डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा, हम ऐसे शत्रु से लड़ रहे है जो हमसे बहुत अधिक शक्तिशाली है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय कानून हमारे साथ है। रूस के आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की मदद करने के लिए जापान उसे बुलेटप्रूफ वेस्ट, हैलमेट तथा अन्य रक्षा आपूर्ति भेज रहा है। जापान संघर्ष की स्थिति मे देशो को रक्षा आपूर्ति नही भेजने के सिद्धांत पर चलता है, ऐसे में उसका यह कदम दुर्लभ है। मुख्य मंत्रिमंडल सचिव हिरोकाजू मातसूनो ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि सामान भेजने समेत अन्य साजो-सामान संबंधी जानकारी तय हो चुकी है। इस बारे मे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद मे निर्णय लिया गया था। उन्होने बताया कि बुलेटप्रूफ वेस्ट, हैलमेट, टैंट के अलावा जनरेटर, भोजन, सर्दियो के कपड़े और चिकित्सा आपूर्ति भी भेजी जाएगी। बर्लिन- चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि जर्मनी और उसके साझेदार इस बात को मानते है कि यूक्रेन के एक परमाणु संयंत्र मे लगी आग से जनता को कोई जोखिम नही है। ब्रसेल्स- नाटो के महासचिव जीन्स स्टोल्टेनबर्ग ने दक्षिण पूर्वी यूक्रेन में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर रूस के हमले की निंदा की है और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अपील की है कि यूक्रेन से अपने सैनिको को बाहर निकाले।

नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने परमाणु संयंत्र पर हमले को पागलपन कहा

कोपेनहेगन। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा कि रूसी गोलाबारी जिसके कारण यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र में आग लगी, वह पागलपन का प्रमाण है। यूक्रेन के एनेर्होदार शहर मे स्थित जपोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र मे लगी आग को शुक्रवार सुबह काबू कर लिया गया। यूक्रेन के अधिकारियो के अनुसार क्षेत्र मे विकिरण का स्तर खतरनाक स्तर तक नही पहुंचा है। गहर स्टोर ने नॉर्वे के प्रसारक एनआरके से कहा कि यदि संयंत्र में रिसाव हो जाए, तो यह करीब 48 घंटे मे नॉर्वे पहुंच जाएगा। लिथुआनिया मे, राष्ट्रपति गिटेनेस नौसेदा ने यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा संयंत्रो पर रूसी सेनाओं द्वारा किए गए हमलो को परमाणु आतंकवाद करार दिया और रूस के परमाणु अपराधो के लिए तत्काल अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया का आह्वान किया।

यूक्रेन को रक्षा आपूर्ति कर रहा है जापान

तोक्या। यूक्रेन को रूस के हमलो के खिलाफ लड़ने मे मदद पहुंचाने के लिए जापान उसे बुलेटप्रूफ जैकेट, हेलमेट और अन्य रक्षा संसाधनो की आपूर्ति कर रहा है। जापान ने युद्धग्रस्त देशो को रक्षा आपूर्ति नही भेजने के अपने सिद्धांत के विपरीत यह दुर्लभ कदम उठाया है। मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजू मातसूनो ने शुक्रवार को संवाददाताओ से कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के फैसले के बाद अन्य साजो-सामान संबंधी विवरण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यूक्रेन के अनुरोध पर रक्षा सामग्री भेजी जा रही है। मातसूनो ने कहा कि अपने सिद्धांत के अनुरूप जापान केवल गैर-घातक सामग्री भेज रहा है।

मैक्रों फिर से राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ेंगे

एपी। पेरिस

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों ने औपचारिक एलान किया कि वह अप्रैल में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में दूसरे कार्यकाल के लिए लड़ेंगे। मध्यमार्गी नेता मई 2017 में राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हुए थे। उन्हें अपने देश और दुनिया में कई बड़े संकटों का सामना करना पड़ा। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 2019 की गर्मियों में यूक्रेन के साथ शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के मकसद से फ्रेंच रिवेरा में अपने आवास पर आमंत्रित किया था। उस समय उन्होंने यूक्रेन के साथ संघर्ष का समाधान निकालने की शर्त पर रूस और यूरोपीय संघ के बीच दीर्घकालीन संबंधों की कल्पना की थी। हालांकि, यह रणनीति काम नहीं आई। ढाई साल बाद रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। मैक्रों पिछले महीने पुतिन से मुलाकात करने के लिए मॉस्को गए थे लेकिन यह सब काम नहीं आया। फ्रांस के पास अभी यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता है, जिससे मैक्रों की यूक्रेन संघर्ष पर 27 देशों के इस संघ की प्रतिक्रिया में अहम भूमिका है। फ्रांस की मीडिया वेबसाइट्स पर बृहस्पतिवार को प्रकाशित पत्र में मैक्रों ने कहा, मैं एक बार फिर आपका विश्वास मांग रहा हूं। मैं सदी की चुनौतियों का सामना कर रहे आप लोगों के साथ नई चीजें तलाशने वाला उम्मीदवार हूं।

PUBLIC NOTICE

This is to inform public at large 60% of House No. G13/3 DLF Phase I, Qutab Enclave Complex, Distt. Gurgaon, Haryana was registered in the name of Late Smt. Ramrati Sharma wife of Late Shri Balbir Singh Sharma resident of S-110 Mall Apartments, SFS Flats, Mall Road, Delhi 110054 who has expired on 28/10/2016 leaving behind no Will and accordingly the name of Shri Ajay Vats is being noted in DLF's record in respect of the captioned house. If anybody has any objection to this, he or she may approach Ms. DLF Ltd or the undersigned within 21 days of publication of this notice.

Simarjit Singh (Advocate)
M:9810801674 Enrol No : P360/2017
District Courts, Gurugram (HR)

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री विजय कुमार यादव पुत्र श्री बाबूलाल यादव 16524.56 वर्ग गज क्षेत्र के फ्रीहोल्ड आवासीय भूखंड के मालिक हैं। गज यानी 13816.64 वर्ग मीटर, खसरा नं. 835 और 836, ग्राम धिधोली, परगना जलालाबाद, तहसील मोदीनगर, जिला गाजियाबाद, यूपी में स्थित है। बिक्री विलेख दिनांक 27.01.2021 के तहत पंजीकृत के रूप में। संख्या 1461 जन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा करोल बाग दिल्ली द्वारा विज्ञापित किया जाना मूल बिक्री विलेख दस्तावेज क्रमांक 13600, दिनांक 24.12.2007 को पुस्तक संख्या 1 में, और मूल बिक्री विलेख दस्तावेज क्रमांक 13602, पुस्तक क्रमांक 1 में दिनांक 24.12.2007 को एसआर-मोदी नगर के कार्यालय में उक्त संपत्ति के संबंध में गुम हो गया है और 03.03.2022 को पुलिस में **प्राथमिकी संख्या 183261/2022** दर्ज की गई है। स्टेशन क्राइम ब्रांच दिल्ली।
यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त संपत्ति पर कोई दावा है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमें इस नोटिस की तारीख से 14 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें। अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा की किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।

राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.: +91-8076188328

Public Notice

This is to inform general public that Sh. Rajender Kumar Sharma has acquired the One built up Property no. D 99 Land area measuring 100 sq Yds out of Khasra no. 305/212/2 situated at Ahadi of South Ganesh Nagar in the area of Village Shakarpur Khas Illaqa Shahdara, Delhi-110092on POA basis vide registered Irrevocable GPA, ATS and Will dated 31.05.2006, executed by Smt. Shakuntla Devi, and Now,Sh. Rajender Kumar Sharma is intending to sell the above said property to Mrs. Priyanka Kumari vide Sale Deed. Further Mrs. Priyanka Kumari is mortgaging the above said property with Fullerton India Home Finance Co. Ltd.& in case anyone has any objection, the same may be raised within 07 days of this publication to Mr. Muneesh Dhawan/ Mr. Sudhir Jain (Advocates), Law Veritas, Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at 9066707172/9818228636 (M).

Public Notice

Notice is hereby given to the General Public that the original Conveyance Deed No. 5356 dated 08/08/2017 bearing Registration No. G0B2017F569, dated 02/06/2017, executed between M/s. Puri Construction Pvt. Ltd. (The Company) and Ms. **Anchal Vaid** (The **Allottee**) for the property bearing addressed at Flat No. **Tower A3-302 situated at Diplomatic Greens, Sector 110A & 111, Gurugram, Haryana-122017,** has been lost/ misplaced. All General Public is hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone except above stated allottee on the basis of the said missing document, If anyone has found the original conveyance deed then already carried out or being carried out kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 7 days.

Address:-
Puri Constructions Pvt. Ltd. (Marketing Office), 11 – 12 A, Ground Floor, Tolstoy House, 15 & 17 Tolstoy Marg, New Delhi 110001
Dated:- 05.03.2022

सार्वजनिक सूचना

ओरीजनल सेल डीड जो कि दयानन्द शाह पुत्र स्व0 बदबाह शाह के द्वारा सोमनाथ पुत्र श्री रामेश्वर शाह के पक्ष में आवासीय प्लाट एरिया 25 गज यानी 20.90 स्क्यार मीटर खासरा सं0-302, प्रशान्त विहार ग्राम खोडा परगना लोनी, तहसील व जि0 गाजियाबाद उ0प्र0 रजिस्टर्ड आफिस एसआर-2 गाजियाबाद, दस्तावेज नं0- 5816, बुक नं0-825 पेज सं0-132-135 दिनांक-10.10.2001 है जो कि खो गया है। जिसके लिए मैं विज्ञापन दे रही हूँ।

शपर्थकर्ता
आशा कुमारी
पत्नी श्री गगन किशोर ठाकुर

ब्रिटेन में पहली स्मार्ट जेल खुली

लंदन। ब्रिटेन में शुक्रवार को पहली स्मार्ट जेल खोली गई जिसे आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ डिजाइन किया गया है और इससे अपराध कम होने की उम्मीद जताई गई है। मध्य इंग्लैंड के नॉर्थेंपटनशायर के वेलिंगबोरो में हर मजेस्टी कारावास (एचएमपी) फाइव वेल्स की कोठरियों को कमरे कहा जाएगा और इसमें रहने वाले कैदियों को पुनर्वास प्रक्रिया के तहत रहवासी पुकारा जाएगा। इस कारावास में ।,700 कैदियों को रखा जा सकता है जहां एक जिम, स्नूकर टेबल, टेबल टेनिस और कौशल प्रदान करने के लिहाज से कम्प्यूटर टेबलेट भी होंगे। ब्रिटेन के न्याय विभाग ने कहा कि यह देश की पहली जेल है जिसमें कैदियों की रिहाई के बाद उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण प्रदान करने और रोजगार दिलाने का मकसद रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के उपायों से अपराध कम होने और अपराधियों के रिहा होने के बाद उनके जुर्म की दुनिया में लौटने की आशंका कम होगी।

पेशावर की शिया मस्जिद में जुमे की नमाज़ के दौरान विस्फोट, 35 की मौत, 80 जख्मी

भाषा। पेशावर

पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी शहर पेशावर में जुमे (शुक्रवार) की नमाज़ के दौरान एक शिया मस्जिद में शक्तिशाली आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और 80 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। यह अफगानिस्तान की सरहद से लगते अशांत प्रांत में सबसे घातक हमलों में से एक है।

एक बचाव अधिकारी ने बताया कि विस्फोट किस्सा ख्वानी बाजार इलाके में स्थित जामिया मस्जिद में उस वक्त हुआ जब लोग जुमे की नमाज अदा कर रहे थे। विस्फोट की जिम्मेदारी किसी भी समूह ने फौरन नहीं ली है। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, लेडी रीडिंग अस्पताल के मीडिया प्रबंधक आसिम खान ने बताया कि अब तक अस्पताल में 30 शव लाए गए हैं। मृतक संख्या में इज़ाफा हो सकता है। अखबार के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वाह के मंत्री कामरान बंगश ने कहा है कि कम से कम 80 लोग जख्मी हुए हैं। मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए पेशावर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (अभियान) हारून रशीद खान ने कहा कि हमला आत्मघाती विस्फोट था। उन्होंने कहा कि दो हमलावर थे जिनमें से सिर्फ एक ही आत्मघाती था। अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है और छुट्टी पर गए डॉक्टरों को ड्यूटी के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 10 घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। राजधानी शहर पेशावर के पुलिस अधिकारी एजाज़ अहसन ने बताया कि दो हमलावरों ने मस्जिद में घुसने की कोशिश की और वहां तैनात पुलिस कर्मियों पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि इसमें एक पुलिस कर्मी की मौत हो गई है जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। अहसन ने बताया कि गोलीबारी के बाद विस्फोट हुआ। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने विस्फोट की निंदा करते हुए इसमें जन हानि पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने पेशावर में हुए विस्फोट की कड़ी निंदा की जबकि गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने प्रांत के मुख्य सचिव और पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) से घटना पर रिपोर्ट मांगी है। खैबर पख्तूनख्वाह के मुख्यमंत्री महमूद खान ने विस्फोट की निंदा करते हुए इस जघन्य कृत्य के गुनाहगारों को इंसाफ के दायरे में लाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि इबादतगाहों में लोगों को निशाना बनाना अमानवीय और ज़ालिम कृत्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों का बेहतरीन इलाज सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अफगानिस्तान की सीमा से लगते प्रांत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए अपने सरकारी आवास पर एक आपात बैठक की है। पीएमएल-एन के प्रमुख और राष्ट्रीय असेम्बली में विपक्ष के नेता शहबाज़ शरीफ ने ट्वीट किया, पेशावर में दुखद आतंकवादी घटना हुई है जिसमें कई सारी कीमती जानें चली गई हैं। इस क्रूरता की निंदा करने के लिए शब्द नाकाफी हैं। उन्होंने कहा, आतंकवाद हमारी सबसे बड़ी राष्ट्रीय चुनौती बना हुआ है। शोक संतप्त परिवारों के लिए संवेदनाएं।

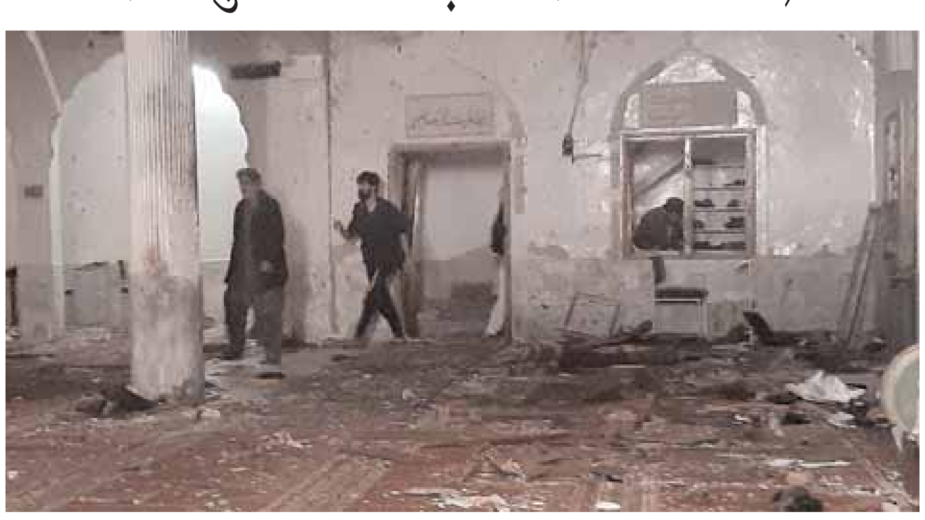

PASUPATI ACRYLON LIMITED
CIN : L50102UP1982PLC015532
Regd. Office : Kashipur Road, Thakurdwara, Distt. Moradabad (U.P)
Corp. Office : M-14, Connaught Circus (Middle Circle), New Delhi-110 001
Tel. No. : 91-11-47627400, Fax No : 91-11-47627497
E-mail : delhi@pasupatiacrylon.com, Website : www.pasupatiacrylon.com

NOTICE OF POSTAL BALLOT

Shareholders of **PASUPATI ACRYLON LIMITED** (**the "Company"**) are hereby informed that pursuant to Section 110 and other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 2013 ("**the Act**"), read with Rule 20 and 22 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 ("**the Rules**") as amended from time to time, read with the General Circular nos. 14/2020, 17/2020, 22/2020, 33/2020, 39/2020, 10/2021 and 20/2021 dated April 8, 2020, April 13, 2020, June 15, 2020, September 28, 2020, December 31, 2020, June 23, 2021 and December 8, 2021 respectively issued by Ministry of Corporate Affairs, ("**MCA Circulars**"), the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("**SEBI Listing Regulations**"), Secretarial Standard – 2 issued by the Institute of Company Secretaries of India and any other applicable laws and regulations (including any statutory modification(s), clarification(s), substitution(s) or re-enactment(s) thereof for the time being in force), the following Special Resolutions as set out in the Postal Ballot Notice dated March 3, 2022 are proposed to be passed by the shareholders of the Company through Postal Ballot by voting through electronic means ("remote e-voting") only:

Special Resolutions:
a) To increase the borrowing limits of the Company; and
b) To increase the limit for creation of charge/mortgage/hypothecation on the properties/assets of the Company in respect of its borrowings.

The Company has completed dispatch of Postal Ballot Notice along with the explanatory statement on March 4, 2022 only in electronic mode to all those shareholders whose email addresses are registered with the Company/Registrar and Share Transfer Agent/their Depository Participant as on Friday, February 25, 2022 ("Cut-off Date").The requirement of sending physical copy of the Postal Ballot Notice, Postal Ballot Forms and pre-paid business reply envelopes has been dispensed with, vide relevant MCA circulars.

The Postal Ballot Notice is also available on the Company's website www.pasupatiacrylon.com , website of Stock Exchanges i.e. BSE Limited and the National Stock Exchange of India Limited at www.bseindia.com and www.nseindia.com respectively and also on the website of Central Depository Services (India) Limited ("CDSL") at www.evotingindia.com.

In this regard, the shareholders are informed that:
1. The special businesses as set out in the Postal Ballot Notice are to be transacted through Postal Ballot by remote e-voting only through e-voting platform provided by CDSL.
2. The remote e-voting period shall commences on Saturday, March 5, 2022 at 9:00 A.M. (IST) and ends on Sunday, April 3, 2022 at 5:00 P.M. (IST). Shareholders may cast their vote electronically during the aforesaid period. The remote e-voting module shall be disabled thereafter and remote e-voting shall not be allowed beyond the same. Once the vote is cast, the shareholder will not be allowed to change it subsequently.
3. Only those shareholders, whose names appeared in the Register of Shareholders of the Company/ List of Beneficial Owners maintained by the Depositories as on the cut-off date i.e. Friday, February 25, 2022, shall be eligible to cast their votes on the Special Resolutions set out in the Notice through remote e-voting only. A person who is not a shareholder as on the cut-off date should treat the Notice for information purpose only.
4. The voting rights of the shareholders shall be in proportion to their shares in the total paid-up equity share capital of the Company as on cut-off date.
5. Shareholders who have not received Postal Ballot Notice may write to palsecretarial@gmail.com and obtain the same.
6. For any query or grievances connected with the facility for voting by electronic means, please contact Mr. Rakesh Dalvi, Sr. Manager, (CDSL,) Central Depository Services (India) Limited, A Wing, 25 Floor, Marathon Futurex, Mafatlal Mill Compounds, N M Joshi Marg, Lower Parel (East), Mumbai - 400013 or send an email to helpdesk.evoting@cdslindia.com or call on 022-23058542/43.

Shareholders who have not registered their email address are requested to register the same in respect of electronic holdings with the Depository through the concerned Depository Participants and in respect of physical holdings with the Company/its RTA, by submitting duly filled and signed Form ISR-1 which is available on the website of the Company at www.pasupatiacrylon.com.

The Board of Directors of the Company has appointed Mr. Susanta Kumar Hota, Proprietor of M/s. S. K. Hota & Associates, Practicing Company Secretaries (Membership No. 16165, Certificate No. 6425), as the Scrutinizer for conducting the Postal Ballot through remote e-voting process only in a fair and transparent manner.

The resolution, if approved, shall be deemed to have been passed on the last date of e-voting i.e. Sunday, April 3, 2022. Result of Postal Ballot alongwith the Scrutinizer's Report shall be declared on or before Tuesday, April 5, 2022 and the same will be displayed on the website of the Company www.pasupatiacrylon.com and communicated to BSE Limited, National Stock Exchange of India Limited and CDSL.

For PASUPATI ACRYLON LIMITED
Sd/-
BHARAT KAPOOR
COMPANY SECRETARY
Membership No. ACS 54267

Date : March 4, 2022
Place : New Delhi

रूस में बरसों पुरानी पुतिन की लोकप्रियता यूक्रेन युद्ध से हो सकती है कम

नूह बकले, ट्रीनिटी कॉलेज डबलिन

2000 में सत्ता में आने के बाद से, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी जनता के बीच स्वीकार्यता का जो स्तर बनाए रखा है, उससे अधिकांश विश्व नेताओं को ईर्ष्या होगी। एक स्वतंत्र सर्वेक्षणकर्ता के अनुसार, यूक्रेन पर हाल के आक्रमण से पहले, पुतिन की अनुमोदन रेटिंग 71ऊ थी। व्यापक धारणा के विपरीत, शोध में पाया गया है कि यह समर्थन केवल एक कल्पना या उन्हें मिले वोटों पर आधारित नहीं है। यूक्रेन पर रूस के मौजूदा हमले के बीच, वर्षों से पुतिन की सार्वजनिक छवि पर एक नज़र हमें यह समझने में मदद कर सकती है कि रूसी इस हिंसक युद्ध पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे – और इस नेता की लोकप्रियता पर इसका क्या प्रभाव हो सकता है। अपने शोध में, मैं यह पता लगाता हूं कि पुतिन सहित सत्तावादी नेताओं के प्रति सार्वजनिक स्वीकृति क्या है। मैंने और अन्य विद्वानों ने पाया कि आर्थिक प्रदर्शन पिछले 20 वर्षों में पुतिन के लिए रूसियों के निरंतर अंतर्निहित समर्थन का आधार है। सोवियत संघ के पतन के बाद 1990 के दशक में रूस के आर्थिक पतन के बाद, पुतिन ने आर्थिक सुधार और स्थिरता पर जोर दिया। आज, वित्तीय मजबूती और मुद्रास्फीति दर जैसे व्यावहारिक कारक आम तौर पर कई रूसियों की अपनी सरकार के प्रति धारणाओं पर हावी हैं। देशभक्ति के जोश के समय में भी यही स्थिति है, जैसे कि रूस द्वारा क्रीमिया पर 2014 के कब्जे के बाद पुतिन की लोकप्रियता में भारी उछाल आया। पश्चिमी दुनिया के अधिकांश देशों ने अब रूस पर गंभीर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं, एक पूर्ण सुरक्षित और स्थिर आय की इन बुनियादी मांगों के युद्ध-समर्थक भावना की किसी भी लहर से कम होने की संभावना नहीं है। यह कहा जाना चाहिए कि पुतिन इसलिए भी लोकप्रिय हैं कि वे कौन हैं और किसका प्रतिनिधित्व करते हैं – दृढ़ नेतृत्व। उनकी व्यक्तिगत अपील – एक विशिष्ट पुरुषत्व और आम आदमी का व्यवहार – और रूस को वैश्विक मामलों के मुख्य मंच पर वापस लाने में उनकी भूमिका केवल उनके आकर्षण को बढ़ाती है। अपनी बात कहने का हक हालांकि न तो आजीविका और आर्थिक कारक और न ही भू-राजनीतिक पुनरुत्थान पुतिन और उनके शासन के समर्थन के पीछे की पूरी कहानी बताते हैं। रूसी जनता अपनी राजनीतिक व्यवस्था में अपनी बात कहने के हक को महत्व देती है। सह-लेखकों ओरा जॉन रॉयटर और क्विंटिन बेज़र के साथ चल रहे शोध में, हम दिखाते हैं कि पुतिन के प्रति रूसियों की स्वीकृति कम हो जाती है जब उनके शहर के मेयर के लिए मतदान करने की उनकी क्षमता शासन द्वारा छीन ली जाती है। यह कभी-कभी पूर्ण उदार लोकतंत्र के लिए उनकी चाहत की वजह से भी कम हो सकता है, लेकिन जनमत के आंकड़ों से पता चलता है कि रूसी चाहते हैं कि उनके राजनीतिक नेता उनके प्रति जवाबदेह हों। यह महसूस करना कि कोई नहीं सुन रहा है, व्यवस्था और पुतिन के प्रति निराशा पैदा कर सकता है। रूस की विशाल और जटिल शासन प्रणाली के संचालन में लोकतांत्रिक कलेवर की यह मांग पुतिन और उनकी सरकार के बारे में रूसियों की धारणाओं को आकार देने वाला एक शक्तिशाली कारक है। हाल के वर्षों में, रूस सत्तावादी शासन के एक और अधिक दमनकारी स्वरूप में उतर गया है। विपक्ष, स्वतंत्र मीडिया और खुले असंतोष को दबाया गया है। इस प्रवृत्ति से रूसी जनता के उस वर्ग में विरोध और बढ़ेगा जो चाहते हैं कि उनकी आवाज सुनी जाए। अब, पश्चिम के साथ बढ़ते आर्थिक और कूटनीतिक युद्ध से शासन की अलगाववादी, अलोकतांत्रिक प्रवृत्तियों को बल मिलेगा और अधिकारियों से सार्वजनिक अलगाव और बढ़ता जाएगा। देश में कुछ लोगों ने यूक्रेन पर अपने देश के युद्ध की पूर्ण, विनाशकारी प्रकृति को समझना शुरू कर दिया है। देश भर में युद्ध विरोधी प्रदर्शनों में भाग लेने वाले हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह पुतिन के लिए बुरी खबर हो सकती है, जिनका रूस के भीतर समर्थन राजनीतिक उदासीनता पर निर्भर करता है। 2003-19 की सैकड़ों-हजारों रूसी जनमत सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं की जांच करते हुए, मैंने पाया है कि केवल सार्वजनिक विरोध के संपर्क में आने से पुतिन और उनके शासन की स्वीकृति कम हो जाती है।

जनता की ताकत

कुल मिलाकर इस शोध से पता चलता है कि पुतिन की लोकप्रियता काफी हद तक वास्तविक - न कि निर्मित या काल्पनिक - नीव पर टिकी हुई है। यूक्रेन पर उनके इस सोचे समझे आक्रमण से ए नीव बुरी तरह हिल जाएगी। यदि रूस मे युद्ध-विरोधी भावना बढ़ती रहती है, और जनता क्रूर दमन के विरोध मे असंतोष व्यक्त करने के लिए आवश्यक साहस जुटा पाती है, तो हम देखेंगे कि पुतिन की लोकप्रियता कुछ घटने लगी है। रूसी जनमत पर शोध से पता चलता है कि यूक्रेन पर हमले के परिणामस्वरूप रूस की अर्थव्यवस्था को विनाशकारी नुकसान होगा, पुतिन को बहुत नुकसान होने की संभावना है। विरोध की बढ़ती भावना और उनके प्रति रूसियों की भावनाओं का कम होना, उनके प्रति अस्वीकृति को बढ़ा सकता है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that **Sh. Nitin Soni** (hereinafter referred to as the said Mortgagors/Borrowers) is purchasing the Flat Bearing No. C-44-C, on Second Floor, Category-II, Situated at Gangotri Enclave, Alaknanda Residential Scheme, New Delhi from Ms. Shefali Nijhawan and Mr. Gaurav Mehta who became owner of the said flat **vide Gift Deed dated** 13.06.2018, and the same was dully registered with the **sub-registrar- V Mehrauli,** as Document No. 3340, Volume No. 14960, Book no. 1, Page No. 84-90, on 14.06.2018 **executed** by Ms. Santosh Pasricha through her Sister Attorney Mrs. Sudesh Mehtaand Now, **Sh. Nitin Soni** has agreed to create mortgage in respect of the said property in favour of our clients **IDFC FIRST Bank Limited.**
Further, if any person, body, individual, institution having any claim, title, interest and /or objection in respect of or against or relating to or touching upon said property or part of the property by way of sale, exchange, lease, lien, mortgage, charge, encumbrance, gift, trust, easement, maintenance, inheritance, testamentary deposition or otherwise or having in their custody any title, documents pertaining the said property shall communicate the same to the undersigned at below mentioned address within 10 days from the publication of this notice with documentary evidence in support thereof, failing which all the claim, of such person shall be considered to have been waived and or abandoned. Any objections raised after the completion of the 10 days shall not be binding upon the said property or my Client& in case anyone has any objection, the same may be raised within **10 days** of this publication to **Mr. Muneesh Dhawan/ Mr. Sudhir Jain (Advocates),** Law Veritas, Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at 9066707172/9818228636.
Sudhir Jain, Partner of Law Veritas, (M). 9818228636

जहां आप खो जाएंगे पुरानी यादों में

सैमी सत्तार का कहना है कि टंगरा प्रोजेक्ट कोलकाता के स्वाद को एक साथ लाता है

एक बहु-सांस्कृतिक कार्यस्थल में कामकाज से संबंधित एक बड़ा हिस्सा – जहां आपके सहकर्मियों को भोजन पसंद होता है – यह है कि आप विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के संपर्क में होते हैं। और न केवल उस तरह का भोजन जो रेस्तरां में क्यूरेट किया जाता है बल्कि वैसा खाना पकाया जाता है जो मोटे अनुमान के साथ, सामान्यतया घर जैसा होता है – और बहुत प्यार से परोसा जाता है। इसलिए, मेरे पिछले कार्यस्थल ने मुझे ऐसे व्यंजनों से अवगत कराया जो आसानी से देश के विभिन्न हिस्सों से संबंधित होने का दावा कर सकते थे, वो भी बंगाली – विशेष रूप से कलकत्ता संस्करण – प्रमुख होने के नाते। और इस प्रक्रिया में मुझे पता चला कि कोराइशुतिर कोचुरी और कोशा मैंग्शो के साथ में लुची ने एक अमृतमय स्वर्ग का प्रतिनिधित्व किया, सच उससे कमतर बिलकुल नहीं। इसलिए जब मैंने टंगरा प्रोजेक्ट के बारे में सुना, जहां शेफ विक्रमजीत रॉय ने अपनी जड़ों की पुनर्यात्रा करने का फैसला किया था।

उल्लेखनीय है कि शेफ विक्रमजीत ताज ग्रुप के वसाबी, अखिल एशियाई स्तर के आईटीसी, मौर्या एंड किमोनो के कियान जैसे विभिन्न एशियाई स्तर के रेस्टोरेंट्स से जुड़े रहे हैं। इसलिए मैंने बाहर निकलने और किराए का नमूना लेने का फैसला किया।

शेफ विक्रमजीत ने इंगित किया, ''टंगरा समावेशिता की पैरोकार है। ये चीनी प्रवासी थे जो कलकत्ता आए थे और शहर ने उनका खुले हाथों से स्वागत किया और उन्होंने शहर की पसंद के अनुरूप अपनी तकनीकों को समायोजित किया और उन्हें शहर को वापस भी लौटा दिया। मुगलों से लेकर डच, डेन, फ्रेंच और अंग्रेजों तक सभी आक्रमणों के लिए भी यही सच था। दिलचस्प बात यह है कि इनसे सांस्कृतिक एकीकरण हुआ और कुछ अनोखा सामने आया। मुगलों के व्यंजन कलकत्ता के अनुकूल थे और इसके सबसे अच्छे उदाहरण हैं – बिरयानी और रेजाला।''

नाम में प्रोजेक्ट शब्द जोड़ने का कारण यह है कि रेस्तरां को एक शुरुआत के रूप में देखा जाता है जहां

प्रारंभिक बिंदु टंगरा है और वहां से यह स्प्रिंगनुमा ऊपर की ओर जाता है। तो, इसमें बंगाली विरासती व्यंजन हैं, जहां तकनीकों को रेस्तरां के अनुरूप बनाया गया है। लगभग 200 व्यंजनों के साथ, मेनू काफी विस्तृत है, लेकिन शेफ इसे सही ठहराते हुए कहते हैं, ''हम समावेशिता का जश्न मना रहे हैं ताकि आप अपने दृष्टिकोण में मितव्ययी न हों। आप यह नहीं कह सकते कि मैं जश्न मनाना चाहता हूं और मैं इसे यहीं तक सीमित रखना चाहता हूं।''

रेस्टोरेंट को इस तरह से डिजाइन किया गया है मानो रूमानियत को आजमाना और उसकी ओर ले जाना हो- कि कलकत्ता में दिल्ली की तुलना में अनेक लोगों को समोने की क्षमता है। किनारे पर लगे दीये कॉलेज स्ट्रीट की दुकानों में रखी किताबों की याद दिलाते हैं, जबकि फर्श भी उसी क्षेत्र की याद दिलाता है।

शेफ विक्रमजीत कहते हैं, ''अगर आप इसे माल साइड की ओर से देखते हैं तो आप एक बड़ी मछली देखते हैं, लेकिन जब रेस्टोरेंट में प्रवेश करते हैं, तो आपको महसूस होता है कि दीवार में कई विभाग हैं जो परतों की छवि गढ़ते हैं। इसी तरह, कलकत्ता सिर्फ बंगालियों का नहीं है, वहां बहुत सारे समुदाय रहते हैं जो शहर को अपना घर मानते हैं।''

लेकिन 110 कवर रेस्तरां की आंतरिक सज्जा और अवधारणा से आगे बढ़ते हुए, हम भोजन पर आते हैं। हमने परवल गुआकामोल के साथ शकरकंद चिप्स से शुरुआत की, जो स्वाद में उत्तम था। इसने असली मैककॉय के स्वाद को पूरी तरह से दोहराया। लेकिन यह ऑर्गेनिक पालक, भुना हुआ खसखस, तिल था जो न केवल असामान्य दिखता था बल्कि

> **रेस्टोरेंट को इस तरह से डिजाइन किया गया है मानो रूमानियत को आजमाना और उसकी ओर ले जाना हो- कि कलकत्ता में दिल्ली की तुलना में अनेक लोगों को समोने की क्षमता है। किनारे पर लगे दीये कॉलेज स्ट्रीट की दुकानों में रखी किताबों की याद दिलाते हैं, जबकि फर्श भी उसी क्षेत्र की याद दिलाता है।**

स्वाद के सही संतुलन के साथ भी था। रोल में लिपटे पालक को तिल और खसखस की चटनी के साथ परोसा गया था, जिसमें एक सूक्ष्म मिठास थी जो पूर्णतया विशुद्ध चटखारे में मिश्रित थी। अगर यह तीन व्यंजन हैं तो जब मैं रेस्तरां में वापस जाऊंगी, तो यह निश्चित रूप से मेरी व्यंजन सूची में से एक होगा।

इसके बाद जो व्यंजन आया, वो पटुरी (सरसों में मैरीनेट किया हुआ और केले के पत्तों के अंदर पके हुए झींगे) था। सरसों का तीखा अम्लीय स्वाद पकवान पर हावी हो गया था। बफ कबाब और टीटीपी चिली चिकन की डिश भी थी। यह चिली चिकन था जिसने स्वाद और बनावट का सही संतुलन हासिल किया था। शिमला मिर्च और प्याज में हल्का सा दंश एकदम सही था, जबकि मीठी-खट्टी चटनी में प्रत्येक सामग्री एकदम समरूपता में थी, ताकि कोई एक भी प्रबल न हो।

मुख्य क्रम में था, जोरासंको आयरिश, जो आलू, मांस और उबले अंडे के साथ मिश्रित मीट स्टू था जिसे टमाटर-प्याज की ग्रेवी में मिलाया गया था, उसको लुची के साथ सेवन करना उसे एक हार्दिक भोजन बना गया।

हालांकि मेरा पेट काफी भर गया था लेकिन मिठाई में अपने लिए जगह बनाने का अपना तरीका है। इसके बाद बहुत सारा ड्रामा हुआ जिसने आगे क्या होने वाला है, इसके लिए प्रत्याशा पैदा कर दी। मेज पर मिठाई का एक गोला रखा गया था और परोसने वाले सज्जन ने शहद में डूबा एक सर्द गुलाब थमाया और मुझसे इसे तोड़ने के लिए कहा। द रोज नाम की यह मिठाई नर्म और स्वादिष्ट थी। और इसे जरूर आजमाना चाहिए। भोजन समाप्त करने का यह एकदम उत्तम मीठा नोट था।

पर्यावरण संकट

से निपटने में आधुनिक विज्ञान व तकनीक का उपयोग करें

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को यूएनईए में कहा कि मौजूदा पर्यावरण संकट से निपटने के लिए नवीनतम विज्ञान एवं अत्याधुनिक डिजिटल उपकरणों की आवश्यकता है तथा इसके लिए बिना किसी बाधा के वैश्विक ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना अहम है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित पांचवीं संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यूएनईए) के विशेष सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कहा कि इस मौके पर प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत बनाने के लिए काम करना चाहिए।

यादव ने विशेष सत्र के पूर्ण सत्र में कहा कि यूएनईपी की 50वीं वर्षगांठ पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत बनाने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का संरक्षण और संवर्धन के साथ ही प्रदूषण और कचरे से निपटने सहित मौजूदा प्रमुख पर्यावरणीय चुनौती का समाधान करने के लिए सामूहिक कार्रवाई को प्रोत्साहित करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री यादव ने मौजूदा पर्यावरण संकट से निपटने के लिए नवीनतम विज्ञान एवं अत्याधुनिक डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इसके लिए वैश्विक ज्ञान और प्रौद्योगिकी के बिना बाधाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना अहम है।

पांचवां यूएनईए आयोजन 28 फरवरी को नैरोबी में शुरू हुआ और यह शुक्रवार को विशेष सत्र के साथ समाप्त होगा।

यादव ने कहा, मैं यूएनईपी को 50 साल पूरे करने पर बधाई देता हूं, इस दौरान इसने वैश्विक समुदाय को असाधारण सेवा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि भारत अहम पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 1972 से यूएनईपी से जुड़ा रहा है।

पर्यावरण मंत्री यादव ने कहा, "यूएनईपी पर्यावरण के लिए अग्रणी वैश्विक आवाज़ों में से एक है। यह नेतृत्व प्रदान करता है तथा राष्ट्रों को उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रेरित, सूचित और सक्षम बना कर पर्यावरण की देखभाल करने में भागीदारी को प्रोत्साहित करता है...।

उन्होंने याद किया कि भारत ने 2018 में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करें विषय के साथ किया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एकल उपयोग प्लास्टिक को खत्म करने के लिए वैश्विक आह्वान किया था।

यादव ने जोर दिया कि भारत का मानना है कि संसाधनों का उपयोग सोच-समझकर किया जाना चाहिए और इसका विनाशकारी उपयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने ग्लासगो में सीओपी26 में लाइफ – लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट के लिए स्पष्ट आह्वान किया था।

उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि यूएनईपी को भारत के साथ हाथ मिलाना चाहिए ताकि मानवता और ग्रह की रक्षा के लिए वैश्विक समुदाय में लाइफ का संदेश फैलाया जा सके।

यादव ने कहा कि भारत पर्यावरण से संबंधित बहुपक्षीय समझौतों सहित पर्यावरणीय मुद्दों पर यूएनईपी के साथ मजबूत सहयोग की उम्मीद करता है।

चर्बी घटने-बढ़ने की है दूरी इंच-मात्र

चर्बी को कम करने और उसे दूर रखने के उपाय सुझाते हैं यशवर्धन स्वामी

क्या आपने कभी सोचा है कि कुछ लोग 'स्वस्थ' खाने और व्यायाम करने के बावजूद वसा या वृद्धि को क्यों नहीं खत्म कर पाते हैं? सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, आइए भोजन की मूल बातें और वसा हानि को समझते हैं। कुछ भी, जो 'बहुत अधिक संसाधित' नहीं है और पौष्टिक है, जो विटामिन और खनिजों में उच्च है, उसे स्वस्थ माना जाता है। लेकिन जब हमारा लक्ष्य वसा/वजन कम करना होता है, तो केवल स्वस्थ भोजन ही पर्याप्त नहीं होता है।

आइए समझते हैं क्यों।

वसा कम करने के लिए, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि हम समय के साथ जितनी कैलोरी जला रहे हैं उससे कम कैलोरी खा रहे हैं। सैद्धांतिक रूप से, एक किलो चर्बी खत्म करने के लिए, हमें 7,000 कैलोरी की कमी रखनी चाहिए। अगर हम जितनी कैलोरी खपत (समय के साथ)करते हैं उससे 7,000 कैलोरी कम खाते हैं, तो हमारा एक किलो वजन कम हो जाएगा।

वसा हानि/वजन घटाने के लिए कैलोरी की कमी होना आवश्यक है। अब, स्वस्थ भोजन पर वापस लौटते हैं।

- यदि कोई खाद्य स्रोत 'स्वस्थ' है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि उसमें कैलोरी की मात्रा कम है।
- स्वस्थ भोजन कैलोरी में भी उच्च हो सकता है।
- और अगर हम स्वस्थ भोजन का अत्यधिक सेवन करते हैं, तो यह हमें कैलोरी की प्रचुरता की स्थिति में ले जा सकता है, या हमारा वजन भी बढ़ा सकता है।
- तो, कुल मिलाकर, खाद्य स्रोत की परवाह किए बिना, कैलोरी मायने रखती है।

मेरी ओर से कुछ खाद्य पदार्थों की सूची प्रस्तावित है, जो स्वस्थ हैं लेकिन कैलोरी में उच्च हैं :

1. सभी नट या काठफल और उनसे बना मक्खन
2. सभी तेल (यहां तक कि जैतून का तेल भी)
3. डार्क चॉकलेट
4. प्रोटीन बार
5. अधिकांश प्रोटीन बार और नाश्ता बार
6. फलों के रस (फल बेहतर होते हैं क्योंकि वे फाइबर और तृप्ति में उच्च होते हैं)
7. हम्मस और ड्रेसिंग

पुनः, क्या इसका अर्थ यह होता है कि हमें डाइटिंग करने के दौरान इन्हें खाना बंद कर देना चाहिए? बिलकुल नहीं। हमें बस इनकी मात्रा को लेकर समझदार होने की जरूरत है क्योंकि इन सबका अत्यधिक सेवन कर लेना बहुत आसान है जो हमारे कैलोरी संतुलन को बिगाड़ सकता है।

पौष्टिकता संबंधी किसी भी योजना में, हमें सुनिश्चित करना होगा कि डाइटिंग योजना में पर्याप्त प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा हो ताकि स्थायीत्व और अनुपालन सुनिश्चित हो सके। मैं विभिन्न प्रकार के खाद्य स्त्रोत को शामिल करना चाहूंगा जो स्वस्थ, पौष्टिक तथा अत्यावश्यक विटामिनों, खनिजों व फाइबर से भरपूर हैं। अब व्यायाम के बारे में बात करते हैं।

हममें से कई लोग मानते हैं कि व्यायाम करने से ही हम मोटापा/ वजन कम कर लेंगे। व्यायाम स्वास्थ्य, गतिशीलता, मुद्रा, समृद्धि व दीर्घजीविता के लिए अद्भुत है।

लेकिन हम खराब आहार को साधित नहीं कर सकते हैं। कैलोरी को, जिसे हम जलाते हैं उसे

वापस खाना बहुत आसान (और तेज) है। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं: उदाहरण के लिए, हम एक घंटे के लिए व्यायाम करते हैं और 500 कैलोरी जलाते हैं। लेकिन यदि खाद्य स्रोत सही नहीं हैं, तो उन कैलोरी को वापस खाने में कुछ ही सेकंड और मिनट लग सकते हैं। इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम सभी पोषक तत्वों का ध्यान रखते हुए, नियमित रूप से व्यायाम करते हुए, सक्रिय रहें और तनाव और नींद जैसे मानसिकता वाले अन्य जीवन शैलीगत कारकों का ध्यान रखते हुए, कम कैलोरी (अर्थात समय के साथ कम कैलोरी खा रहे हैं) में खा रहे हैं।

(लेखक स्वास्थ्य और फिटनेस शिक्षक हैं।)

पंत का उम्दा खेल, कोहली का बड़ी पारी का इंतजार जारी

● श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट : पंत के तूफानी अर्धशतक से भारत के छह विकेट पर 357 रन

भाषा। मोहाली

जडेजा और पंत रन चुराने का प्रयास करते हुए

विराट कोहली अपने एतिहासिक 100वें टेस्ट में अच्छी शुरुआत के बावजूद बड़ी पारी खेलने के नाकाम रहे लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आक्रामक अर्धशतक से भारत ने शुक्रवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन छह विकेट पर 357 रन बनाए। पंत सिर्फ चार रन से अपने पांचवें टेस्ट शतक से चूक गए लेकिन 97 गेंद में नौ चौकों और चार छक्कों से उनकी 96 रन की तूफानी पारी और रविंद्र जडेजा (नाबाद 45) के साथ उनकी छठे विकेट की 104 रन की साझेदारी से भारत अंतिम सत्र में 158 रन जोड़कर अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल रहा। दिन का खेल खत्म होने पर रविचंद्रन अश्विन 10 रन बनाकर जडेजा का साथ निभा रहे थे। चेतेश्वर पुजारा की जगह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे हनुमा विहारी (58) ने मौके का फायदा उठाते हुए अर्धशतक जड़ा लेकिन एतिहासिक 100वां टेस्ट खेल रहे कोहली (45) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 90 रन जोड़े। भारत ने हालांकि पांच रन के भीतर कोहली और विहारी के विकेट गंवाए जिसके बाद पंत और जडेजा ने शतकीय साझेदारी करके मेजबान टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद में स्टेडियम पहुंचे लगभग पांच हजार दर्शकों का पंत ने खूब मनोरंजन किया जिन्होंने श्रीलंका के औसतम आक्रमण के खिलाफ ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। पंत ने बाएं हाथ के स्पिनर लसिथ एंबुलदेनिया (107 रन पर दो विकेट) के एक ओवर में 22 रन बटोरे। पंत ने इस तरह स्टेडियम में पसरे उस सन्नाटे को दूर किया जो कोहली के आउट होने के बाद कुछ देर के लिए हावी हो गया था। कोहली के लिए एतिहासिक दिन के मौके पर हालांकि पंत छाए रहे। उन्होंने एंबुलदेनिया पर मिड विकेट के ऊपर से छक्का जड़ा। वह लगभग डेढ़ सत्र में ही अपने पांचवें टेस्ट शतक के करीब पहुंच गए लेकिन अपनी आखिरी अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेल रहे सुरंगा लकमल (63 रन पर एक विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गए। पंत अपने 29वें टेस्ट में पांचवीं बार नर्वस नाइंटीज का शिकार हुए। एंबुलदेनिया श्रीलंका के गेंदबाजों में सबसे अधिक प्रभावी नजर आए। उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को समय समय पर परेशान किया लेकिन अधिक सफलता हासिल नहीं कर पाए। इससे पहले कोहली ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो पर सीधे चौके के साथ शुरुआत की। वह 76 गेंद में 45 रन की पारी के दौरान अच्छी लय में दिखे। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके जड़े और इस दौरान टेस्ट क्रिकेट में आठ हजार रन भी पूरे किए। एंबुलदेनिया की लेग साइड पर पिच होकर स्पिन होती गेंद को हालांकि कोहली चूक गए और गेंद ने उनके आफ स्टंप के बेल्स गिरा दिए। इसके बाद स्टेडियम में कुछ देर के लिए एकदम सन्नाटा सा पसर गया। ऐसा लग रहा था कि विहारी बड़ी पारी खेलेंगे लेकिन वह तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो की आफ साइड के बाहर की गेंद पर कड़ा प्रहार करने की कोशिश में गेंद को विकेटों पर खेल गए। विहारी ने अपनी पारी में पांच चौके मारे। सीमित ओवरों की श्रृंखला में अच्छी फॉर्म में चल रहे श्रेयस अय्यर 27 रन बनाकर धनंजय की गेंद पर पगबाधा हुए। इससे पहले भारत ने सुबह के सत्र में तेज शुरुआत के बाद दोनों सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और मयंक अग्रवाल के विकेट गंवाकर लंच तक दो विकेट पर 109 रन बनाए। कप्तान रोहित (28 गेंद में 29 रन) और अग्रवाल (49 गेंद में 33 रन) ने शुरुआती 10 ओवर के भीतर पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े लेकिन अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे। भारत ने हालांकि सुबह के सत्र में चार रन प्रति ओवर से अधिक की गति से रन जुटाए और लंच से पहले 15 चौके जड़े। श्रीलंका को लाहिरू ने रोहित को आउट करके पहली सफलता दिलाई जबकि एंबुलदेनिया ने अग्रवाल को पवेलियन भेजा। रोहित ने लकमल का स्वागत चौके के साथ किया और फिर मिडविकेट बाउंड्री पर चौका जड़ा। उन्होंने कुमारा पर डीप मिडविकेट पर एक और चौका मारा लेकिन इसी तेज गेंदबाज की शॉर्ट गेंद को पुल करने की कोशिश में डीप फाइन लेग पर लकमल को कैच दे बैठे।

स्कोरबोर्ड

भारत पारी :मयंक पगबाधा बो एम्बुलडेनिया 33, रोहित क लकमल बो कुमारा 29, विहारी बो फर्नांडो 58,कोहली बो एम्बुलडेनिया 45, पंत बो लकमल 96,अय्यर पगबाधा बो डिसिल्वा 27,जडेजा नाबाद 45, अश्विन नाबाद 10,**अतिरिक्त** : 14 रन,कुल योग : 85 ओवर में छह विकेट पर 357 रन, विकेट पतन :1-52, 2-80, 3-170, 4-175, 5-228, 6-332, **गेंदबाजी** : लकमल 16-1-63-1, फर्नांडो 16-1-69-1, कुमारा 10.5-1-52-1, एम्बुलडेनिया 28-2-107-2, डिसिल्वा 11-1-47-1, असालांका 3.1-0-14- 0

तीन प्रारूपों के समय में मैंने सौ टेस्ट खेले, अगली पीढ़ी मेरे करियर से सीख ले सकती है: कोहली

भाषा। मोहाली

सौ टेस्ट खेलने वाला सिर्फ 12वां भारतीय क्रिकेटर बनने की उपलब्धि हासिल करने वाले विराट कोहली ने शुक्रवार को कहा कि वह चाहते हैं कि अगली पीढ़ी इस तथ्य से प्रेरणा ले कि वह बेहद व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के बीच तीनों प्रारूपों में खेलने के बावजूद यह उपलब्धि हासिल कर पाए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस स्टार क्रिकेटर को शुक्रवार को यहां उनके 100वें टेस्ट के मौके पर सम्मानित किया। कोहली ने यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए उतरकर यह उपलब्धि हासिल की। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद कोहली ने कहा, वर्तमान समय में हम तीनों प्रारूपों और आईपीएल में जितना क्रिकेट खेल रहे हैं उसे देखते हुए अगली पीढ़ी मेरे से यह सीख ले सकती है कि मैंने शीर्ष प्रारूप में 100 टेस्ट मैच खेले। जैविक रूप से सुरक्षित माहौल से जुड़ी पाबंदियों के कारण द्रविड़ ने कोहली को स्मारिका कैप और चमचमाता स्मृति चिन्ह सौंपा। इस दौरान कोहली की अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा और भाई विकास कोहली भी स्टैंड में मौजूद थे। यह मेरे लिए विशेष लम्हा है। मेरी पत्नी यहां है और मेरा भाई भी। सभी को काफी गर्व है। यह टीम खेल है और यह आपके बिना संभव नहीं हो पाता। कोहली ने कहा, शुरुआत में भारतीय क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करने का मौका मुझे देने के लिए बीसीसीआई को भी धन्यवाद और इसके बाद सब कुछ लगातार मजबूत होता चला गया। मैं इसे (सम्मान) इससे बेहतर इंसान से नहीं ले सकता था, मेरे बचपन के नायकों में से एक।

हम लोग रिकॉर्ड और उपलब्धियों को लेकर उतावले रहते हैं

मोहाली। विराट कोहली जब अपना सौवां टेस्ट खेलने उतरे तो उन्हे काफी बेचैनी थी और पहले टेस्ट जैसे वह नर्वस भी थे लेकिन उनके रिकॉर्ड और उपलब्धियों को लेकर लोगों के क्रेज से वह अविचलित रहते है। कोहली श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन 45 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पहले दिन का खेल समाप्त होने पर कहा , मुझे अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों मे बदलना होगा। बतौर बल्लेबाज आपको निराशा होती है। जब मीडिया ने पूछा कि बड़ी पारी नही खेल पाने के कारण क्या वह अपनी प्रक्रिया में बदलाव करना चाहते है, इस पर उन्होंने कहा , मेरी तैयारी वैसी ही है जैसी हमेशा रही है।

भारतीय महिलाओं ने विश्व पैदलचाल में पदक जीतकर इतिहास रचा

मस्कट। भारत की भावना जाट, रवीना और मुनीता प्रजापति ने विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टीम चैम्पियनशिप के महिलाओं के 20 किलोमीटर वर्ग में देश को पहला कांस्य पदक दिलाकर इतिहास रच दिया। चीन ने स्वर्ण और यूनान ने रजत पदक जीता। रवीना 14वें स्थान पर रही जिन्होंने एक घंटे, 40 मिनट और 22 सेकंड का समय निकाला। तोक्यो ओलंपिक खेल चुकी भावना 1: 43:08 का समय निकालकर 21वें स्थान पर रही जबकि मुनीता 26वें स्थान पर रही। एक देश के सभी प्रतियोगियों के प्रदर्शन को जोड़कर पदक तय किए गए। इस चैम्पियनशिप के 61 साल के इतिहास में भारतीय महिला टीम का यह पहला पदक है। पुरुष टीम ने 2012 में कांस्य जीता था।

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर में भारत के कम से कम दो रजत पक्के

नई दिल्ली। भारत की मिश्रित युगल टीम और महिला युगल टीम डब्ल्यूटीटी कंटेंडर मस्कट 2022 टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अपने अपने वर्ग के फाइनल में पहुंच गई। मिश्रित युगल में मानव ठक्कर और अर्चना कामथ ने हंगरी के नंडोर एसेकी और लैला इमरे को 11-9, 11- 7, 11 -5 से हराया। अब उनका सामना चीन के वांग चुक्नि और चेन शिंगटोन से होगा। महिला युगल मे सुतीर्था और अयिका मुखर्जी ने श्रीजा अकुला और सेलेनादीप्ति सेल्वाकुमार को 11-4, 11- 6, 12-10 से हराया। फाइनल में उनका सामना चीन की कियान तियानी और चेन शिंगटोंग से होगा जबकि श्रीजा और सेलेनादीप्ति को कांस्य पदक से संतोष करना होगा।

आसान गोल गंवाने से बचना होगा : भारतीय हॉकी खिलाड़ी

भुवनेश्वर। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी शमशेर सिंह और हार्दिक सिंह ने कहा है कि इस व्यस्त साल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए भारत को आसानी से गोल गंवाने की अपनी आदत छोड़नी होगी। आठ बार की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम ने पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक के मुकाबले में जर्मनी को 5 . 4 से हराकर 41 साल बाद पदक जीता। उसके बाद से भारतीय टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है। ढाका मे एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम खिताब जीतने मे नाकाम रही और एफआईएच प्रो लीग मे फ्रांस और स्पेन जैसी निचली रैंकिंग वाली टीमों से हार गई।

रॉयल्स ने स्टीफन जोन्स को हाई परफोर्मेंस तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार को स्टीफन जोन्स को फ्रेंचाइजी का हाई परफोर्मेंस तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की। वेल्स के 48 साल के पूर्व तेज गेंदबाज जोन्स इससे पहले 2019 में टीम के तेज गेंदबाजी कोच की भूमिका निभा चुके है। नई भूमिका मे जोन्स की जिम्मेदारी रॉयल्स के ढांचे का हिस्सा बनने वाले सभी गेदबाजो को पूरे साल शीर्ष स्तरीय ट्रेनिंग, मार्गदर्शन और सहयोग देने की होगी। उनका ध्यान आफ सत्र के दौरान और आईपीएल सत्र से पहले ट्रेनिंग पर होगा। मीडिया विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

महान स्पिनर शेन वॉर्न का थाईलैंड में निधन

● दिल का दौरा पड़ने की आशंका

भाषा। मेलबर्न

स्पिन गेंदबाजी को नई परिभाषा देने वाले आस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वॉर्न का थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके प्रबंधन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह 52 वर्ष के थे। उनके परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। वॉर्न के प्रबंधन ने आस्ट्रेलियाई मीडिया को एक संक्षिप्त बयान जारी किया है कि वॉर्न का थाईलैंड के कोह समुई में निधन हो गया है और संभवत: उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। कोह समुइ थाईलैंड का लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। बयान में कहा गया , शेन अपनी विला में अचेत पाए गए। मेडिकल स्टाफ की तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी जांच नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने कहा , उनके परिवार ने इस मौके पर निजता बनाए रखने की अपील की है। समय आने पर आगे ब्यौरा दिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शुमार वॉर्न ने 1992 में

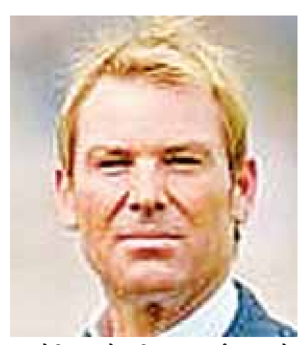

आस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण करके 145 टेस्ट खेले और 708 विकेट लिए। वहीं 194 वनडे में 293 विकेट चटकाए। आईपीएल के पहले सत्र में 2008 में राजस्थान रॉयल्स ने उनकी कप्तानी में खिताब जीता था। उन्होंने 1993 में 24 वर्ष की उम्र में ओल्ड ट्रैफर्ड में जिस गेंद पर इंग्लैंड के माइक गैटिंग को आउट किया था , उसे सदी की गेंद माना जाता है। गैटिंग उस लेग ब्रेक पर हैरान रह गए। गेंदबाजी की यह कला उस समय अंतिम सांसे ले रही थी जब वॉर्न ने उसे पुनर्जीवित किया। वह श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (800 विकेट) के बाद सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज थे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया और श्रीलंका क्रिकेट ने 2007 में दोनों दिग्गजों के सम्मान में दोनों देशों के बीच टेस्ट श्रृंखला का नाम वॉर्न मुरलीधरन ट्रॉफी रखा। भारत के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पहला टेस्ट खेलने वाले वॉर्न को 1992 से 2007 के बीच उनकी अतुल्य उपलब्धियों के लिए विजडन ने शताब्दी के पांच क्रिकेटरों में चुना। उन्हें 2013 में आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल किया गया। वॉर्न 1999 विश्व कप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य थे। उन्होंने एशेज क्रिकेट में सर्वाधिक 195 विकेट लिए है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स को पहले ही सत्र में कप्तान और कोच के रूप में खिताब दिलाया। मैदान के भीतर और बाहर बेहतरीन शख्सियत के मालिक वॉर्न ने कमेंटेटर के रूप में भी कामयाबी पाई। भारत में वह काफी लोकप्रिय थे और रवि शास्त्री उनका पहला टेस्ट विकेट थे। अपने मिजाज के कारण कई बार वह विवादों से भी घिर जाते थे। मसलन 1998 में मार्क वॉ और उन्हें पिच और मौसम के हालात की जानकारी एक सटोरिए को देने की एवज में पैसा लेने के लिए क्रिकेट आस्ट्रेलिया को जुर्माना देना पड़ा।

आस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रोड मार्श का निधन

ब्रिसबेन। आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज रोड मार्श का निधन हो गया है। उन्हें एक हफ्ता पहले क्वीन्सलैंड में धर्मार्थ कार्यों के लिए पैसा जुटाने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। मार्श 74 बरस के थे। तेज गेंदबाज डेनिस लिली के साथ मार्श की जोड़ी शानदार थी। इन दोनों ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट मे रिकॉर्ड 95 शिकार किए। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष लैक्लेन हेंडरसन ने कहा, यह आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए बेहद दुखद दिन है और उन सभी के लिए जिन्हे रोड मार्श से प्यार था और उनकी सराहना करते थे। उन्होंने कहा, रोड ने जिस तरह खेल खेला और आस्ट्रेलिया की शानदार टीम के सदस्य के रूप मे दर्शकों को जिस तरह खुशी दी उसके लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा- कैच मार्श गेंदबाजी लिली का हमारे खेल मे अलग रुतबा है। मार्श और लिली ने इंग्लैंड के खिलाफ 1970-71 एशेज श्रृंखला में टेस्ट पदार्पण किया और 1984 मे पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट के बाद संन्यास लिया। दोनो के नाम उस समय समान 355 शिकार दर्ज थे जो उस समय विकेटकीपर और तेज गेंदबाज दोनो के लिए रिकॉर्ड था।

शोक में डूबा खेल जगत, सबने याद किया

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वॉर्न के असामयिक निधन पर समूचा क्रिकेट जगह गमगीन है और दुनिया भर से ट्विटर पर मौजूदा और पूर्व खिलाड़ियो ने उन्हे सोशल मीडिया पर श्रृद्धांजलि दी है। वॉर्न का थाईलैंड के कोह समुई मे शुक्रवार को निधन हो गया। ऐसी आशंका है कि उन्हे दिल का दौरा पड़ा था। सचिन तेंदुलकर : स्तब्ध। तुम्हारी कमी खलेगी वॉर्नी। मैदान से भीतर या बाहर तुम्हारे साथ कोई पल उबाऊनही होता था। मैदान के भीतर हमारी प्रतिद्वंद्विता और बाहर हंसी मजाक को हमेशा याद करूंगा। भारत के लिए तुम्हारे मन मे खास जगह थी और भारतीयों के मन में तुम्हारे लिए। बहुत जल्दी चले गए। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा : मेरे पास शब्द नही है। यह बहुत दुखद है। एक लीजैंड और खेल का चैम्पियन चला गया। अभी भी विश्वास नही हो रहा। विराट कोहली : जीवन कितना अप्रत्याशित और अस्थिर है। एक ऐसे महान खिलाड़ी जिन्हें मै मैदान से बाहर भी जानता था, उनके जाने पर विश्वास नही कर पा रहा हूं। क्रिकेट की गेंद को टर्न कराने वाले सबसे महान खिलाड़ी इजीओएटी (ग्रेटेस्ट आफ आल टाइम) बीसीसीआई सचिव जय शाह : महान स्पिनर शेन वॉर्न के निधन से दुखी और स्तबध हूं। उनके परिवार , दोस्तों और प्रशंसकों को संवेदनाएं। ओम शांति। युवराज सिंह : विश्व क्रिकेट के लिए दुखद दिन। पहले रॉडनी मार्श और अब शेन वॉर्न। दिल टूट गया है। वॉर्न के

साथ खेलने की सुखद यादे है। वह स्पिन के जादूगर थे और क्रिकेट के लीजैंड। समय से पहले चले गए। उनकी कमी बहुत खलेगी। उनके परिवार को मेरी संवेदनाएं।वी वी एस लक्ष्मण : बिल्कुल अविश्वसनीय। मेरे पास शब्द नही है। लीजैंड और महानतम खिलाड़ियों में से एक। इतनी जल्दी चले गए। उनके परिवार और दोस्तो को संवेदना। गौतम गंभीर : कुदरती प्रतिभा केसाथ उनके जैसे तेवर बिरलों में ही होते है। शेन वॉर्न ने गेंदबाजी को जादू जैसा बना दिया। आरआईपी। हरभजन सिंह : विश्वास नही होता कि शेन वॉर्न नही रहे। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे मेरे हीरो। इस पर विश्वास करने का मन नही करता। पूरी तरह से टूट चुका हूं। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी : काश यह खबर सच नही हो। एक लीजैंड और महान क्रिकेटर। यादो के लिए , खेल के लिए धन्यवाद शेन वॉर्न। आरआईपी। वीरेंद्र सहवाग : स्पिन को कूल बनाने वाले दुनिया के महानतम स्पिनरो मे से एक शेन वॉर्न नही रहे। जीवन बहुत नाजुक है लेकिन इस पर भरोसा करना मुश्किल है। उनके परिवार, दोस्तो और प्रशंसकों को मेरी संवेदनाएं। इरफान पठान : शेन वॉर्न दर्शकों के पसंदीदा थे। स्पिन के जादूगर। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लीजैंड। आईपीएल जीतने वाले पहले कप्तान। उनकी कमी खलेगी। ब्रेंडन मैकुलम : नही नही। दिल टूट गया है। अभी से द किंग की कमी खलने लगी। एडम गिलक्रिस्ट : (टूटे हुए दिल की इमोजी , कोई शब्द नही) भारतीय हाकी खिलाड़ी पी आर श्रीजेश : हमारे बचपन को खास बनाने वाला नही रहा। आरआईपी लीजैंड। भारतीय फुटबॉल कप्तान सुनील छेत्री : शेन वॉर्न के निधन की खबर से स्तब्ध हूं। उनके खेल को देखकर और प्रेरणा लेकर बड़े हुए। अपूरणीय क्षति। शोएब अख्तर : इस कमी से उबरने में काफी समय लगेगा। महान शेन वॉर्न अब हमारे बीच नही रहे। बाबर आजम : इस पर विश्वास करना मुश्किल है। क्रिकेट जगत के लिए अपूरणीय क्षति। अपनी जादुई लेग स्पिन से उन्होने पीढियो को प्रेरित किया। आपकी कमी हमेशा खलेगी शेन वॉर्न। उनके परिवार,दोस्तों और प्रशंसकों को मेरी संवेदनाएं। शिल्पा शेट्टी (अभिनेत्री और राजस्थान रॉयल्स की पूर्व सह मालिक) : लीजैंड हमेशा जीवित रहते है।

वेस्टइंडीज का जीत से आगाज

● महिला विश्व कप में शुरुआती मुकाबले में न्यूजीलैड को तीन रन से हराया

भाषा। माउंट मोनगानुई

हेली मैथ्यूज के शतक के बाद डिएड्रा डोटिन की अंतिम ओवर में धारदार गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को यहां बे ओवल में महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के शुरुआती मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड की मजबूत टीम के खिलाफ तीन रन की रोमांचक जीत दर्ज की। हेली ने 128 गेंद में 16 चौकों और एक छक्के की मदद से 119 रन की पारी खेली लेकिन वेस्टइंडीज की बाकी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहीं जिससे टीम ने नौ विकेट पर 259 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में 2000 की चैंपियन न्यूजीलैंड की टीम कप्तान सोफी डिवाइन की 108 रन की पारी की मदद से वापसी करने में सफल रही लेकिन टीम ने अंतिम ओवर में मुकाबला गंवा दिया जिसमें सिर्फ दो रन बने और मेजबान टीम तीन विकेट गंवाकर एक गेंद शेष रहते 256 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड को अंतिम ओवर में छह रन की दरकार थी। पहली गेंद पर एक रन बना लेकिन अगली चार गेंद पर न्यूजीलैंड ने तीन विकेट गंवा दिए। 17 साल की फ्रेन जोनास के रन आउट होने के साथ वेस्टइंडीज ने जीत दर्ज की। डोटिन ने दो रन देकर दो विकेट हासिल किए। इससे पहले डिवाइन रन आउट होने से बची और उन्हें जीवनदान भी मिला और वह छठा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा करने में सफल रहीं लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। चेनेल हेनरी ने 45वें ओवर में अपनी ही गेंद पर डिवाइन का कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया। इससे वेस्टइंडीज की उम्मीद बंधी और फिर अनुभवी आलराउंडर ने अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी करके टीम को जीत दिला दी। वेस्टइंडीज की जीत की राह आसान हो सकती थी लेकिन टीम का क्षेत्ररक्षण काफी खराब रहा। टीम ने रन गंवाए और कुछ कैच भी टपकाए। डिवाइन को 37 और 74 रन के स्कोर पर दो जीवनदान मिले जबकि आलिया एलिन की गेंद पर वेस्टइंडीज ने पगबाधा की करीबी अपील पर डीआरएस नहीं लिया। डिवाइन के आउट होने के बाद न्यूजीलैंड को अंतिम पांच ओवर में 39 रन की दरकार थी।

उप्र के खिलाफ महाराष्ट्र के पहली पारी में 462 रन

● रणजी ट्रॉफी

भाषा। सुल्तानपुर (हरियाणा)

कप्तान अंकित बावने के 140 रन और अजीम काजी के 113 रन की मदद से महाराष्ट्र ने उत्तर प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप जी मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को पहली पारी में 462 रन बनाए। बावने ने अपने कल के स्कोर में 24 रन जोड़े और वह तेज गेंदबाज अंकित राजपूत का दूसरा शिकार बने। महाराष्ट्र के कप्तान ने 250 गेंद की अपनी पारी में 23 चौके लगाए। उनके आउट होने के बाद 28 वर्ष के काजी ने शतक जड़ा। उन्होंने 243 गेंदों का सामना करके अपनी पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया। सत्यजीत बछाव (19) और तरणजीत सिंह ढिल्लों (19) अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। उत्तर प्रदेश के लिए जसमेर धनखड़ ने 83 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में उत्तर प्रदेश के सलामी बल्लेबाज अलमास शौकत रिटायर्ड हर्ट हो गए जबकि समर्थ सिंह 14 रन बनाकर विकी ओस्तवाल का शिकार हुए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर उप्र का स्कोर एक विकेट पर 30 रन था। प्रियम गर्ग 29 और करण शर्मा नौ रन बनाकर खेल रहे थे। दूसरे मैच में असम के 316 रन के जवाब में विदर्भ ने नौ विकेट पर 265 रन बनाए।

उत्तराखंड पर आंध्र का पलड़ा भारी

तिरूवनंतपुरम। आंध्र ने पहली पारी में 32 रन की बढत बनाने के बाद उत्तराखंड के दो विकेट जल्दी निकालकर रणजी ट्रॉफी ग्रुप ई के मैच में अपना पलड़ा दूसरे दिन शुक्रवार को भारी कर लिया। उत्तराखंड को 194 रन पर आउट करने के बाद आंध्र ने 85 ओवर में 226 रन बनाए। दूसरे मैच में सेना ने राजस्थान पर 209 रन की बढत बना ली। राजस्थान को 92 रन पर आउट करने के बाद सेना ने 302 रन बनाए। रजत पालीवाल ने 91 और एस यू यादव ने 60 रन बनाए।

कर्नाटक के पहली पारी में 453 रन

चेन्नई। कर्नाटक ने पुडुच्चेरी के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के मैच में पहली पारी आठ विकेट पर 453 रन पर घोषित की। इसके बाद पुडुच्चेरी के दो विकेट 52 रन पर निकालकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। कप्तान मनीष पांडे ने 161 गेंद में 107 रन की नाबाद पारी खेली जबकि इससे पहले देवदत्त पडिक्कल ने 178 रन बनाए। दूसरे मैच में रेलवे ने जम्मू कश्मीर के खिलाफ पहली पारी में बढत बना ली।

मंडल के हरफनमौला प्रदर्शन से बंगाल मजबूत स्थिति में

कटक। मैदान पर वापसी करने वाले सायन शेखर मंडल के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन से बंगाल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में चंडीगढ के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। कल के स्कोर छह विकेट पर 329 रन से आगे खेलते हुए बंगाल ने पहली पारी में 437 रन बनाए। मंडल ने 142 गेंद में 97 रन जोड़े। राजनीति में उतरने के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर रहे पश्चिम बंगाल के खेलमंत्री मनोज तिवारी ने 53 रन बनाए।

खरे, सिंह के शतक से दिल्ली पर छत्तीसगढ का पलड़ा भारी

गुवाहाटी। अमनदीप खरे और शशांक सिंह के शतकों की मदद से छत्तीसगढ ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप एच के मैच के दूसरे दिन पहली पारी नौ विकेट पर 482 रन पर घोषित की जिससे दिल्ली की नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। दिल्ली चार टीमों के ग्रुप एच में आखिरी स्थान पर है जिसके दो मैचों के बाद एक ही अंक है। अगले दौर में पहुंचने की थोड़ी बहुत उम्मीदें बचाने के लिए उसे यह मैच बोनस अंक के साथ जीतना था। अपने कल के स्कोर 75 रन से आगे खेलते हुए खरे 318 गेंद में 156 और सिंह 177 गेंद में 122 रन बनाकर नाबाद हैं। दिल्ली के लिए स्पिनर विकास मिश्रा ने 124 रन देकर छह विकेट लिए। जवाब में दिल्ली ने तीन विकेट पर 108 रन बना लिए हैं। भारत के अंडर 19 विश्व कप विजेता कप्तान यश धुल और क्षितिज शर्मा ने 29 . 29 रन बनाए।नीतिश राणा 20 और जोंटी सिद्धू आठ रन बनाकर खेल रहे हैं। छत्तीसगढ ग्रुप एच में सात अंक लेकर शीर्ष पर है। दूसरे मैच में तमिलनाडु ने झारखंड के खिलाफ पहली पारी में बढत बना ली। पहली पारी में 285 रन बनाने के बाद उसने झारखंड को 226 रन पर आउट कर दिया।

युकी और रामकुमार ने भारत को डेनमार्क पर 2-0 की बढ़त दिलाई

भाषा। नई दिल्ली

● डेविस कप

युकी भांबरी ने डेविस कप में वापसी करते हुए जीत दर्ज की जबकि रामकुमार रामनाथन ने शुक्रवार को यहां एकतरफा जीत हासिल की जिससे भारत ने डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप टेनिस विश्व ग्रुप एक प्ले आफ मुकाबले में 2-0 की बढ़त बना ली। ग्रास कोर्ट के कम उछाल पर डेनमार्क के खिलाड़ी क्रिस्टियन सिग्सगार्ड की अहजता और गलतियों का पूरा फायदा उठाते हुए रामकुमार ने दिल्ली जिमखाना क्लब पर शुरुआती एकल मुकाबले में दुनिया के 824वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ 6-3 6-2 से जीत दर्ज की। सिर्फ 59 मिनट चले मुकाबले के दौरान डेनमार्क का खिलाड़ी काफी सहज गलतियां करने के कारण 170वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी को कोई चुनौती नहीं दे पाया। दूसरी तरफ 2017 के बाद पहली बार डेविस कप खेल रहे युकी ने दूसरे एकल में माइकल टोर्पगार्ड को 6-4 6-4 से हराकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। टोर्पगार्ड ने हालांकि सिग्सगार्ड की तुलना में बेहतर सर्विस की और अच्छे शॉट लगाकर अपनी टीम की उम्मीद जगाई थी। यह स्पष्ट था कि ग्रास कोर्ट पर डेनमार्क की मेजबानी करने की भारत की रणनीति कारगर रही और मेहमान के खिलाड़ियों को कम उछाल से निपटने में काफी परेशानी हुई। रोहन बोपन्ना और दिविज शरण अब शनिवार को फ्रेडरिक नील्सन और योहानेस इंगिल्डसेन के खिलाफ युगल मुकाबला जीतकर भारत को निर्णायक बढ़त दिलाने की कोशिश करेंगे। अगर भारत युगल मुकाबला जीतता है तो विश्व ग्रुप एक में अपनी जगह बरकरार रखेगा और उलट एकल बेमानी हो जाएंगे। स्कोर लाइन के 4-। से 5-4 होने के संदर्भ में पूछे जाने पर युकी ने जीत दर्ज करने के बाद कहा, डेविस कप में अधिक महत्वपूर्ण कड़ी टक्कर देना है। आज मैंने कड़ी टक्कर दी। मैच हमेशा मेरे नियंत्रण में था। यह बस एक साथ कुछ अंक जुटाने का मामला था। कप्तान रोहित राजपाल ने दोनों एकल खिलाड़ियों की सराहना की। उन्होंने कहा, युकी ने शीर्ष स्तर का खेल दिखाया। उसके खेल में पैनापन था। रामकुमार भी आत्मविश्वास के साथ खेला। पहले सेट में उसके खेल में पैनापन था। हम चाहते थे कि गेंद को नीचे रखें और उन्हें परेशान करें। खिलाड़ियों ने रणनीति को अच्छी